Postal Regn No./C.G./RYP DN/48/2023-25 www.dainikvishwapariwar.com रायपुर (छ.ग.) एवं झांसी (उ.प्र.) से एक साथ प्रकाशित राष्ट्रीय हिन्दी पत्र

दैनिक विश्व परिवार

● अंक : 42 ● वर्ष : 14 ● रायपुर, गुरुवार 13 अगस्त 2026 ● पृष्ठ : 08 ● मूल्य : 3 रूपए ● संस्थापक : कीर्तिशेष- श्री कैलाश चन्द्र जैन

सुविचार

धर्म ध्यान दूसरों के माध्यम से नहीं होता, उसके लिए स्वयं कमर कसना चाहिये।

Religious meditation is not attained through others, for is one must resolve him self.

आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज

पीएम मोदी ने पूर्व राष्ट्रपति कोविंद की 'आत्मकथा' का किया विमोचन

नई दिल्ली। पीएम मोदी ने पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की 'आत्मकथा' का किया विमोचनपीएम मोदी ने बुधवार को दिल्ली के विज्ञान भवन में पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की आत्मकथा का विमोचन किया। इसका शीर्षक 'ट्रायम्फ ऑफ द इंडियन रिपब्लिक: माई लाइफ माई स्ट्रगल्स' है। इस कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद और लोकसभा स्पीकर ओम बिरला मौजूद रहे। बड़ी संख्या में लोगों ने भी कार्यक्रम में हिस्सा लिया।

स्पीकर ओम बिरला ने लोगों को संबोधित करते हुए कहा, रामनाथ

कोविंद जी एक साधारण परिवार में जन्मे हैं। शुरुआती जीवन में कई चुनौतियां थीं। स्कूल जाने के लिए भी इन्हें कई किलोमीटर की यात्रा करनी पड़ती थी, लेकिन बाधाओं के बावजूद आपका संकल्प कभी कमजोर नहीं पड़ा। यह पुस्तक आपकी उस असाधारण संकल्प शक्ति की जीवन चित्रण है, जो हम सभी के लिए प्रेरणा का स्त्रोत है। पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने कहा, आज का यह अवसर मेरे लिए अलग है, क्योंकि आज की चर्चा का विषय मेरा अपना निजी जीवन है। मेरी आत्मकथा 'ट्रायम्फऑफ द इंडियन रिपब्लिक: माई लाइफ माई स्ट्रगल्स' के विमोचन के अवसर पर शामिल होने के लिए मैं सभी का आभार व्यक्त करता हूं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रशंसा करते हुए कोविंद ने कहा, सार्वजनिक जीवन में एक कार्यकर्ता के तौर पर मेरी मुलाकात मोदी जी से हुई। उस समय वे पार्टी में अधिक सक्रिय भूमिका निभा रहे थे। मुझे संगठन के कार्यक्रमों में उनके साथ काम करने का अवसर मिला। इस दौरान उनकी जिस बात ने मुझे सबसे अधिक प्रभावित किया, वह थी उनकी दूरदर्शिता, विकास के प्रति प्रतिबद्धता और साधारण कार्यकर्ताओं से सहज जुड़ने की उनकी क्षमता। पूर्व राष्ट्रपति ने कहा कि शासन और विकास के विषय में उनकी बातों में एक स्पष्टता और दृढ़ता दिखाई देती थी। मैंने उनके भीतर संगठनात्मक दक्षता और दूरदर्शी सोच का अद्वितीय संगम देखा। साथ ही, उन्होंने कहा, मेरी राजनैतिक यात्रा का आरंभ भाजपा के साथ हुआ। उसका एक कारण था। इस पार्टी में 'राष्ट्र सर्वोपरि' की बात चरितार्थ की जाती है।

किसानों की समृद्धि से ही समृद्ध होगा छत्तीसगढ़ : मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय

- **किसान प्रदेश की प्रगति की धुरी, उनकी आय बढ़ाने के लिए सरकार निरंतर कर रही काम : मुख्यमंत्री**

रायपुर (विश्व परिवार)। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय हरेली तिहार के पावन अवसर पर नवा रायपुर में राजस्व मंत्री श्री टंकराम वर्मा के नवीन शासकीय आवास में आयोजित गृह प्रवेश समारोह एवं हरेली उत्सव में शामिल हुए। मुख्यमंत्री ने श्री वर्मा एवं उनके परिजनों को नवीन आवास में गृह प्रवेश की बधाई देते हुए उनके सुखी, समृद्ध और मंगलमय जीवन की कामना की। उन्होंने उपस्थित जनप्रतिनिधियों एवं नागरिकों को भी छत्तीसगढ़ के प्रथम लोक पर्व हरेली की शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह विशेष रूप से उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि हरेली जैसे शुभ अवसर पर राजस्व मंत्री श्री टंकराम वर्मा का नवीन शासकीय आवास में गृह प्रवेश इस अवसर को और भी विशेष बनाता है। हरेली हमारी कृषि संस्कृति, प्रकृति और ग्रामीण जीवन से गहराई से जुड़ा पर्व है। किसान इस दिन कृषि औजारों और गौवंश की पूजा कर प्रकृति के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करते हैं तथा अच्छी वर्षा, भरपूर फसल और परिवार की खुशहाली की कामना करते हैं। यह पर्व छत्तीसगढ़ की उस समृद्ध परंपरा का प्रतीक है, जिसमें प्रकृति, खेती और लोकजीवन एक-दूसरे से गहराई से जुड़े हुए हैं।

किसान छत्तीसगढ़ की प्रगति की धुरी : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ की अर्थव्यवस्था और ग्रामीण जीवन का मजबूत आधार खेती-किसानी है। किसान प्रदेश की प्रगति की धुरी हैं और उनकी समृद्धि में ही छत्तीसगढ़ की समृद्धि निहित है। राज्य सरकार किसानों की आमदनी बढ़ाने, खेती को लाभकारी बनाने और कृषि क्षेत्र में नई संभावनाओं के विस्तार के लिए निरंतर काम कर रही है।

उन्होंने कहा कि किसानों को उनकी उपज का बेहतर मूल्य दिलाना सरकार की प्राथमिकता है। प्रदेश में किसानों से 3,100 रुपए प्रति क्विंटल की दर से प्रति एकड़ 21 क्विंटल तक धान की खरीदी की जा रही है। इससे किसान परिवारों की आर्थिक स्थिति मजबूत हुई है और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी नई गति मिली है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि खेती की उत्पादकता बढ़ाने के लिए सिंचाई सुविधाओं का विस्तार भी तेजी से किया जा रहा है। हमारा प्रयास है कि अधिक से अधिक कृषि क्षेत्र को सुनिश्चित सिंचाई की सुविधा मिले, जिससे किसान वर्षा पर निर्भरता कम कर बेहतर उत्पादन प्राप्त कर सकें।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि किसानों की आय बढ़ाने के लिए केवल परंपरागत खेती तक सीमित रहने के बजाय उन्हें कृषि से जुड़ी सहायक और आयमूलक गतिविधियों से जोड़ने पर भी जोर दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि केंद्र और राज्य की डबल इंजन सरकार विभिन्न योजनाओं के माध्यम से किसानों को आधुनिक कृषि तकनीक, सिंचाई, कृषि यंत्रीकरण तथा अन्य आयवर्धक गतिविधियों के लिए प्रोत्साहित कर रही है। उन्होंने कहा कि किसान आर्थिक रूप से मजबूत होगा तो गांव मजबूत होगा और गांव मजबूत होंगे तो विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण की गति और तेज होगी।

भाजपा की चाटुकारिता करने वाली ईडी संभल जाये, सरकार बदलने वाली है : भूपेश बघेल

- **कांग्रेस नेता रामगोपाल की गिरफ्तारी के विरोध में ईडी ऑफिस का घेराव व धरना**

रायपुर (विश्व परिवार)। कांग्रेस नेता रामगोपाल अग्रवाल के खिलाफईडी द्वारा झूठा मुकदमा दर्ज कर उनकी गिरफ्तारी के विरोध में कांग्रेस ने आज नेताजी सुभाष स्टेडियम में स्थित ईडी दफ्तर के सामने धरना देकर ईडी दफ्तर का घेराव किया। इस अवसर पर ईडी पर आक्रमक हमला बोलते हुये पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा कि भाजपा की केंद्र सरकार के इशारे पर ईडी कांग्रेस नेताओं के खिलाफ पूरी कार्यवाही कर रही है। भाजपा की चाटुकारिता करने वाली ईडी संभल जाये, सरकार बदलने वाली है। प्रदेश में कोयला, रेत, शराब में अवैध वसूली हो रही। शराब में ओवर रेटिंग हो रही, ईडी कार्यवाही का साहस क्यों नहीं दिखाती है? ईडी गलत कार्यवाही करना बंद करें। भाजपा की उल्टी गिनती शुरू हो गयी है। गलत काम करने वाले तथा विपक्ष के खिलाफ षडयंत्र करने वाले अधिकारी संभल जाये। गैर कानूनी काम तथा षडयंत्र करना बंद करे दें। रामगोपाल के साथ पूरी पार्टी खड़ी है। उन्होंने जेन जी के आंदोलन की तारीफकरते हुये कहा कि अब सरकार के अत्याचार के खिलाफ युवा सड़को पर उतर गये है। युवा इनके ईडी, सीबीआई से डरने वाला नहीं है। उन्होंने कहा राज्य में वसूली और भ्रष्टाचार की सरकार चल रही, कौन नेता, मंत्री कहा वसूली कर रहा किसी से छिपा नहीं, किसने गर्लफ्रेंड के लिये 3 करोड़ का मकान बनवाया, कौन नया रायपुर के मेफेयर में बैठकर वसूली कर रहा था, सबका हिसाब लिया जायेगा। खुद गले तक भ्रष्ट है, दूसरों को झूठे आरोप में फंसा रहे है। धरने में पूर्व मंत्री ताम्रध्वज साहू, वरिष्ठ कांग्रेस नेता राजेंद्र तिवारी, प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला, विधायक संगीता सिन्हा, विधायक हर्षित स्वामी बघेल, विधायक रामकुमार यादव, एवं कांग्रेस के कार्यकर्ता सैकड़ो के संख्या में उपस्थित थे।

केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान और गजेंद्र सिंह शेखावत से मिले सांसद बृजमोहन अग्रवाल

- **छत्तीसगढ़ के धान को मिलेगी वैल्यू एडिशन की नई पहचान, भाटापारा के पोहा को देश-विदेश के बाजार तक पहुंचाने की पहल**

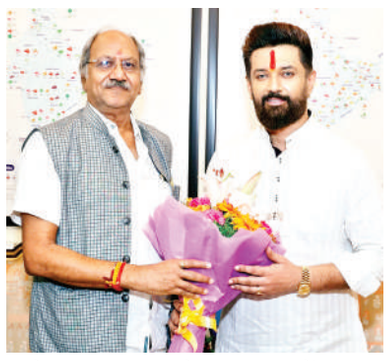

नई दिल्ली। छत्तीसगढ़ के धान उत्पादन को आधुनिक खाद्य प्रसंस्करण उद्योग से जोड़कर किसानों की आय बढ़ाने और प्रदेश में बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसर सृजित करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की गई है।

लोकसभा सांसद श्री बृजमोहन अग्रवाल ने बुधवार को केंद्रीय खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री श्री चिराग पासवान से मुलाकात कर छत्तीसगढ़ में चावल आधारित खाद्य प्रसंस्करण उद्योगों के विकास का विषय प्रमुखता से उठाया।

श्री अग्रवाल ने कहा कि छत्तीसगढ़ देश के प्रमुख धान उत्पादक राज्यों में शामिल है। प्रदेश में धान की प्रचुर उपलब्धता के बावजूद इसका बड़ा हिस्सा प्राथमिक स्तर पर ही प्रसंस्कृत होता है। आवश्यकता इस बात की है कि धान को केवल चावल के रूप में बेचने के बजाय उससे तैयार होने वाले उच्च मूल्य वाले खाद्य उत्पादों की पूरी प्रोसेसिंग चेन छत्तीसगढ़ में विकसित की जाए।

उन्होंने विशेष रूप से भाटापारा के पोहा उद्योग का उल्लेख किया। भाटापारा का पोहा अपनी गुणवत्ता और पहचान के कारण देश के विभिन्न हिस्सों में पहुंचता है। यदि इसी क्षमता को आधुनिक तकनीक, पैकेजिंग, ब्रांडिंग और मार्केटिंग से जोड़ा जाए, तो भाटापारा को Rice-Based Food Processing Hub के रूप में विकसित किया जा सकता है।

श्री अग्रवाल ने कहा कि छत्तीसगढ़ में पोहा, मुरमुरा, राइस-बेस्ड स्नैक्स, रेडी-टू-ईट उत्पाद, राइस फ्लोर तथा अन्य चावल आधारित खाद्य उत्पादों के लिए आधुनिक प्रोसेसिंग यूनिट स्थापित किए जाने की व्यापक संभावनाएं हैं। इससे किसानों को स्थानीय स्तर पर बेहतर बाजार मिलेगा और युवाओं के लिए रोजगार एवं उद्यमिता के नए अवसर पैदा होंगे।

केंद्रीय मंत्री श्री चिराग पासवान ने इस प्रस्ताव पर सकारात्मक रुख अपनाते हुए छत्तीसगढ़ में चावल आधारित फूड प्रोसेसिंग उद्योगों की संभावनाओं को लेकर एक विस्तृत परियोजना तैयार कर प्रस्तुत करने को कहा। श्री अग्रवाल ने कहा कि इस संबंध में एक समग्र परियोजना प्रस्ताव तैयार कर केंद्र सरकार के समक्ष प्रस्तुत किया जाएगा। प्रस्ताव में स्थानीय कृषि उत्पादन, किसानों को बाजार से जोड़ने, आधुनिक प्रसंस्करण, पैकेजिंग, ब्रांडिंग, रोजगार सृजन और देश-विदेश के बाजार तक उत्पाद पहुंचाने की संभावनाओं को शामिल किया जाएगा।

ललितपुर जिले में स्थित विश्व प्रसिद्ध प्राचीन प्रागैतिहासिक जैन तीर्थ क्षेत्र : नवागढ़ जी : एक परिचय

क्षेत्र का इतिहास

सन 1959 ई में पंडित गुलाब चंद जी पुष्प ककरवाहा से व्यापार हेतु नाबई (नवागढ़) गांव से निकले टीले के ऊपर विशालकाय इमली के पेड़ के नीचे बहुत सी खंडित जैन मूर्तियां देखी ग्रामीण वहां नारियल फोड़कर मनौती मांगते देखे गए। ग्रामीणों ने बतलाया की यहां सारी विपदाओं के निराकरण हो जाते हैं यहां की धूल भी यदि हम रोगी को लगा दें वह स्वस्थ हो जाता है ।

पुष्प जी के अथक परिश्रम एवं सूझबूझ से कुछ ही दिनों में इमली का पेड़ हटवाया गया टीला हटाने पर जमीन में 10 फीट नीचे 1000 वर्ष प्राचीन 4.75 फीट अरहनाथ भगवान की भूगर्भ से प्रतिमा प्राप्त हुई । पुष्प जी ने वही संकल्प किया कि वे पुन: प्रतिष्ठा करके इस क्षेत्र का विकास करेंगे ।

क्षेत्र की वर्तमान स्थिति

अरहनाथ स्वामी चक्रवर्ती की 14 रत्न एवं नो निधियों की कलात्मक शिल्प कला, वैभव के अंकन का आकर्षण विलक्षण है।

प्रागैतिहासिक क्षेत्र की प्राचीनता - सिद्धों की टोरिया का पैटालिक रार्क कप मार्क 10000 वर्ष प्राचीन मानव सभ्यता का साक्ष्य है । ब्र. जय निशांत जी द्वारा अन्वेषित कच्छप शिला की चितेरों की चंगेर शैल चित्र श्रृंखलाएं 6 से 8 हजार वर्ष पूर्व की विकसित मानव सभ्यता, मिट्टी एवं पाषाण की के मनके 2 हजार वर्ष से लगातार मानवीय सभ्यता के प्रत्यक्ष साक्ष्य है।

बुंदेलखंड का वृहद इतिहास

मदनपुर की अभिलेख अनुसार सन 1182 ई में चंदेल शासक परमर्दिदेव से युद्ध करते हुए पृथ्वीराज चौहान ने महोबा, लासपुर, मदनपुर के साथ नवागढ़ को भी ध्वस्त किया था ।

पुरातन साधना स्थली

नवागढ़ के बीहड़ में नैसर्गिक प्राचीन शैलाश्रय एवं गुफाएं हैं। 11 जून 2015 ई को कुछ विशेष गुफाओं की खोज की गयी ।

संग्रहालय

नवागढ़ में खनन से प्राप्त प्रतिहार कालीन 8 फीट उत्तंग भगवान आदिनाथ 15 फीट उत्तंग भगवान शांतिनाथ, पद्मासन भगवान पारसनाथ, विशाल तोरण एवं कई अति विशिष्ट शिल्पों के साथ लगभग 200 कलाकृतियां क्षेत्र की यशो गाथा की साक्षी है ।

संरक्षण की विशेष आवश्यकता

हजारों वर्ष प्राचीन इन कलाकृतियों का क्षरण चिंता का विषय है, इनका

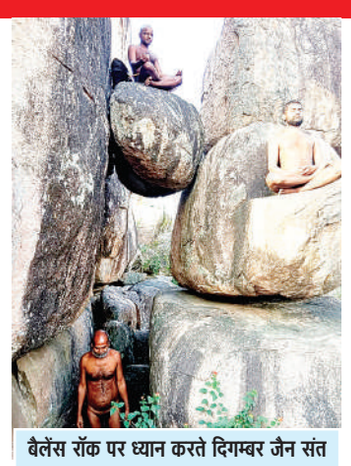

बैलेंस रॉक पर ध्यान करते दिगम्बर जैन संत

सावधानी पूर्वक व्यवस्थित रासायनिक प्रक्रिया द्वारा संरक्षण अनिवार्य है अन्यथा यह विशिष्ट धरोहर कभी भी नष्ट हो सकती है ।

विलक्षण कलाकृतियां :

- पंच तीर्थ पारसनाथ
- राजकुमार अकलंक- निकलंक
- उपाध्याय बिम्ब
- राजकुमार अरहनाथ
- तीर्थंकर माता के अद्भुत दर्शन

संभावनाएं

ग्रामीण अंचलों में

अकलंक निकलंक की प्रतिमा

विशेष संस्कृतिक यह ऐतिहासिक महत्व की पुरा संपदा एवं पाषाण कालीन सभ्यता के और भी अवशेष मिलने की संभावनाएं हैं।

क्षेत्र के अतिशय - विध्वंस लीला को जलते हुए मूल नायक अरहनाथ भगवान की प्रतिमा का सुरक्षित रहना स्वयं में अतिशय है । देवों द्वारा अभिषेक, आंखों की ज्योति आना, पांव का दर्द ठीक होना, शारीरिक एवं मानसिक बाधा दूर होना, खाली गोद भरना, कैंसर एवं ट्यूमर जैसी असाध्य बीमारी ठीक होना आदि अनेकानेक अतिशय कारी घटनाओं के ग्रामीण जन साक्षी है।

संत समागम

इस क्षेत्र पर आचार्य श्री विद्यासागर, आचार्य श्री विराग सागर जी सहित अनेक महान साधु साध्वी संघ दर्शन कर सौभाग्य प्राप्त कर इस क्षेत्र का अतिशय वर्धन कर चुके हैं ।

आचार्य श्री विद्यासागर जी द्वारा पुरा संपदा का अवलोकन - मई 2018 में आचार्य भगवंत द्वारा नवागढ़ में संग्रहित पुरा संपदा का अवलोकन किया गया ।

श्री नवागढ़ गुरुकुलम

कीर्तिशेष पं0 गुलाबचंद जी पुष्प प्रतिष्ठाचार्य की स्मृति में श्री नवागढ़ गुरुकुलम ब्र.जय निशांत जी के निर्देशन में पुष्प परिवार एवं नवागढ़ समिति के सहयोग से श्री नवागढ़ गुरुकुलम ट्रस्ट द्वारा संचालित किया जा रहा है ।

वार्षिक मेला

फाल्गुन शुक्ल तृतीया को क्षेत्र का मेला में बर्ष में एक बार होने वाला महा मस्तकाभिषेक संपन्न होता है ।

नवागढ़ में अब तक आयोजित पंचकल्याणक महोत्सव - संवत् 1123 से लेकर संवत् 2077 तक 7 पंचकल्याणक महोत्सव संपन्न हुए ।

वृत्ती आश्रम

उत्कृष्ट साधकों एवं त्यागी वृत्ति श्रावक - श्राविकाओं के लिए वित्ती

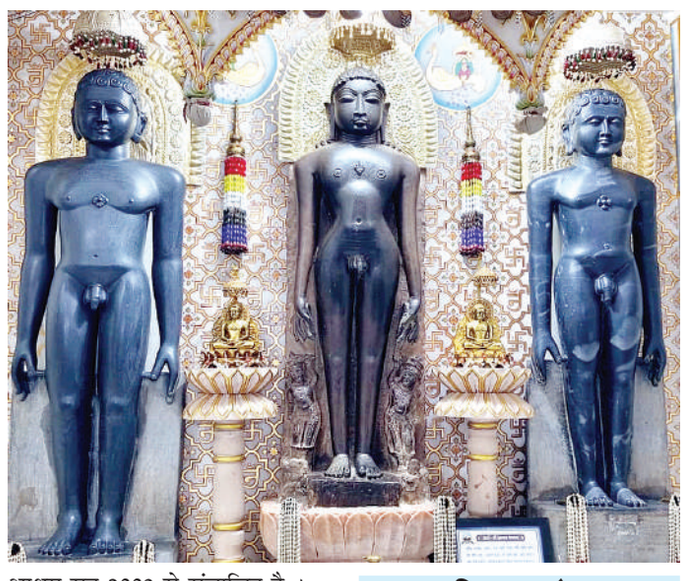

आश्रम सन 2009 से संचालित है ।

मानव सेवा कार्य

समय-समय पर ट्रस्ट द्वारा विशेष रोग निदान चिकित्सा शिविर, कंप्यूटर द्वारा नेत्र परीक्षण एवं ऑपरेशन कराए जाते हैं समय-समय पर वस्त्र, कंबल एवं अन्न का वितरण किया जाता है ?द्य

क्षेत्र पर उपलब्ध सुविधाएं

विधान, स्वाध्याय, चौका , शादी विवाह से लेकर यात्रियों के आवास हेतु बेहतरीन धर्मशाला, भोजनालय सहित तमाम व्यवस्थाएं है ?।

गौशाला - क्षेत्र की गौशाला संचालित है ।

विनम्र अनुरोध

भारतवर्ष के लगभग सभी प्रदेशों में सैकड़ो गजरथ एवं पंचकल्याणक प्रतिष्ठा को सफलता एवं प्रसन्नता पूर्वक संपन्न करते हुए प्रतिष्ठा पितामह पंडित श्री गुलाबचंद जी पुष्प ने आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज से शुभाशीष प्राप्त कर शेष जीवन को समाधि की ओर अग्रेषित करने के पूर्व अपनी समस्त विद्या एवं दायित्व चतुर्थ पुत्र बाल ब्रह्मचारी भैया जय निशांत जी को सौप कर 5 जनवरी 2015 को पूर्ण चेतना के साथ जीवन साधना को सार्थक करते हुए समाधि पूर्वक देह का परित्याग किया।

- भरत सेठ घुवारा

प्राचीन धातु धरोहर

दैनिक
विश्व परिवार
महानगर

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com
रायपुर, गुरुवार 13 अगस्त 2026

हरेली: कृषि उपकरणों की हुई पूजा अर्चना

कोरबा। छत्तीसगढ़ में लोकपर्वों की शुरुआत सावन अमावस्या को हरेली के साथ हो गया। इस मौके पर कृषक समुदाय ने कृषि उपकरणों की पूजा अर्चना करने के साथ अच्छी फसल और समृद्धि की कामना की। शहर से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों में पारंपरिक प्रतियोगिताओं में बच्चे और युवा शामिल हुए। खरीफ सीजन का ज्यादातर काम निपटने के बाद कृषक वर्ग हरेली को वर्षों से मनाता आ रहा है। इसके पीछे मूल सिद्धांत यही है कि वर्ष भर की खाद्यान्न आवश्यकताओं की पूर्ति बेहतर तरीके से हो। जिस भरोसे के साथ खेतों में बीज लगाए गए हैं, उनके जरिए फसल की अच्छी पैदावार हो और सभी की आवश्यकताएं पूरी हो।

हरेली तिहार पर मुख्यमंत्री निवास में साकार हुई छत्तीसगढ़ की लोक संस्कृति

- कृषि परंपरा और ग्रामीण जीवन की जीवंत झांकी
- मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कृषि औजारों और गौवंश की पूजा कर प्रदेश की सुख-समृद्धि, अच्छी वर्षा और भरपूर फसल की कामना की

रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ की मिट्टी की सोंधी महक, खेत-खलिहानों की परंपराएं, लोकगीतों की स्वर लहरियां, मांदर की थाप, गेड़ी का उल्लास और पारंपरिक व्यंजनों की खुशबू - प्रदेश के प्रथम लोक पर्व हरेली तिहार पर आज नवा रायपुर स्थित मुख्यमंत्री निवास छत्तीसगढ़ की समृद्ध लोक संस्कृति और ग्रामीण जीवन की जीवंत झांकी में बदल गया। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने विधि-विधान से भगवान शिव, गौमाता और कृषि औजारों की पूजा-अर्चना कर प्रदेश में अच्छी वर्षा, भरपूर फसल, किसानों की समृद्धि और सभी परिवारों की सुख-खुशहाली की कामना की। विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह सहित मंत्रीगण, जनप्रतिनिधि, विभिन्न निगम-मंडल एवं आयोगों के पदाधिकारी, किसान और बड़ी संख्या में नागरिक इस उत्सव के साक्षी बने।

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने प्रदेशवासियों, विशेषकर किसान भाई-बहनों को हरेली तिहार की गाड़ा-गाड़ा बधाई देते हुए कहा कि हरेली छत्तीसगढ़ की कृषि संस्कृति, प्रकृति और ग्रामीण जीवन के बीच आत्मीय रिश्ते का उत्सव है। यह पर्व हमें अपनी धरती, पशुधन, कृषि उपकरणों और प्रकृति के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का अवसर देता है। छत्तीसगढ़ धान का कटोरा है और प्रदेश की बड़ी आबादी की आजीविका खेती-किसानी से जुड़ी है। किसान की समृद्धि ही गांव और प्रदेश की खुशहाली का मजबूत आधार है।

पारंपरिक वेशभूषा में पिंक ऑटो से पहुंचे मुख्यमंत्री

हरेली के उत्सव में मुख्यमंत्री श्री साय पूरी तरह छत्तीसगढ़ी रंग में रंगे नजर आए। पारंपरिक वेशभूषा धारण कर वे विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह के साथ महिला ऑटो चालक श्रीमती संगीता यादव के पिंक ऑटो में मुख्यमंत्री निवास परिसर से कार्यक्रम स्थल पहुंचे। इस अनूठे अंदाज ने कार्यक्रम में उपस्थित लोगों का ध्यान आकर्षित किया और उत्सव के माहौल में आत्मीयता का रंग घोल दिया।

कार्यक्रम की शुरुआत गौरी-गणेश एवं नवग्रह पूजन के साथ हुई। मुख्यमंत्री ने मंत्रोच्चार के बीच शिवलिंग का अभिषेक किया और नांगर, रापा, कुदाल, फावड़ा सहित खेती-किसानी में उपयोग आने वाले कृषि औजारों की विधि-विधान से पूजा की। इसके बाद उन्होंने छत्तीसगढ़ महतारी की प्रतिमा को नमन किया।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि हरेली के समय तक खेती के अनेक प्रमुख कार्य पूरे हो चुके होते हैं और किसान प्रकृति एवं अपने कृषि साधनों की पूजा कर अच्छे कृषि वर्ष की कामना करते हैं। यह परंपरा हमारे पुरखों की प्रकृति के प्रति गहरी समझ और सम्मान को दर्शाती है।

छत्तीसगढ़ी सिनेमा को 25 वर्षों तक सींचने वाले अभिनेता अनुज शर्मा को मिला राष्ट्रीय सम्मान

- 'सातवें निर्मल पांडे फिल्म फेस्टिवल' में देश के दिग्गज फिल्मकारों के बीच मिला 'एक्टिंग आइकॉन अवॉर्ड'

रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ी सिनेमा, लोक कला एवं संस्कृति के संरक्षण और संवर्धन में ऐतिहासिक योगदान के लिए धरसींवा विधायक व प्रख्यात अभिनेता अनुज शर्मा को प्रतिष्ठित 'एक्टिंग आइकॉन अवॉर्ड' से सम्मानित किया गया है। उन्हें यह सम्मान रायपुर में आयोजित दो दिवसीय 'सातवें निर्मल पांडे फिल्म फेस्टिवल' में प्रदान किया गया।

निर्मल पांडे स्मृति न्यास द्वारा आयोजित इस गरिमामयी समारोह में अनुज शर्मा को छत्तीसगढ़ी फिल्म उद्योग को पिछले 25 वर्षों से लगातार नेतृत्व देने, सहेजने और राज्य की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को जन-जन तक पहुँचाने के लिए इस विशेष पुरस्कार से नवाजा गया। इसके साथ ही, कला के क्षेत्र में उनके देशव्यापी प्रभाव को देखते हुए 'ऑल इंडिया आर्टिस्ट एसोसिएशन, शिमला' की ओर से भी उन्हें एक विशेष सम्मान से विभूषित किया गया।

सांस्कृतिक पहचान को मिला राष्ट्रीय मंच

समारोह के दौरान उपस्थित वरिष्ठ जनों ने छत्तीसगढ़ी सिनेमा के विकास और उसकी सांस्कृतिक पहचान को राष्ट्रीय स्तर पर स्थापित करने में अनुज शर्मा के अद्वितीय योगदान को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि अनुज शर्मा के शानदार अभिनय, कला और छत्तीसगढ़ की लोक परंपराओं के प्रति उनके अटूट समर्पण ने प्रदेश की अनूठी संस्कृति को देश के व्यापक मंचों पर सम्मानजनक स्थान दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

छत्तीसगढ़ की माटी और कलाकारों का सम्मान: अनुज शर्मा

इस गौरवपूर्ण सम्मान के लिए निर्मल पांडे स्मृति न्यास एवं ऑल इंडिया आर्टिस्ट एसोसिएशन, शिमला का आभार व्यक्त करते हुए विधायक अनुज शर्मा ने कहा, 'यह सम्मान केवल मेरा व्यक्तिगत सम्मान नहीं है, बल्कि यह छत्तीसगढ़ी सिनेमा, इससे जुड़े हर छोटे-बड़े कलाकार और हमारे प्रदेश की समृद्ध लोक कला-संस्कृति का सम्मान है।'

कांग्रेस ने हमेशा आदिवासियों को शोषित और वंचित रखने का काम किया: देवलाल ठाकुर

- देश अब अपने वीर जनजातीय सपूतों के शौर्य का दिवस मनाता है, गांधी परिवार के महिमामण्डन में कांग्रेस ने इतिहास के पन्नों से मिटाया शहीद वीर नारायण सिंह, गेंद सिंह और गुण्डाधुर वीरों का इतिहास

रायपुर (विश्व परिवार)। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता देवलाल ठाकुर ने दो टूक कहा है कि तथाकथित 'विश्व आदिवासी दिवस' एक विदेशी अवधारणा है, इसका भारत के जनजातीय समाज से कोई लेना देना नहीं है। उन्होंने कहा कि भाजपा हमेशा से भारत की अपनी माटी के वीर सपूतों को नमन करने और उनके सम्मान में दिवस मनाने की परम्परा में विश्वास रखती है।

श्री ठाकुर ने कांग्रेस पार्टी पर आदिवासी समाज की उपेक्षा और उनके वीर सपूतों के अपमान का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि भाजपा भगवान बिरसा मुण्डा, शहीद वीर नारायण सिंह, शहीद गेंद सिंह नायक और वीर गुण्डाधुर जैसे महान देशभक्तों को नमन करती आई है। स्वतंत्रता संग्राम में आदिवासी समाज के इन वीर सपूतों का योगदान अतुलनीय रहा है, लेकिन दशकों तक सत्ता में रही कांग्रेस ने केवल गांधी परिवार के महिमामण्डन के चक्कर में इन महान शहीदों के बलिदान को इतिहास के पन्नों से दूर रखा। कांग्रेस की मानसिकता हमेशा आदिवासी समाज के स्वर्णिम इतिहास को दबाने की रही है। श्री ठाकुर ने कांग्रेस की सोच पर प्रहार करते हुए कहा कि कांग्रेस कभी नहीं चाहती थी कि आदिवासी समाज के लोग शिक्षित हों या आगे बढ़ें। कांग्रेस की नीति हमेशा आदिवासी समाज को मुख्यधारा से काट कर उनके नाम पर केवल राजनीतिक रोटी सेंकने की रही है। कांग्रेस ने आदिवासी भाइयों-बहनों को केवल वोट बैंक के रूप में इस्तेमाल किया और उन्हें विकास के मूलभूत अधिकारों से वंचित रखा।

भाजपा प्रदेश प्रवक्ता श्री ठाकुर ने कहा कि इसके विपरीत, भाजपा ने आदिवासी समाज के सशक्तीकरण के लिए ऐतिहासिक कदम उठाए हैं। भाजपा सरकार ने आदिवासी युवाओं को शिक्षित कर उन्हें डॉक्टर, इंजीनियर, कलेक्टर, और एसपी बनाने का मार्ग प्रशस्त किया।

छत्तीसगढ़ की मिट्टी से जुड़ा त्योहार, 'हरेली हमारी आत्मा है': भूपेश बघेल

रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ के पारंपरिक पर्व हरेली तिहार पर पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने पूरी पारंपरिक छवि के साथ मनाया। अपने निवास पर उन्होंने हल, बैलगाड़ी, और कृषि उपकरणों की विधिपूर्वक पूजा की। साथ ही गेड़ी चढ़कर प्रदेशवासियों को शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर उनका पूरा परिवार भी मौजूद रहा।

पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने गेड़ी चढ़ते हुए ग्रामीण संस्कृति को सम्मान देने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि "हरेली सिर्फ त्योहार नहीं, हमारी पहचान है।" यह हमारी कृषि परंपरा और ग्रामीण जीवन की आत्मा है। हमें इसे हर हाल में संजोकर रखना होगा। खेती किसानी से जुड़े इस त्योहार के दौरान सरकार की दुर्भावना के चलते आज प्रदेश के किसान खाद की किल्लत से जूझ रहे है। उन्होंने जेन जी आंदोलन की तारीफ करते हुए कहा कि देश के लोकतंत्र के लिए यह बड़ा मोड़ है, जो काम दूसरे नहीं कर पाये उसे जेन जी ने कर दिया। उन्होंने राज्य सरकार और मोदी सरकार की नाकामियों पर भाजपा को घेरा कहा कि संसद में राहुल गांधी आम आदमी और युवाओं की आवाज उठा रहे है।

इस अवसर पर पूर्व मंत्री मोहम्मद अकबर, पूर्व मंत्री ताम्रध्वज साहू, प्रदीप चौबे, राजेन्द्र तिवारी, प्रभारी महामंत्री मलकीत सिंह गैदू, विधायक गण अनिला भेड़िया, भोलाराम साहू, संगीता सिन्हा, चातुरी नंद, रामकुमार यादव, ओंकार साहू, इन्द्र साव, कुंवर सिंह निषाद, अंबिका मरकाम, हर्षिता बघेल, संदीप साहू, कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला, रायपुर शहर अध्यक्ष श्रीकुमार मेनन, रायपुर ग्रामीण अध्यक्ष राजेन्द्र पप्पू बंजारे, महेन्द्र छाबड़ा, डॉ. अजय साहू, आलोक चंद्राकर, राकेश ठाकुर, धीरज बाकलीवाल, शशि सिंह, कुलदीप जुनेजा, शैलेश नितिन त्रिवेदी, राम गिडलानी, शिवसिंह ठाकुर, मंजू सिंह, आर.पी. सिंह, धनंजय सिंह ठाकुर, सुरेन्द्र वर्मा सहित सैकड़ों की संख्या में प्रदेश भर से आये कांग्रेसजन उपस्थित थे।

गृह मंत्री विजय शर्मा झीरम के शहीदों की हत्या के लिये प्रायश्चित करें और माफी मांगे: बैज

रायपुर (विश्व परिवार)। बस्तर में तिरंगा यात्रा के दौरान झीरम के शहीदों को नमन करने जाने के गृह मंत्री विजय शर्मा के बयान पर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि विजय शर्मा जब झीरम जाये तो वहां पर शहीदों से माफी मांगे तथा झीरम नरसंहार के पाप के लिये प्रायश्चित भी करें। झीरम का नरसंहार भाजपा के शासनकाल में हुआ था। भाजपा की सरकार ने दुर्दांत नक्सल क्षेत्रों में कांग्रेस की परिवर्तन यात्रा को सुरक्षा नहीं दिया।

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-8)
मोहबा बाजार, रायपुर
E-mail ID - rmczone8@gmail.com

पत्र क्र. /34389/ न.पा.नि./जोन क्र.-8/2026
रायपुर, दिनांक 12-08-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 34389
वार्ड का नाम-20-रामकृष्ण परमहंस वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 20 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR802D00953** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **SOMA BHAGAT** पिता/पति, श्री/श्रीमती **TEKCHAND BHAGAT** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **PRADIP SINGH THAKUR** पिता/पति, श्री/श्रीमती **OMMKAR SINGH THAKUR** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **शपथ पत्र एवं मलमा बिक्रीनामा** / वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्रीमती राजेश्वरी पटेल
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-(8)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-8)
मोहबा बाजार, रायपुर
E-mail ID - rmczone8@gmail.com

पत्र क्र. /34269/ न.पा.नि./जोन क्र.-8/2026
रायपुर, दिनांक 12-08-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 34269
वार्ड का नाम- 01 - वीर सावरकर नगर वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 01 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR801L01579** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **RAHIS PRATAP SINGH** पिता/पति, श्री/श्रीमती **JAGMOHAN SINGH** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **TOSHAN SINGH** पिता/पति, श्री/श्रीमती **JAGMOHAN SINGH** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत दानपत्र** / वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्रीमती राजेश्वरी पटेल
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-(8)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

सावन में बाबाधाम जाने वाले श्रद्धालुओं के लिए सुनहरा अवसर

रायपुर (विश्व परिवार)। सावन माह में बाबा बैद्यनाथ धाम (बाबाधाम) के दर्शन के लिए जाने वाले शिवभक्तों एवं श्रद्धालुओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे द्वारा गाड़ी संख्या 08895/08896 नेताजी सुभाष चंद्र बोस इतवारी-मधुपुर-नेताजी सुभाष चंद्र बोस इतवारी श्रावणी मेला साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन का संचालन किया जा रहा है। यह विशेष ट्रेन 01 अगस्त से 30 अगस्त 2026 तक कुल 05-05 फेरों के लिए चल रही हैं।

ट्रेन संख्या 08895 नेताजी सुभाष चंद्र बोस इतवारी-मधुपुर स्पेशल

पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार यह ट्रेन प्रत्येक शनिवार 01 अगस्त से 29 अगस्त 2026 तक कुल 05 ट्रिप चल रही है। अतिरिक्त रूप से यह ट्रेन 18 अगस्त एवं 25 अगस्त 2026 (मंगलवार) को भी चलेगी। इस प्रकार ट्रेन संख्या 08895 कुल 07 ट्रिप संचालित होगी।

ट्रेन संख्या 08896 मधुपुर-नेताजी सुभाष चंद्र बोस इतवारी स्पेशल

यह ट्रेन पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार प्रत्येक रविवार 02 अगस्त से 30 अगस्त 2026 तक कुल 05 ट्रिप चलेगी। अतिरिक्त रूप से 19 अगस्त एवं 26 अगस्त 2026 (बुधवार) को भी इसका संचालन किया जाएगा। इस प्रकार ट्रेन संख्या 08896 भी कुल 07 ट्रिप संचालित होगी।यह स्पेशल ट्रेन उन श्रद्धालुओं के लिए विशेष रूप से लाभदायक है जो सावन के पावन अवसर पर बाबा बैद्यनाथ धाम (देवघर) के दर्शन के लिए जाना चाहते हैं। वर्तमान में इस ट्रेन में बड़ी संख्या में कंफर्म बर्थ उपलब्ध हैं। रेलवे प्रशासन श्रद्धालुओं से अपील करता है कि वे समय रहते अग्रिम आरक्षण कराकर अपनी सीट सुनिश्चित करें और बिना किसी परेशानी के सुखद एवं सुरक्षित यात्रा का लाभ उठाएँ।इस ट्रेन का ठहराव दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के नेताजी सुभाष चंद्र बोस इतवारी, गोंदिया, डोंगरगढ़, राजनांदगाँव, दुर्ग, रायपुर, भाटापारा, बिलासपुर, चांपा, रायगढ़, बेलपहाड़ एवं ब्रजराजनगर स्टेशनों पर होने से इन क्षेत्रों के श्रद्धालुओं को सीधे एवं सुविधाजनक यात्रा का लाभ मिलेगा।

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-8)
मोहबा बाजार, रायपुर
E-mail ID - rmczone8@gmail.com

पत्र क्र. /34217/ न.पा.नि./जोन क्र.-8/2026
रायपुर, दिनांक 08-08-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 34217
वार्ड का नाम- 01 - वीर सावरकर नगर वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 01 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR801L00910** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **SUKHDEV SINGH** पिता/पति, श्री/श्रीमती **LAXMAN SINGH** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **NILAM GIRI** पिता/पति, श्री/श्रीमती **SHIV SHANKAR GIRI** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख** / वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्रीमती राजेश्वरी पटेल
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-(8)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-8)
मोहबा बाजार, रायपुर
E-mail ID - rmczone8@gmail.com

पत्र क्र. /34215/ न.पा.नि./जोन क्र.-8/2026
रायपुर, दिनांक 08-08-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 34215
वार्ड का नाम- 01 - वीर सावरकर नगर वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 01 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR801C00015** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **MANGALPURI GOSWAMI** पिता/पति, श्री/श्रीमती **JAGDISH PURI GOSWAMI** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **LAXMI GOSVAMI** पिता/पति, श्री/श्रीमती **BADRI BHARATI GOSVAMI** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **मलमा बिक्रीनामा एवं शपथ पत्र एवं पार्षद द्वारा जारी सत्यापित पत्र** / वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्रीमती राजेश्वरी पटेल
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-(8)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-1)
संतोषी नगर, खमतराई पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone1@gmail.com

पत्र क्र. /34270/ न.पा.नि./जोन क्र.-1/2026
रायपुर, दिनांक 12-08-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 34270
वार्ड का नाम-17 - ठक्कर बापा वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 17 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR109D00658** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **LALARAM DEWANGAN** पिता/पति, श्री/श्रीमती **LATE. RADHO RAM** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **VINOD KUMAR DEWANGAN** पिता/पति, श्री/श्रीमती **S/O LATE LALARAM DEWANGAN** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत हक त्याग विलेख** / वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/ संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री अंशुल शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-1
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-1)
संतोषी नगर, खमतराई पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone1@gmail.com

पत्र क्र. /34387/ न.पा.नि./जोन क्र.-1/2026
रायपुर, दिनांक 12-08-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 34387
वार्ड का नाम-18 - बाल गंगाधर तिलक वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 18 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR110E00015** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **USHA CHAKRAVARTHI** पिता/पति, श्री/श्रीमती **S.C. CHAKRAVARTHI** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **GEETA HIYAL** पिता/पति, श्री/श्रीमती **W/O MAHADEV HIYAL** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख** / वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/ संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री अंशुल शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-1
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-1)
संतोषी नगर, खमतराई पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone1@gmail.com

पत्र क्र. /34388/ न.पा.नि./जोन क्र.-1/2026
रायपुर, दिनांक 12-08-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 34388
वार्ड का नाम-18 - बाल गंगाधर तिलक वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 18 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR110C00052** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **MALAY AND AJAY CHANDRA MUKHARJEE** पिता/पति, श्री/श्रीमती **LATE SATYESH CHAND** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **MALAY CHANDRA MUKHARJEE** पिता/पति, श्री/श्रीमती **S/O SATYESH CHANDRA MUKHERJEE** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत हक त्याग विलेख** / वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/ संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री अंशुल शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-1
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-1)
संतोषी नगर, खमतराई पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone1@gmail.com

पत्र क्र. /34390/ न.पा.नि./जोन क्र.-1/2026
रायपुर, दिनांक 12-08-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 34390
वार्ड का नाम-18 - बाल गंगाधर तिलक वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 18 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR110D00154** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **SAILENDRA TIWARI** पिता/पति, श्री/श्रीमती ... के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **DINESH TIWARI** पिता/पति, श्री/श्रीमती **S/O LATE DWARIKA PRASAD TIWARI** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **HOUSING BOARD ADESH COPY** / वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/ संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री अंशुल शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-1
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-9)
पुलिस थाना के पास, दुबे कॉलोनी, मोवा, रायपुर
E-mail ID - rmczone9@gmail.com

पत्र क्र. /34311/ न.पा.नि./जोन क्र.-9/2026
रायपुर, दिनांक 11-08-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 34311
वार्ड का नाम-9 - पं. मोतीलाल नेहरू वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 9 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR226P01552** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **ASHOK SHARMA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **KESHAR DEV SHARMA** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **1. विनय दम्मानी 2 तरूण कुमार डोडाई** पिता/पति, श्री/श्रीमती **1. विजय दम्मानी 2 रमेश लाल डोडाई** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/ संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री राकेश शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-9
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-9)
पुलिस थाना के पास, दुबे कॉलोनी, मोवा, रायपुर
E-mail ID - rmczone9@gmail.com

पत्र क्र. /34305/ न.पा.नि./जोन क्र.-9/2026
रायपुर, दिनांक 11-08-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 34305
वार्ड का नाम-9 - पं. मोतीलाल नेहरू वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 9 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR328ZL144X** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **KULJEET KAUR MATHARU** पिता/पति, श्री/श्रीमती **SARDAR PREMJEET SINGH MATHARU** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **1. चित्रा देशपाण्डे 2. सुरभि देशपाण्डे** पिता/पति, श्री/श्रीमती **सुभाष विट्ठल राव देशपाण्डे** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/ संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री राकेश शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-9
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

दैनिक
विश्व परिवार

सूरजपुर

रायपुर, गुरूवार 13 अगस्त 2026

एक किलोमीटर लंबी मानव श्रृंखला में शामिल हुए विधायक भूलन सिंह मरावी

साहित पंद्रह सौ से अधिक तिरंगा भक्त

गोपाल सिंह विद्रोही

सूरजपुर ब्यूरो (दैनिक विश्व परिवार)- हर घर तिरंगा अभियान अंतर्गत जनपद पंचायत रामानुजनगर में नगर स्थित पीडब्ल्यूडी रेस्ट हाउस से एक विशाल तिरंगा यात्रा निकाली गयी। यात्रा का उद्देश्य समस्त जनमानस एवं युवाओं में देशभक्ति का संचार करते हुए देश प्रेम की भावना को प्रबल करना तथा उन्हें देश के अमृत काल में अपना योगदान देने के लिए प्रेरित करना रहा।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रेमनगर विधायक भूलन सिंह मराबी के नेतृत्व में आरंभ हुई यह विशाल यात्रा जनपद पंचायत रामानुजनगर के प्रांगण में सम्पन्न हुई। यात्रा में बच्चों, युवाओं और वरिष्ठजनों सहित 1500 से अधिक लोग राष्ट्र प्रेमियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता निभाई। इस दौरान नगर देशभक्ति के गीतों और तिरंगे के जयकारों से गूंज उठा। प्रतिभागियों ने एक किलोमीटर से अधिक लंबी मानव श्रृंखला बनाकर एकता और राष्ट्रप्रेम का अनुपम संदेश दिया। कार्यक्रम में गणमान्य नागरिक, जनप्रतिनिधिगण, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व श्री अजय मॉ डियम, मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री अभिषेक पाण्डेय श्रीनगर पुलिस थाना प्रभारी विराट सहित संबंधित अधिकारी कर्मचारियों ने बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया।

इंटरस्टेट बॉर्डर मीटिंग आयोजित, कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा, सुरक्षा के लिए बनाई गई महत्वपूर्ण रणनीति

सूरजपुर ब्यूरो (दैनिक विश्व परिवार)- पुलिस अधीक्षक श्री योगेश कुमार पटेल (भापुसे) के निर्देश पर इंटरस्टेट बार्डर पर सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाने, आपराधिक गतिविधियों पर अंकुश लगाने, अपराधियों की धरपकड़ एवं बेहतर समन्वय के साथ कार्य करने की रणनीति को लेकर बुधवार, 12 अगस्त को छत्तीसगढ़ के सूरजपुर जिले के थाना चांदनी एवं मध्यप्रदेश के सिंगरौली जिले के थाना माड़ा के पुलिस अधिकारियों के बीच महत्वपूर्ण बैठक हुई। इस बैठक में जिले के इंटर स्टेट बॉर्डर पर तैनात पुलिस टीम के साथ कड़ी सुरक्षा के लिए संयुक्त रूप से कार्रवाई पर चर्चा हुई। बार्डर पर नशीले पदार्थों के परिवहन और संदिग्ध वस्तुओं की आवाजाही पर नजर रखकर सूचनाओं का आदान-प्रदान और कार्रवाई, सीमावर्ती ग्रामों के असामाजिक तत्वों पर लगातार नजर रखकर उनके खिलाफ प्रतिबंधात्मक कार्रवाई करने, फरार आरोपियों और वारंटों की तामीली समन्वय स्थापित कर सूची का आदान प्रदान करने, आवश्यक सूचनाओं का लगातार आदान-प्रदान, सीमावर्ती ग्रामों के लायसेंसी दारानों पर लगातार निगरानी रखना एवं सीमावर्ती ग्रामों में नियमित रूप से पेट्रोलिंग करना पर बल दिया गया। बैठक में थाना प्रभारी चांदनी रामप्रताप साहू व थाना माड़ा के एएसआई निलेश मिश्रा सहित पुलिस अन्य अधिकारीगण मौजूद रहे।

मैकडॉनल्ड्स ने रायपुर में किया विस्तार

शंकरनगर में खुला पहला हाई-स्ट्रीट रेस्टोरेंट

रायपुर। लजीज जायके के शौकिनों के लिए शहर के हृदयस्थल शंकरनगर में छत्तीसगढ़ के पहले हाई-स्ट्रीट मैकडॉनल्ड्स रेस्टोरेंट खुल चुका है। विदित हो कि वेस्टलाइफ़ फूडवर्ल्ड लिमिटेड का हिस्सा है, जो दक्षिण और पश्चिम भारत में मैकडॉनल्ड्स रेस्टोरेंट का मालिकाना हक रखती है और उन्हें चलाती है ।वेस्टलाइफ़ फूडवर्ल्ड का रायपुर शंकरनगर में विस्तार एक अहम् पड़ाव है और राज्य में अपनी दमदार और वैश्विव मौजूदगी को और सुदृढ़ करता है। शंकर नगर मेन रोड, वीसीएम टॉवर के ग्राउंड फ्लोर पर स्थित यह नया 3,150 स्क्वेयर फ़ीट प्लस का डाइन-इन रेस्टोरेंट रायपुर और आसपास के फूड प्रेमियों के लिए बेस्ट डेस्टिनेशन साबित होगा। शहर के मध्य स्थित होने के कारण मैकडॉनल्ड्स रेस्टोरेंट ग्राहकों के लिए आसानी से पहुँचने लायक है एवं ब्रॉड सडक़ें कार के सफ़र को आसान बनाती है। जिससे पूरी फैमिली के साथ यहां क्वालिटी टाईम वेज एवं नॉनवेज फूड के साथ एंजॉय किया जा सकता है। छत्तीसगढ़ का यह 5वां मैकडॉनल्ड्स रेस्टोरेंट जल्दी टेकअवे और बेहतर डिलीवरी सर्विस की सुविधा भी देता है। यह ग्राहकों को रोज़ाना खाने, सेलिब्रेशन और अनौपचारिक मुलाकातों के लिए एक सुखद जगह देता है। ग्राहक बर्गरऔर हाथ से बने मैककैफ़े ड्रिंक्स सहित कई तरह के शाकाहारी और मांसाहारी व्यंजनों का आनंद ले सकते हैं। वैश्विक मानकों पर खरा यह रेस्टोरेंट को मैकडॉनल्ड्स अपनी क्वालिटी, सर्विस, सफ़ाई और वैल्यू के स्टैंडर्ड्स को ध्यान में रखकर डिज़ाइन किया गया है। खाने की सुरक्षा और ग्राहकों का भरोसा बनाए रखने के लिए, रेस्टोरेंट शाकाहारी और मांसाहारी खाना बनाने के लिए किचन के कड़े नियमों का पालन करता है एवं समस्त कर्मचारीप्रशिक्षित हैं। फूड प्रेमियों के लिए मैकडॉनल्ड्स निश्चित ही आगे चलकर पहली पसंद बनेगा।

हर घर तिरंगा कार्यक्रम में एक साथ निकले विश्रामपुर के राष्ट्र प्रेमी

आर टी आई केशव मंदिर से निकलकर गौरी शंकर मंदिर पहुंची तिरंगा यात्रा

गोपाल सिंह विद्रोही

सूरजपुर ब्यूरो (दैनिक विश्व परिवार) आज नगर पंचायत विश्रामपुर में नगर पंचायत अध्यक्ष श्रीमती निर्मला यादव के नेतृत्व में सैकड़ो महिला पुरुष एवं बच्चों ने तिरंगा यात्रा में राष्ट्रीय ध्वज लहराते हुए तिरंगा यात्रा निकाली।

जानकारी के अनुसार नगर पंचायत बिश्रामपुर की महिला नगर पंचायत अध्यक्ष निर्मला यादव, पूर्व नगर पंचायत अध्यक्ष राजेश यादव, पूर्व जिला पंचायत सदस्य एवं वरिष्ठ भाजपा नेता सत्यनारायण जायसवाल, भाजपा नेता इंजीनियर विनय सिंह स्काउट गाइड सूरजपुर जिला के अध्यक्ष शंकर यादव, वरिष्ठ पार्षद रवि शंकर बउवा, एल्डरमैन एवं भाजपा के युवा तुर्क सतीश तिवारी, नगर पंचायत बिश्रामपुर के मुख्य नगर पालिका अधिकारी वशिष्ठ, मुख्य लेखपाल गोलू दास ,स्वच्छता प्रभारी अरविंद सिंह यादव ,एल्डर मैन नंदू राजवाड़े, पूर्व पार्षद अमरेश विश्वकर्मा, वर्तमान पार्षद अमरेश प्रसाद, सहित नगर पंचायत के सभी कर्मचारी स्वच्छता बहने एवं सैकड़ो की संख्या में नगर पंचायत विश्रामपुर की महिलाओं ने तिरंगा ध्वज के साथ भारत माता की जय वंदे मातरम का नारा लगाते हुए तिरंगा यात्रा में शामिल हुई। उल्लेखनीय है कि घर-घर तिरंगा कार्यक्रम वंदे मातरम थीम पर 9 से 17 अगस्त तक आयोजन किए जा रहे हैं 14 अगस्त को भारत विभाजन की बीसी का स्मृति दिवस पर विभिन्न नगर पंचायत एवं शासकीय प्रतिष्ठानों में राष्ट्रीय कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है इस अवसर पर पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष सत्यनारायण जायसवाल ने तिरंगा रैली में शामिल लोगों को अपने घरों दफ्तर आदि स्थानों पर राष्ट्रीय ध्वज पर आने का अपील की नगर पंचायत विश्रामपुर में इस कार्यक्रम में प्रभात फेरी तिरंगा रैली,सेल्फी विद,अन्य जन भागीदारी आधारित गतिविधियों का नगर पंचायत अध्यक्ष निर्मला यादव के मार्गदर्शन में किया जा रहा है।

न्यू टैलेंट प्रोत्साहन कप फुटबॉल टूर्नामेंट में डी ए वी पब्लिक स्कूल ने आत्मानंद हिंदी विद्यालय को किया परास्त

पुलिस अधीक्षक योगेश पटेल ने खिलाड़ियों का हौसला अफजाई की

सूरजपुर ब्यूरो (दैनिक विश्व परिवार) बिश्रामपुर एकता स्टेडियम में आयोजित न्यू टैलेंट प्रोत्साहन कप फुटबॉल टूर्नामेंट यह तीसरे क्वार्टर फाइनल में डी ए वी पब्लिक स्कूल बिश्रामपुर और स्वामी आत्मानंद हिंदी माध्यम विश्रामपुर के बीच खेले गए मैच में डी ए वी पब्लिक स्कूल 2-1 से विजयी रहा।

आज मुख्य अतिथि के रूप में सूरजपुर जिले के पुलिस अधीक्षक योगेश पटेल तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में सूरजपुर फुटबॉल संघ के सचिव नरसिंह नारायण सिंह वरिष्ठ पत्रकार नरेंद्र जैन , गोपाल सिंह विद्रोही ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर मैच शुरू करने की घोषणा की। खचाखच भरे एकता स्टेडियम में जिला सूरजपुर ड्यूज बाल क्रिकेट एसोसिएशन के मार्गदर्शन में संचालित टैलेंट हंट क्रिकेट अकादमी के खिलाड़ी व कोच पुलिस अधीक्षक योगेश पटेल कोमुलाकात गुलदस्ता भेंट कर क्रिकेट प्रतिभाओं से अवगत कराये। जिला सूरजपुर डयूज़ बाल क्रिकेट एसोसिएशन के सचिव राजेश जैन ने बताया कि खेल सुविधाओं में किसी प्रकार की कमी नहीं होने देंगे। और अक्टूबर में क्रिकेट का बड़ा टूर्नामेंट आयोजित करने का आश्वासन दिए हैं। राजेश जैन जी खेल विधाओं में हर प्रकार से सहयोग के लिए तत्पर रहते हैं। प्रोत्साहन कपके आयोजन जैन स्पोर्ट्स बिश्रामपुर ब्राइट स्टार फुटबॉल क्लब मुख्य रूप से सक्रिय रहे। पुलिस अधीक्षक योगेश पटेल ने आयोजन समिति का प्रशंसा करते हुए खिलाड़ियों का हौसला अफजाई की।आज का दूसरा मैच पीएम श्री जयनगर और भटगांव के बीच खेला जाना है। आज के मैन ऑफ द मैच अथर्व यादव। प्रश्नोत्तरी में कौटिल्य को टी-शर्ट देकर सम्मानित किया गया।मैच का सीधा हाल सुनाने के लिए प्रकाश कुरे निर्णायक की भूमिका में जीशान, अंकुश, हॉलसलाम कुजूर शामिल थे।

सूरजपुर सत्र न्यायाधीश ने हत्या के मामले में सुनाया फैसला आरोपी को दी आजीवन कारावास की सजा

उत्कृष्ट विवेचना पर पुलिस अधीक्षक सूरजपुर ने विवेचक को दिया नगद पुरस्कार

आरोपी भुवन पैंकरा

सूरजपुर ब्यूरो (दैनिक विश्व परिवार)- पिछले वर्ष 2024 के 14 नवम्बर को रात के समय मृतक खेम साय घर नहीं आया, इसके दूसरे दिन दिनांक 15 नवंबर को दोपहर लगभग 1.30 बजे खेमसाय शराब पीकर घर आया, उस समय सुशीला पैकरा खाना खा रही थी जिसे गाली-गलौज कर थाली को लात मारकर बर्तन पटक दिया और भुवन पैकरा को बुलाने के लिए कहा, तब सुशीला घर के बाहर नीम पेड़ के पास चली गई, वहाँ पर उसका पति खेमसाय आकर गाली-गलौज कर लड़ाई-झगड़ा कर रहा था तब वह घर तरफ चली गई, उसी समय दोपहर 02.00 बजे आरोपी भुवन पैंकरा आया और हमेशा विवाद करते हो कहकर ने टांगा से अपने पिता खेमसाय को मार दिया, जिससे खेमसाय वहीं पर गिर गया और मौके पर ही खेमसाय की मृत्यु हो गई। प्रार्थी मनराखन पैकरा की रिपोर्ट पर मर्ग कायमी उपरान्त चौकी चेन्द्रा थाना झिलमिली में अपराध क्रमांक 129/24 धारा 103(1) भारतीय न्याय संहिता के अंतर्गत प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज किया।

प्रकरण की विवेचना चौकी प्रभारी चेन्द्रा एएसआई लक्ष्मी प्रसाद गुप्ता के द्वारा करते हुए दिनांक 16.11.2024 को आरोपी भुवन पैंकरा को गिरफ्तार कर घटना में प्रयुक्त टांगा जप्त कर पुख्ता साक्ष्य संकलित कर आरोप पत्र माननीय सत्र न्यायाधीश सूरजपुर के यहां पेश किया। अभियोजन की ओर से पैरवी लोक अभियोजक राजू दास के द्वारा की गई।

इस मामले की सुनवाई विद्वान न्यायाधीश श्री थॉमस एक्का, माननीय सत्र न्यायाधीश सूरजपुर के यहां हुई। माननीय न्यायालय ने मामले की सुनवाई पूरी कर निर्णय 11 अगस्त 2026 में प्रकरण की सम्पूर्ण परिस्थितियों, साक्ष्यों के आधार पर दोषसिद्ध आरोपी भुवन पैंकरा पिता खेमसाय पैंकरा उम्र 19 वर्ष निवासी ग्राम रैसरी, चौकी चेन्द्रा को भारतीय न्याय संहिता की धारा 103(1) के अपराध में आजीवन कारावास और 5 हजार रूपये के अर्थदण्ड से दंडित किया है।

अपराध की उत्कृष्ट विवेचना एवं पुख्ता साक्ष्य संकलन के लिए पुलिस अधीक्षक सूरजपुर श्री योगेश कुमार पटेल (भापुसे) द्वारा विवेचक तत्कालीन एएसआई, वर्तमान एसआई लक्ष्मी प्रसाद गुप्ता को नगद पुरस्कार से पुरस्कृत किया है।

संक्षिप्त समाचार

वेदांता ने अपने नेट डेब्ट को 1.1 बिलियन डॉलर और कम किया, कम लागत पर रीफाइनैंस की सुविधा हासिल की

डीमर्जर के बाद वेदांता ग्रुप की कंपनियां ज़्यादा मजबूत और स्वतंत्र बिज़नेस के रूप में उभर रही हैं। स्टॉक मार्केट से हटकर भी बड़ा बदलाव देखने को मिल रहा है और कंपनी रीफाइनैंसिंग के ज़रिए अपने ऋण को अनुकूलित कर रही है।

यह बदलाव और भी ज़्यादा मायने रखता है जब ऑपरेटिंग कंपनियाँ अपने-अपने इन्वेस्टमेन्ट सायकल पर ध्यान दे रही हैं और सभी बिज़नसेज़ में संचालन के मज़बूत परफ़ोर्मेन्स और कैश जनरेशन से कंपनी को फ़ायदा मिल रहा है।

इसका उदाहरण है- वेदांता एलुमिनियम मैटल लिमिटेड (बीएसई: 544780 और एनएसई: वीएएमएल) है, जो अलग-अलग बैंकों से तकरीबन रु 13,500 करोड़ की राशि जुटा रही है। ख़बरों के मुताबिक इन लोन से इंटीग्रेटेड कॉर्पोरेट स्ट्रक्चर से मिले पिछले ऋण को रीफ़ाइनैंस किया जाएगा। खास बात यह है कि यह लोन मात्र 7.9 - 8 फ़ीसदी की दर पर मिला है, यानि डोमेस्टिक लेंडर्स तक कंपनी की पहुँच बेहतर हुई है। वेदांता लिमिटेड (बीएसई: 500295, एनएसई: वीईडीएल) ने अच्छे नेट डेब्ट / EBITDA रेशो (लगभग 0.3गुना) के साथ वित्तीय वर्ष 27 की शुरुआत की है। वहीं पहली तिमाही के बाद स्वतंत्र कंपनी के रूप में वेदांता एलुमिनियम का रेशो तकरीबन 0.9 गुना था।

डीमर्जर का सबसे बड़ा फ़ायदा यही है: अब हर बिज़नेस अपनी कमाई, कैश बनाने की क्षमता, निवेश और विकास की ज़रूरतों के अनुसार पूंजी जुटा रहा है।

बेहतर होते क्रेडिट प्रोफ़ाइल से ग्रुप की फ़ाइनैंसिंग मजबूती का भी संकेत मिलता है। वेदांता लिमिटेड, वेदांता एलुमिनियम (एनएसई:वीएएमएल) और वेदांता ऑयल एंड गैस (एनएसई: वीओजीएल) को क्रिसाइल और आईसीआरए से एए प्लस/स्टेबल रेटिंग मिली है, जबकि वेदांता आयरन एंड स्टील (एनएसई: वीआईएसएल) को क्रिसाइल से एए/स्टेबल रेटिंग मिली है। यह रेटिंग डीमर्जर के बाद कंपनी के अलग-अलग बिज़नसेज़ में आ रही मजबूती को दर्शाती है। इससे यह भी साफ़है कि इन बिज़नसेज़ को अब बेहतर ब्याज पर लोन मिल सकता है।

इसी तरह वेदांता रिसोर्सेज़ भी अपना लोन लगातार कम कर रही है। वित्तीय वर्ष 26 के दौरान कपंनी अपने नेट डेब्ट में 500 मिलियन डॉलर की कमी लाई। इसके बाद वित्तीय वर्ष 27 की पहली तिमाही में भी नेट डेब्ट में 1.1 बिलियन डॉलर की और गिरावट देखी गई। इस तरह कंपनी का नेट डेब्ट 9.4 बिलियन डॉलर पर पहुंच गया। परिणाम यह हुआ कि ग्रुप का नेट डेब्ट/ EBITDA रेशो जो मार्च 2025 में 2.0 गुना था वह वित्तीय वर्ष 27 की पहली तिमाही में 1.2 गुना पर पहुंच गया। साल के अंत में ग्रुप के पास 3.3 बिलियन अमेरिकी डालर का नकद एवं नकद समकक्ष था, जिससे बेहतर लिक्विडिटी मिली।

एचडीएफसी बैंक ने लोगों से 'बॉस स्कैम' के खिलाफ सावधान रहने की अपील की

मुंबई: भारत के निजी क्षेत्र के सबसे बड़े बैंक, एचडीएफ़सी बैंक ने अपने कस्टमर्स को बॉस स्कैम (बिज़नेस लीडर/सीनियर कंपनी एग्जीक्यूटिव का नकली रूप) से सावधान रहने की सलाह दी है। इसका मकसद कस्टमर्स को सुरक्षित रखने के लिए ऐसे फ्रॉड के बारे में जागरूकता बढ़ाना है। बॉस स्कैम में, फ्रॉड करने वाले सोशल मैसेजिंग ऐप पर सीनियर लीडर और भरोसेमंद साथियों का नकली रूप बनाकर कर्मचारियों को पेमेंट करने या सेंसिटिव जानकारी शेयर करने के लिए फंसाते हैं।

यह स्कैम कैसे काम करता है - फ्रॉड करने वाले सोशल मीडिया और मैसेजिंग प्लेटफॉर्म पर ईमेल या मैसेज भेजते हैं, जिसमें वे रेगुलेटर या सीईओ और सीएक्सओ जैसे सीनियर कंपनी एग्जीक्यूटिव होने का दावा करते हैं। मैसेज में आमतौर पर दावा किया जाता है कि ऑर्गनाइज़ेशन ने कुछ नियमों का उल्लंघन किया है, जिससे मैसेज पाने वाले पर जल्दी कार्रवाई करने का दबाव बनता है। फ्रॉड करने वाले एक ज़िप फ़ाइल शेयर करते हैं, जिसमें कथित तौर पर कम्प्लायंस या सिक्योरिटी डॉक्यूमेंट होते हैं। इसे खोलने पर, यह चुपचाप मैलवेयर इंस्टॉल कर देता है। मैलवेयर एग्जीक्यूटिव के डिवाइस (लैपटॉप/मोबाइल) को हैक कर लेता है, जिससे धोखेबाजों को उनके असली सोशल मीडिया मैसेजिंग ऐप अकाउंट का एक्सेस मिल जाता है। हैक किए गए अकाउंट का इस्तेमाल करके, धोखेबाज फाइनेंस या अकाउंट्स के लोगों को मैसेज भेजते हैं, और उन्हें तुरंत ज़्यादा पैसे ट्रांसफर करने के लिए कहते हैं। कुछ मामलों में अपराधी हैक किए गए डिवाइस पर सीईओ के नाम से अपने नंबर सेव कर लेते हैं, जिससे धोखाधड़ी वाले निर्देश पूरी तरह से सही लगते हैं।

दैनिक
विश्व परिवार

विचार-पक्ष

रायपुर, गुरूवार 13 अगस्त 2026

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

संपादकीय

छात्रों की मांग

झारखंड सरकार को छात्रों के प्रति संवेदनशील रुख अपनाना चाहिए। कांग्रेस जैसे उसके सहयोगी दलों पर भी ये जिम्मेदारी है कि वे अलग मिसाल पेश करें, ताकि विपक्ष-पक्ष का फर्क (अगर है, तो) जाहिर हो सके। 'कॉकरोच' आंदोलन से केंद्र में सत्ताधारी भारतीय जनता पार्टी के लिए चुनौतियां खड़ी हुईं, जिसमें विपक्षी दलों ने अपना फायदा देखा हो, तो वह लाजिमी ही है। लेकिन इन दलों को यह अवश्य ध्यान में रखना चाहिए कि युवा आक्रोश राजनीतिक दायरे में बंधा हुआ नहीं है। इसकी जड़ें बढ़ती गई अवसरहीनता, जवाबदेही का अभाव और शासकीय असंवेदनशीलता से बने दमघोंटू माहौल में छिपी हैं। इसलिए जिन राज्यों में गैर-भाजपा सरकारें हैं, और वहां ऐसे मुद्दे उठते हैं, तो वहां की सरकारों को उत्तरदायी और सहानुभूतिपूर्ण रुख अपनाना चाहिए। मगर झारखंड के छात्र- नौजवानों की शिकायत है कि हेमंत सोरेन उनकी मांगों के प्रति असहनशील बनी हुई है। रांची में 29 जुलाई से सिविल सेवा और अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे अभ्यर्थियों का प्रदर्शन जारी है। महीने भर पहले झारखंड लोक सेवा आयोग (जेपीएससी) की 14वीं प्रारंभिक परीक्षा का रिज़ल्ट आने के बाद से यह विवाद शुरू हुआ। इस परीक्षा में गड़बड़ियों का आरोप है। साथ ही झारखंड संयुक्त असैनिक सेवा प्रतियोगिता परीक्षा-2025 की प्रारंभिक परीक्षा में भी धांधली के आरोप लगे हैं। जेपीएससी परीक्षा कांड में कई लोग गिरफ़्तार हुए हैं, लेकिन छात्रों की मांग है कि ये परीक्षा रद्द की जानी चाहिए। छात्र संगठनों ने परीक्षा धांधली की जांच सीबीआई को सौंपने की मांग भी की है। इसके अलावा वो तमाम शिकायतें भी उभर कर सामने आई हैं, जिनकी चर्चा 'कॉकरोच' आंदोलन के दौरान हुई। मसलन, छात्रों की शिकायत है कि झारखंड में भर्ती परीक्षाएं नियमित रूप से नहीं होतीं। कई बार परीक्षाओं को पिछले साल की भर्ती से जोड़ दिया जाता है, जिसका असर उम्मीदवारों की उम्र सीमा पर असर पड़ता है। भाजपा शासित राज्यों में ऐसी शिकायतों के प्रति बेरहम रुख देखने को मिला है। वैसा ही नजरिया गैर-भाजपा सरकारें भी अपनाती हैं, तो युवा आक्रोश के केंद्र में पूरा राजनीतिक तबका आ सकता है। इसलिए झारखंड सरकार को छात्रों के प्रति अधिक संवेदनशील नजरिया अपनाना चाहिए। कांग्रेस जैसे उसके सहयोगी दलों पर भी ये जिम्मेदारी है कि वे झारखंड में अलग मिसाल कायम करें, ताकि विपक्ष और पक्ष का फर्क (अगर है, तो) जाहिर हो सके।

आलेख

छत्तीसगढ़ का लोक-पर्व- हरेली तिहार

धनंजय राठौर

छत्तीसगढ़ी संस्कृति में लोक-त्योहारों की एक समृद्ध परंपरा रही है, जिसमें प्रकृति, कृषि और जीव-जंतुओं के प्रति गहरा सम्मान झलकता है। इन्हीं त्योहारों में सबसे पहला और प्रमुख त्यौहार है — हरेली तिहार। सावन माह की अमावस्या (हरियाली अमावस्या) को मनाया जाने वाला यह पर्व छत्तीसगढ़ के लोक-जीवन, कृषि परंपरा और पर्यावरण-प्रेम का प्रतीक है। छत्तीसगढ़ की पहचान सिर्फ उसकी प्रकृति नहीं, बल्कि उसकी समृद्ध लोक संस्कृति और परंपराएँ भी हैं। छत्तीसगढ़ के लोक जीवन में पर्व और त्यौहारों की बहुलता है। प्रत्येक माह कोई न कोई त्यौहार यहाँ लोक मानस को अपने रंग में रंग लेता है। ये त्यौहार जहाँ लोक जीवन में हंसी-खुशी के अवसर उपलब्ध कराती हैं, वहीं खेल और मनोरंजन के अनुकूल साबित होते हैं। प्रकति का यह हरापन छत्तीसगढ़ के लोक जीवन में भी पूरी समाहित है। हरेली, भोजली, जँवारा हो या बसंत पंचमी सभी पर्वों में प्रकृति का मनोरम और इसका अप्रतिम सौंदर्य झलकता है। इस रूप-सौंदर्य में जीवन की चारों अवस्थाओं का उल्लास और उत्साह विविध रंगों में बिखरा हुआ है। शायद 'हरेली' का हरापन हमारी परंपराओं में हमारे संस्कारों में और हमारे लोक जीवन में प्राकृतिक हरीतिमा का ज्यादा एहसास कराता है। हरेली का यह हरापन सबके जीवन में बिखरे और निखरे यही कामना है। यह भी कामना है कि भौतिकता की चकाचौंध से परे हमारी खेल परंपराएँ जीवित रहे ताकि माटी से जुड़े ग्रामीणजन शारीरिक और मानसिक दृष्टि से सुदृढ़ रहें। माटी की सोंधी-सोंधी महक हमारे लोक गीतो से आती रहे और खेल परंपरा की यह अविरल धारा निरंतर गतिमान रहे।

1. हरेली शब्द का अर्थ और महत्व

हरेली शब्द हरियाली से बना है। सावन के महीने में जब चारों तरफ़ खेतों और मैदानों में हरी-भरी फसलें और हरियाली लहलहाने लगती है, तब किसान इस पर्व को उल्लासपूर्वक मनाते हैं। इसे छत्तीसगढ़ का पहला तिहार माना जाता है, जहाँ से राज्य के प्रमुख लोक-पर्वों की श्रृंखला शुरू होती है।

2. कृषि उपकरणों और पशुधन की पूजा

हरेली का दिन मुख्य रूप से कृषकों और कृषि से जुड़े साधनों का धन्यवाद ज्ञापित करने का दिन है: कृषि यंत्रों की पूजा:- हरेली की जड़ें छत्तीसगढ़ क्षेत्र की कृषि विरासत में गहराई से जुड़ी हुई हैं। यह एक उत्सव होने के साथ-साथ एक आध्यात्मिक भेंट भी है, लोगों के लिए प्रकृति, बारिश और अपने कृषि कार्य को सम्पन्न करने के बाद किसान अपने औजार, हल, फावड़ा, कुदाल, कुदाली, कुम्हड़ी, बिन्धना, बसुला, हथौड़ी, आरी,असिया, पैसुल, छूरा, खुर्पी आदि को धोकर स्वच्छ मिट्टी (मुरमी) का आसन से सजाकर किसान-किसानिन पूजा सामग्री रखकर धुले हुए चांवल आटे से हाथा लगाकर चन्दन, फूल, धुप-दीप व चीला रोटी से भोग लगाकर श्रीफल अर्पित करते हैं एवं भाव विभोर हो प्रार्थना करते हैं - 'हे बलराम रूपी हल प्रचण्ड शक्ति के प्रतीक धारापति, आपने कंधा के रूप में माता को संवारा एवं सेवा करने में हमारी सहायता की कृषि कार्य बोनी ब्यासी रोपा के होते ही चहूओर हरियाली छाई इसके लिए कोटिश: धन्यवाद आपका कार्य सम्पन्न हुआ विश्राम करे। हमने आपको बड़ा कष्ट दिया, काम लिया, हमें क्षमा करें। आपकी दया हम पर सदैव बनी रहे, इसी प्रकार अन्य औजारों का कार्यानुसार निवेदन करते गेड़ी की पूजा कर शरीर के सामर्थ पैरो की रक्षा की कामना करते हैं।

पशुधन का सत्कार: पशुधन किसानों की अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। भारत में किसान मिश्रित कृषि प्रणाली अपनाते हैं, जिसमें फसल और पशुधन का संयोजन होता है। छत्तीसगढ़ में बड़ी संख्या में लोग कम पढ़े-लिखे और अकुशल होने के कारण अपनी आजीविका के लिए कृषि पर निर्भर हैं। बैल छत्तीसगढ़ कृषि की रीढ़ हैं। किसान, विशेषकर सीमांत और लघु किसान, जुताई, ढुलाई और उत्पादन और इनपुट दोनों के परिवहन के लिए बैलों पर निर्भर रहते हैं। खेती-किसानी के सच्चे साथी यानी गाय और बैलों की विशेष सेवा की जाती है। उन्हें नहला-धुलाकर आरती उतारी जाती है तथा गहूंता (आटा, नमक और जड़ी-बूटी से बना पौष्टिक मिश्रण) खिलाया जाता है, ताकि वे रोगों से मुक्त रहें। जड़ी बुटियों से तैयार औषधि को गौठान में ले जाकर अन्डी एवं खम्हार के पत्तों में नमक, चावल या गेहूँ के गोला के साथ दवा डाल कर पशुओं को खिलाया जाता है। अरण्ड, खम्हार का पत्ता औषधि है, जो वायुजनित रोगों को दूर करता है।

पाठकों में फिर से रूचि जगाना:किताबों को फिर से बैठक कक्ष में जगह देना....

■ बच्चे की दुनिया को समृद्ध बनाने के कई छोटे-छोटे तरीके हैं। उनमें से सबसे अच्छा तरीका है, पढ़ने का आनंद।'

सुश्री अर्चना शर्मा अवस्थी
और श्री युवराज मलिक

भारत में शिक्षा पर चर्चा लंबे समय से 'पहुँच' पर केंद्रित रही है यानि स्कूलों तक, किताबों तक, डिजिटल संसाधनों तक पहुँच। ये चीजें बहुत जरूरी हैं, लेकिन जब हम भारतीय शिक्षा के एक नए चरण की दहलीज पर खड़े हैं, तो हमारे सामने एक और इतना ही जरूरी सवाल है: क्या हम ऐसी पीढ़ी तैयार कर रहे हैं, जो पढ़ती है?

यह ऐसा सवाल है - जो सुनने में तो आसान लगता है, लेकिन इसके निहितार्थ गहरे हैं - जिसने राष्ट्रीय ई-पुस्तकालय (आरईपी) या राष्ट्रीय डिजिटल पुस्तकालय की शुरुआत की। इस प्लेटफ़ॉर्म की परिकल्पना केवल एक डिजिटल संग्रहालय के रूप में नहीं, बल्कि घर, स्कूल और समुदाय के स्तर पर भारत की पढ़ने की संस्कृति को समृद्ध करने के जीवंत प्रयास के रूप में की गयी थी। आज, आरईपी में 23 भाषाओं में 7,000 से ज्यादा चयनित किताबें मौजूद हैं, जो सैकड़ों प्रकाशकों के साथ साझेदारी में विकसित की गई हैं और राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के विज़न के अनुरूप हैं। लेकिन इसका उद्देश्य कभी भी एक ऐसा संग्रह बनाना नहीं था, जो लगातार बढ़ता ही जाए। इसके पीछे एक सोच-समझकर अपनाया गया तरीका है: एक ऐसा संग्रह बनाए रखना, जो चयनित, प्रासंगिक और जीवंत हो जिसे लगातार अद्यतन किया जाता है, जिसमें महत्वपूर्ण किताबें जोड़ी जाती हैं और अप्रासंगिक किताबों को हटाया जाता है। पैमाना मायने रखता है, लेकिन प्रासंगिकता, गुणवत्ता और लगातार जुड़ाव अधिक महत्वपूर्ण हैं।

बाधाओं को दूर करना, आदतों का प्रतिस्थापन नहीं-

भारत के कई बच्चों के लिए खासकर ग्रामीण, अर्ध-शहरी और पिछड़े क्षेत्रों में पाठ्यपुस्तकों के अलावा अन्य किताबों तक पहुंच एक बड़ी चुनौती है। सबसे नज़दीकी किताब की दुकान कई किलोमीटर दूर हो सकती है। स्कूल के पुस्तकालय में या तो किताबें पुरानी होती हैं या स्कूल अवधि के बाद उपलब्ध नहीं होती हैं। इन बच्चों के पास कल्पना तो है, लेकिन पठन-सामग्री मौजूद नहीं है। राष्ट्रीय ई-पुस्तकालय इस कमी को पूरा करता है: एक बच्चा, चाहे वह कहीं भी रहता हो या उसके परिवार का आय स्तर कुछ भी हो, अब अपने घर में पहले से मौजूद उपकरण के जरिए हजारों किताबों के पुस्तकालय तक पहुँच सकता है। बच्चे कभी भी और कहीं भी इन किताबों को पढ़ सकते हैं। यह हिंदी और अंग्रेज़ी के अलावा अन्य भाषाओं में किताबों पढ़ने का भी अवसर देता है। लेकिन यह समझना भी उतना ही ज़रूरी है कि यह पहल असल में क्या नहीं है। यह छोटे बच्चों को ज्यादा समय तक स्क्रीन के सामने बिठाने का प्रयास नहीं है। यह परिवारों के लिए एक आमंत्रण है कि वे अपने पास मौजूद उपकरणों का अधिक सार्थक उपयोग करें उस समय को साझा और समृद्ध अनुभव में बदलें, जो अन्यथा निष्क्रिय होकर, अकेले बैठकर या हानिकारक स्क्रॉलिंग या चीजें देखने में बीत जाता है।

माता-पिता का छोटे बच्चे को ज़ोर से पढ़कर सुनाना।

बड़े भाई/बहन का कहानी सुनाना।

परिवार का साथ बैठकर पढ़ने के लिए समय निकालना।

ऐसे समय में जब स्क्रीन अक्सर लोगों को एक-दूसरे से दूर करके अपने में ही उलझाए रखती है, किताबें जिन्हें इन्हीं उपकरणों के ज़रिए पढ़ा जा सकता है लोगों को फिर से एक साथ लाने की ताकत रखती हैं।

पढ़ने को स्क्रीन टाइम नहीं, बल्कि पारिवारिक समय बनाना।

राष्ट्रीय ई-पुस्तकालय का उद्देश्य प्लेटफ़ॉर्म के आयामों से कहीं अधिक गहरा है: इसका मकसद पढ़ने की आदत को फिर से घर के बैठक कक्ष में लाना है।

पढ़ना सिर्फ एक शैक्षणिक गतिविधि नहीं है। यह एक सामाजिक और भावनात्मक गतिविधि भी है। जब परिवार के सदस्य या दोस्त साथ में पढ़ते हैं, तो वे बातचीत, सहानुभूति और सोचने-समझने के लिए जगह बनाते हैं यह साथ मिलकर ध्यान देने का एक ऐसा गुण है, जो ऐप-सूचना और रोज़मर्रा की ज़रूरतों में बंटी ज़िंदगी में अब कम ही देखने को मिलता है। इस बारे में हुए अध्ययन लगातार बताते हैं कि जिन बच्चों को पढ़कर सुनाया जाता है और जो अपने आस-पास बड़ों को पढ़ते हुए देखते हैं, उनमें न सिर्फ़ पढ़ने-लिखने की बेहतर समझ विकसित होती है, बल्कि उनकी अंदरूनी दुनिया भी ज़्यादा समृद्ध होती है। आरईपी अंतरपीढ़ी सहयोग की संभावनाएं भी खोलता है। युवा पाठक अपने दादा-दादी या नाना-नानी को पढ़कर सुना सकते हैं। किशोर अपने बड़ों की पसंदीदा कहानियों को पढ़ सकते हैं। ऐसा करने पर, पढ़ना सिर्फ़ अकेले में किया जाने वाला या मजबूरी का काम नहीं रह जाता, बल्कि कुछ और ही बन जाता है इसे 'मेरा समय' के साथ-साथ 'हमारा समय' भी कहा जा सकता है।

ऐसा करने पर, पढ़ना सिर्फ़ अकेले में किया जाने वाला या मजबूरी का काम नहीं रह जाता, बल्कि कुछ और ही बन जाता है इसे 'मेरा समय' के साथ-साथ 'हमारा समय' भी कहा जा सकता है।

एक समाज के रूप में, हमें अपने आप से एक आसान, लेकिन गहन सवाल पूछना चाहिए: क्या हम स्क्रीन के निष्क्रिय उपयोग का एक हिस्सा वापस ले सकते हैं और उसे उपयोगी पढ़ाई में बदल सकते हैं? हमारा मानना है कि जवाब हाँ है यदि हम किताबें उपलब्ध कराएं, उन्हें आकर्षक बनाएं और पढ़ाई को बोझ नहीं, बल्कि अपनी पसंद का काम बनाएं।

शिक्षकों के साथ काम करना: अगला चरण-

'राष्ट्रीय ई-पुस्तकालय' अपने अगले चरण में प्रवेश कर रहा है, लेकिन शिक्षकों की महत्वपूर्ण भूमिका को कम करके नहीं आंका जा सकता। शिक्षक, पुस्तकालयाध्यक्ष और स्कूल के अग्रणी सिर्फ़ सीखने-सिखाने में मदद करने वाले नहीं होते, बल्कि वे संस्कृति को आकार देने वाले भी होते हैं। पढ़ने की जो आदतें बच्चे स्कूल में विकसित करते हैं, वे अक्सर जीवन भर उनके साथ रहती हैं। पुस्तकालयाध्यक्ष द्वारा सुझाई गई किताबें एक युवा व्यक्ति की सोच का दिशा बदल सकती हैं।

स्कूल जीवन में आरईपी के अर्थपूर्ण समावेश के लिए कई स्तरों पर सोच-समझकर कोशिशें करनी होंगी:

पुस्तकालय-कक्षाओं को केवल निगरानी वाले अध्ययन कक्ष के बजाय, सक्रिय ज्ञान-प्राप्ति स्थान के रूप में पुनर्जीवित करना,

निर्देश के अनुसार पढ़ने और कहानी सुनाने वाले सत्रों को प्रोत्साहित करना, जहां शिक्षक अपनी पसंदीदा किताबें साझा करें

सहपाठियों के नेतृत्व में किताब पर चर्चा और पठन-समूह बनाना, जिससे पढ़ने की आदत पर छात्रों को अपना अधिकार महसूस हो

पढ़ाई को स्कूल जीवन की दैनिक दिनचर्या में शामिल करना, ताकि यह सुबह की सभा जितना ही स्वाभाविक लगे

विभिन्न लेखन विधियों को समझकर लेखन कौशल में सुधार करना।

एक जीवंत और विकसित होता पुस्तकालय- पारंपरिक पुस्तकालय अपने अलमारियों में स्थिर और भौतिक आयामों से बंधे होते हैं इसके विपरीत राष्ट्रीय ई-पुस्तकालय को गतिशील बनाने के लिए डिज़ाइन किया गया है। यह आपके हाथ में किताबों का खजाना है। यह पाठकों को यह व्यक्त करने भी मौका देता है कि कौन सी अन्य किताबें जोड़ी जानी चाहिए। उपलब्ध किताबें भारत की समृद्ध विरासत और संस्कृति के बारे में भी हैं, जिसे युवा पीढ़ी को जानना चाहिए। इसका बहुभाषी आधार भी उतना ही अहम है। एक बच्चा उस भाषा में सबसे बेहतर और स्वाभाविक रूप से पढ़ता है, जिसमें वह सोचता है। 23 भाषाओं में किताबें पेश करके आगे और विस्तार करने की महत्वाकांक्षा के साथ आरईपी भारत की भाषाई विविधता का सम्मान करता है, इसे केवल एक प्रबंधनीय चुनौती के रूप में नहीं, बल्कि एक रचनात्मक ताकत के रूप में देखता है, जिसका जश्न मनाया जाना चाहिए। इस प्लेटफ़ॉर्म पर मौजूद हर भाषा एक दरवाज़े की तरह है, जिससे गुज़रकर बच्चा एक नई दुनिया में कदम रख सकता है। 8 साल तक की उम्र के बच्चों के लिए, यह प्लेटफ़ॉर्म माता-पिता और शिक्षकों को कहानियाँ ज़ोर-ज़ोर से पढ़कर सुनाने के लिए प्रोत्साहित करता है।

एक सामूहिक ज़िम्मेदारी-

अंततः, राष्ट्रीय ई-पुस्तकालय की सफ़लता केवल डाउनलोड और पंजीकृत उपयोगकर्ताओं की संख्या से तय नहीं होगी, भले ही ये संकेत महत्वपूर्ण हैं। इसकी सफ़लता इस बात से तय होगी कि क्या पढ़ना फिर से एक आदत बन जाता है घरों में, स्कूलों में, भारत के विविध और अद्वितीय समुदायों के एकांत कोनों में। किसी दूर-दराज़ इलाके के बच्चे की आँखें तब चमक उठती हैं, जब वह ऐसी किताब पढ़ता है, जिसके बारे में उसने सिर्फ़ सुना होता है।

पढ़ने के लिए राष्ट्रीय आह्वान-

यह प्लेटफ़ॉर्म 'राष्ट्रीय काव्य उत्सव' जैसी गतिविधियाँ भी आयोजित करता रहता है और नागरिकों से कहानी सुनाने में योगदान देने का आह्वान भी करता है। राष्ट्रीय ई-पुस्तकालय में और भी कई मज़ेदार और दिलचस्प गतिविधियाँ लगातार शामिल होती रहेंगी। भारत हमेशा से कहानियों की सभ्यता रहा है। लिखित रूप से पहले की मौखिक परंपराओं से लेकर हिंदी, संस्कृत, तमिल, बंगाली, मराठी और अन्य कई भाषाओं के महान साहित्य तक, इस देश में कहानियों की कभी कमी नहीं रही। आज संकट कहानियों पर नहीं, बल्कि उन्हें खोजने की आदत पर है यानि शांति से बैठकर किसी वाक्य को समझने और किसी किताब को वह समय देने की इच्छाशक्ति, जिसकी वह मांग करती है।

- माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी

(सुश्री अर्चना शर्मा अवस्थी, भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय के स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग में अपर सचिव हैं। श्री युवराज मलिक, नेशनल बुक ट्रस्ट, इंडिया के निदेशक हैं।)

गोबरधन : जैव अपशिष्ट से समृद्धि की राह

किसी ने क्या खूब कहा है कि जिन्हें फेंक दिया था ज़माने ने बेकदरी से कभी, तराशा जो हुनर ने, तो वो शाहकार बन गए। यह पंक्ति भारत सरकार की जैव अपशिष्ट संवर्धन की राष्ट्रीय एकीकृत योजना गोबरधन के लिए बड़ी सटीक बैठती है। जैव अपशिष्टों का विशाल भंडार और उसका निपटान कभी एक समस्या थी पर अब वो नई संपदा और संभावना का केन्द्र रहा है। देश में प्रतिवर्ष उत्पन्न होने वाले 75 करोड़ टन जैव अपशिष्ट (बायोवेस्ट) के बड़े हिस्से को उत्पादक संसाधन बनाने की दिशा में 23,731 करोड़ रूपए की बड़ी और महत्वाकांक्षी योजना है गोबरधन। इसमें जैव अपशिष्ट को संवर्धित कर स्वच्छ ईंधन, जैविक खाद के साथ ही आय और रोजगार में बदलने की व्यापक योजना है।

सीबीजी से स्वच्छ ईंधन-

शहरी और ग्रामीण दोनों ही स्तर पर कंप्रेस्ड बायो गैस (सीबीजी) जैव अपशिष्ट का सार्थक और उपयोगी विकल्प है। पहले से भी कुछ स्तर पर पशुधन अपशिष्ट से बायोगैस ईंधन प्राप्त किया जा रहा था और अब उसका ही परिष्कृत रूप है सीबीजी। असल में सीबीजी संयंत्र में बायो वेस्ट को बैक्टेरिया अपघटित करते हैं (तोड़ते हैं), जिससे मिथेन गैस प्राप्त होता है जो ईंधन के रूप में काम आता है। कच्चे बायोगैस में कार्बन डाईआक्साइड और हाइड्रो आक्साइड की अशुद्धियाँ भी होती हैं जिन्हें पृथक कर दिया जाता है। इसमें प्राप्त होने वाली लगभग 65 प्रतिशत मिथेन गैस को संवर्धित कर कंप्रेस किया जाता है। नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय की रिपोर्ट के अनुसार देश में प्रतिवर्ष 6.2 करोड़ टन सीबीजी उत्पादन की क्षमता है। इस स्वच्छ ईंधन का लाभ घरेलू , व्यवसायिक तथा औद्योगिक क्षेत्र में लिया जा सकता है। सरकार ने गोबरधन को बढ़ावा देने के लिए प्राकृतिक गैस में सीबीजी के सीमित मिश्रण (ब्लेंडिंग) को भी मंजूरी दी है।

वेस्ट टू वेल्थ का मंत्र-

जैव अपशिष्ट के प्रमुख स्रोतों में कृषि अवशेष , पशुधन अपशिष्ट, शहरी और औद्योगिक जैव अपशिष्ट शामिल हैं। जैव अपशिष्ट से जहाँ सीबीजी के रूप में स्वच्छ ईंधन प्राप्त होता है वहीं इसके सह उत्पाद के रूप में जैविक खाद का बड़ा हिस्सा होता है। सीबीजी संयंत्रों के माध्यम से अनुमान के मुताबिक 35 करोड़ टन जैविक खाद तैयार किया जा सकेगा। अपशिष्ट प्रबंधन के इस पूरे तंत्र में सीधा लाभ ग्रामीण और शहरी दोनों की क्षेत्रों के लोगों को होगा। यह अपशिष्ट संग्रहण, परिवहन, भंडारण, संयंत्र संचालन सहित प्रत्यक्ष और परोक्ष रोजगार के नए अवसर सृजित करने में सफल होगा। यानी कचरे को संपदा के रूप में विकसित कर कमाऊ संसाधन बनाने का बेहतर विकल्प भी मिलेगा।

गौ, ग्राम और ग्रामीण अर्थव्यवस्था-

भारत में जैव अपशिष्ट का बड़ा हिस्सा कृषि और पशुधन अपशिष्ट से प्राप्त होता है। खेतों की पराली, सब्जी के अवशेष , गोबर , शक्कर कारखानों का अपशिष्ट आदि इसमें प्रमुख रूप से शामिल हैं। सीबीजी के लिए कुल कच्चा माल (फीड स्टॉक) का 70 प्रतिशत कृषि अवशेष तथा पशु अपशिष्ट से प्राप्त होगा जो लगभग 37 करोड़ टन प्रतिवर्ष अनुमानित है। स्वाभाविक रूप से बायो गैस के बड़े संयंत्रों की स्थापना से प्रत्यक्ष और परोक्ष लाभ ग्रामीणों विशेषकर किसानों एवं पशुपालकों को होगा।

छत्तीसगढ़ और जैव अपशिष्ट की सर्कुलर इकोनामी -

ग्रामीण विकास और ग्राम स्वावलंबन की इस महती योजना पर छत्तीसगढ़ पहले से ही काम कर रहा है। राज्य शासन की रिपोर्ट के अनुसार राज्य में धान का पैरा सहित अन्य कृषि अवशेष और पशुधन अपशिष्ट से 9.47 लाख टन प्रति वर्ष तथा शहरी स्थानीय निकायों से 3.95 लाख टन प्रतिवर्ष जैव अपशिष्ट निकलता है जो बताता है कि सीबीजी यहाँ कितना कारगर हो सकता है। सरकार का आंकलन है कि प्रारंभिक तौर पर 1.65 लाख मीट्रिक टन सीबीजी उत्पादन किया जा सकता है साथ ही अंजोर विजन 2047 के मुताबिक आगामी वर्षों में यह 5 लाख मीट्रिक टन तक पहुंच सकता है। देश में क्रियाशील 189 सीबीजी परियोजनाओं में से 04 तथा कार्यशील सामुदायिक (क्लस्टर आधारित) सीबीजी परियोजनाओं के 979 में से 283 परियोजनाएं छत्तीसगढ़ में क्रियाशील हैं। यह दर्शाता है कि प्रदेश ने प्रारंभिक बढ़त इस दिशा में हासिल कर ली है। छत्तीसगढ़ में सहकारिता के माध्यम से सीबीजी संयंत्र कहीं अधिक उपयोगी और कारगर सिद्ध हो सकते हैं। यह भी सुखद है कि गोबरधन योजना की शुरूआत में राज्य को प्राथमिकता भी प्रदान की गई है।

ऊर्जा चुनौतियों का देशी विकल्प-

वैश्विक चुनौतियों के बीच जैव अपशिष्ट से प्राप्त जैव ईंधन को विकल्प के तौर पर उपयोग किए जाने की दिशा में गोबरधन योजना दूरगामी परिणाम देने वाली योजना बन सकती है। यह महज जैव अपशिष्ट का निपटान नहीं , न ही यह मात्र ईंधन तैयार करने का विकल्प। गोबरधन योजना कृषि, कृषक, गौ और ग्राम को केन्द्र में रखकर तैयार चक्रीय अर्थव्यवस्था (सर्कुलर इकोनामी) को विकसित करने की योजना है। इसके परिणाम स्थाई लाभ देने वाले होंगे। धान और कृषि प्रधान छत्तीसगढ़ को इस संभावित अवसर का अधिकतम लाभ दिलाने में नई पीढ़ी, विशेषकर उत्साही, नवाचार और उद्यमिता पसंद जेन- जी की भूमिका महत्वपूर्ण हो सकती है।

विकास शर्मा
प्रबंधक (जनसंपर्क एवं औद्योगिक संबंध)
छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड ,रायपुर

धर्म की डायरी में हर कर्म दर्ज होता है, समता व करुणा ही सच्ची महानता का आधार : निर्यापक मुनि श्री समतासागर महाराज जी

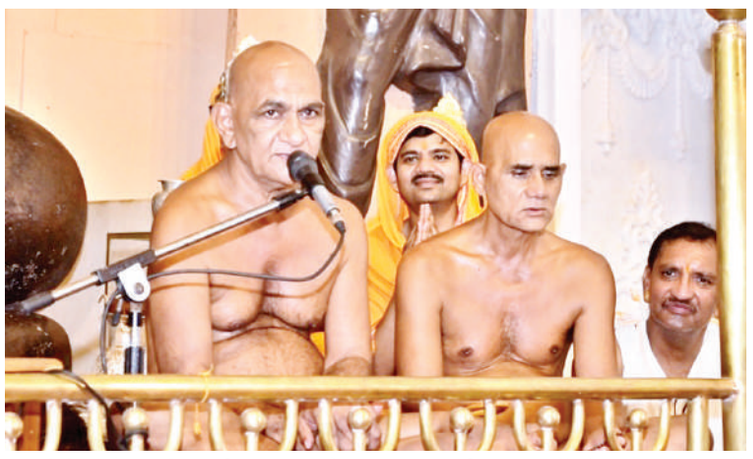

दमोह (कुण्डलपुर) (विश्व परिवार)। 'मनुष्य संसार की नजरों से भले ही अपने कर्मों को छिपा ले, लेकिन धर्म की दृष्टि से प्रत्येक कर्म का लेखा-जोखा सुरक्षित रहता है' उपरोक्त उदगार निर्यापक श्रमण मुनि श्री समतासागर जी महाराज ने प्रात: कालीन प्रवचन श्रृंखला सभा में व्यक्त करते हुए उन्होंने उदाहरण देते हुये कहा कि हमने सुना है,उधर विदेशों में यातायात नियमों का कोई उल्लंघन करता है, तो आधुनिक तकनीक के माध्यम से स्वत:उसका जुर्माना हो जाता है, फिर वह जुर्माना उसको भरना ही भरना पडता है,उसी प्रकार धर्म के क्षेत्र में भी प्रत्येक शुभ और अशुभ कर्म जीवन की 'धर्म-डायरी' में स्वत: अंकित हो जाता है, इसलिए व्यक्ति को केवल दंड के भय से नहीं, बल्कि आत्मानुशासन और धर्मबोध से नियमों का पालन करना चाहिए। मुनिश्री ने कहा कि हमारे देश में नियमों की कमी नहीं है,आवश्यकता उनके निष्पक्ष और कठोर पालन की है। यदि कानून का समान रूप से पालन कराया जाए तो समाज में अनुशासन स्वत: स्थापित हो जाएगा। इसी प्रकार धार्मिक जीवन में भी प्रत्येक व्यक्ति को यह स्मरण रखना चाहिए कि कर्मों का फल निश्चित है, इसलिए जीवन का प्रत्येक कार्य सजगता और जिम्मेदारी के साथ करना चाहिए। उन्होंने कहा कि किसी व्यक्ति की महानता उसके धन, संपत्ति और वैभव से नहीं, बल्कि उसके सदुपयोग से निर्धारित होती है। धनाढ्य, मध्यमवर्गीय अथवा सामान्य परिवार—सभी समान हैं। श्रेष्ठ वह है जो अपनी आय का कुछ भाग जनहित, परहित और धर्मकार्य में समर्पित करता है। दान का महत्व उसकी राशि में नहीं, बल्कि उसके पीछे निहित सेवा और करुणा की भावना में होता है। प्रवचन में एक प्रेरक प्रसंग का उल्लेख करते हुए मुनिश्री ने कहा कि एक संपन्न व्यक्ति ने समाज के सबसे कमजोर परिवार को सार्वजनिक रूप से सम्मान देकर यह संदेश दिया कि आर्थिक स्थिति के आधार पर कोई बड़ा या छोटा नहीं होता। हम सभी एक ही भगवान के उपासक और एक ही गुरु के अनुयायी हैं, इसलिए समाज का प्रत्येक व्यक्ति हमारा समान बंधु है। यही समतामयी और उदार दृष्टि सम्यक दर्शन का वास्तविक परिणाम है। मुनिश्री ने कहा कि सम्यक दर्शन का प्रभाव व्यक्ति के व्यवहार में दिखाई देता है। किसी में गुण और विशेषता दिखाई दे तो उसके प्रति 'प्रमोदभाव' रखें। दीन-दुखी, रोगी, असहाय और दिव्यांगों को देखकर मन में करुणा जागृत हो तथा अपनी सामर्थ्य के अनुसार उनकी सहायता करनी चाहिए। वहीं यदि दुष्ट या दुर्जन व्यक्ति से सामना हो जाए तो अनावश्यक विवाद से बचते हुए माध्यस्थ भाव रखना ही श्रेयस्कर है। न उसकी अनुचित प्रशंसा करें और न ही व्यर्थ के संघर्ष में पड़ें; जहाँ टकराव से कोई लाभ न हो, वहाँ शांतिपूर्वक स्वयं को अलग कर लेना ही विवेकपूर्ण आचरण है। उन्होंने कहा कि समता, करुणा, प्रमोद और माध्यस्थ—ये चार भाव व्यक्ति के जीवन को श्रेष्ठ बनाते हैं। जब मनुष्य नियमों के पालन, परोपकार, समानता और आत्मसंयम को अपने जीवन का आधार बना लेता है, तभी उसका जीवन समाज के लिए प्रेरणा और आत्मकल्याण का माध्यम बनता है। अविनाश जैन 'विद्यावाणी' एवं प्रचारमंत्री जयकुमार जैन जलज ने उपरोक्त जानकारी दी!

मोक्ष से पहले सम्यक दर्शन जरूरी, अनाचार का त्याग ही संयम की कुंजी : मुनिश्री संवेगरत्न सागर

रायपुर (विश्व परिवार)। विवेकानंद नगर स्थित श्री ज्ञानवल्लभ उपाश्रय में जारी चातुर्मासिक प्रवचनमाला में मुनि भगवंत श्रावक-श्राविकाओं को आत्मकल्याण का मार्ग बता रहे हैं। बुधवार को धर्मसभा में परम पूज्य मुनिश्री संवेगरत्न सागर जी म.सा. ने अनाचार छोड़कर आचार को जीवन में अपनाने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि संयम पथ का ताला अनाचार के त्याग की कुंजी से खुलेगा।

मुनिश्री ने कहा कि व्यक्ति की मन:स्थिति को उससे बेहतर कोई नहीं जान सकता। कई बार मनुष्य यह मानकर जीवन जीता है कि पैसा रहेगा तो प्रतिष्ठा बनी रहेगी। धन और मोह-माया की यही सोच व्यक्ति से अनेक प्रकार के पापकर्म करवा सकती है। इसलिए आत्मचिंतन जरूरी है कि हम जिस मार्ग पर चल रहे हैं, वह आचार का है या अनाचार का।

सम्यक दर्शन कठिन, अनाचार-दुर्ध्यान का त्याग जरूरी

मुनिश्री ने कहा कि मोक्ष की दिशा में बढ़ना आसान हो सकता है, लेकिन सम्यक दर्शन प्राप्त करना कठिन है। सम्यक दर्शन की प्राप्ति के लिए अनाचार और दुर्ध्यान का त्याग करना होगा। जब जीवन में दुख, दुर्गति और पीड़ा बढ़ती जा रही हो तो व्यक्ति को अपने चिंतन और कर्मों की दिशा पर विचार करना चाहिए।

सुख की चाह में बढ़ रहे कर्मों पर भी करें विचार

मुनिश्री ने कहा कि अज्ञान ध्यान में धर्म-अधर्म तथा पुण्य-पाप का विवेक नहीं रहता। हर व्यक्ति सुख चाहता है, लेकिन उस सुख की चाह में कितने कर्मबंध हो रहे हैं, यह समझना भी जरूरी है। जीवन में अनाचार और दुर्ध्यान का प्रवेश कैसे और क्यों होता है, इसका आत्मविश्लेषण करना चाहिए।

मुनिश्री ने कहा कि अनुकूलता के प्रति राग और प्रतिकूलता के प्रति द्वेष ही अनाचार -दुर्ध्यान को जीवन में प्रवेश कराते हैं। इसलिए अनाचार को छोड़कर आचार में प्रवेश करना होगा, तभी संयम के मार्ग पर दृढ़ता से आगे बढ़ सकेंगे।

विकार और वासना चिंगारी मिलते ही भड़क जाते हैं

मुनिश्री ने कहा कि आपको परमात्मा प्रत्यक्ष रूप से नहीं मिले,लेकिन परमात्मा के जो वचन आपको प्राप्त हो रहे हैं उन्हें जीवन में स्वीकार करना चाहिए। आचार ध्यान को ग्रहण करने का पुरुषार्थ और अनाचार को त्यागने का पराक्रम होना चाहिए।

जैन-सिद्धान्तो में शाकाहार का प्रतिपादन इसी अहिंसा के तत्त्वोंसे किया गया है : डॉ कल्याण गंगवाल

- जीओ और जीने दो यही भगवान महावीर जी का संदेश है।

पुणे (विश्व परिवार)। शाकाहार एवं व्यसनमुक्ती के प्रचारक पुणे के सुप्रसिद्ध डॉ कल्याण गंगवाल जी ने कहा की 'अहिंसा' जैन धर्म का प्राण है। अहिंसा का अर्थ सिर्फ जीवों की हत्या न करने तक ही सीमित नहीं है। संपूर्ण जीव-सृष्टि के प्रति अपनापन, प्रेम और आपस में सहिष्णुता ये अहिंसा के अंग है।

'जीओ और जीने दो' यही भगवान महावीर जी का संदेश है। जैन-सिद्धान्तो में शाकाहार का प्रतिपादन इसी अहिंसा के तत्त्वोंसे किया गया है। जैन साधुगण आत्म-संयम, अहिंसा, आहार की निर्धारित संहिता का कठोरतम आचरण करते हैं। 'भूतानुकम्पा' (सभी प्राणियों के प्रति दयाभाव) और 'सत्वेषुमैत्री' (सभी के साथ मित्र भाव) जैन धर्म की प्रमुख शिक्षा है ।

'अहिंसाचार' की निरंतर कठोर पालना के कारण ही समस्त संसार में जैन धर्म सर्वाधिक शाकाहारी माना गया है। शरीर और मन की विशुद्धता के लिये जैन आचार्योंनें माँसाहार निषिद्ध माना है।

आहार के बारे में यह महत्त्वपूर्ण बातें मत भूलिये - हमारा आहार - हमारे स्वास्थ से संबद्ध है। जो कच्च्या खा सकते हैं, उसे उबालकर खाएँ नहीं। जो उबालकर खा सकते हैं, उसे तलकर खाएँ नहीं। जहाँ तक हो सके तली हुई चीजें खाएँ नहीं। आहार, स्वाद की अपेक्षा स्वास्थ के लिए है। जो व्यक्ति सबेरे उठकर पानी पीता है, भोजन के बाद छाछ लेता है। सोते समय दूध लेता है। डॉक्टर और वैद्य से दूर रहता है। तंतुमय पदार्थ, रेषायुक्त (फायबर युक्त) आहार आरोग्य के कवच कुंडल हैं।

सदआचरण मे ही जीवन का कल्याण : मुनि श्री विशद सागर महाराज जी

- जैन अटामंदिर में होगी 18 को चातुर्मास स्थापना

ललितपुर (विश्व परिवार)। नगर के पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन अटा मंदिर में धर्मसभा को सम्बोधित करते मुनि श्री विशद सागर महाराज ने कहा मानव जीवन मिलने के वाद हमें अपने जीवन को सदआचरण से जोडकर ऐसा प्रयास करना चाहिए कि जिससे हमारे द्वारा किसी का अहित न हो। हमें दूसरों के धन पर ईर्ष्या नहीं करनी वरन ऐसा भाव बनाओ कि हम भी एक दिन ऐसे बनें। यह नहीं सोचना कि हम भाग्यहीन है वरन यह सोचना कि हमारा पडौसी अमीर है और इसमें संतोष करना चाहिए। मुनि श्री ने कहा ग्रहस्थ पाप से रहित नहीं हो सकता वह हमेशा पापों में लिप्त रहकर पांच पापादि अशुभ कियाए करता है। व्यक्ति जहां हिंसा झूठ चोरी कुशील परिग्रह आदि कियाओं में रहेगा वह मुक्ति को प्राप्त नहीं कर सकता। मुनि श्री ने कहा जैन दर्शन में बताया कि उस मार्ग का अनुसरण करो जिसको संत करते हैं इसी में कल्याण है।

धर्मसभा का शुभारम्भ संत शिरोमणि आचार्यश्री विद्यासागर महाराज के चित्र के सम्मुख दीपप्रज्जवलित कर श्रेष्ठीजनों द्वारा किया गया। कार्यक्रम का संचालन करते हुए जैन पंचायत के महामंत्री आकाश जैन ने बताया कि 16 अगस्त को अपरान्ह 1 बजे जैन अटामंदिर में मुनि संघ का चातुर्मास कलश स्थापना कार्यक्रम प्रतिष्ठाचार्य वाल ब्रहमचारी प्रदीप भैया सुयश अशोकनगर के मार्गदर्शन में होगा जिसको लेकर जैन जैन समाज में उत्साह का माहौल है।

इस मौके पर जैन पंचायत अध्यक्ष डॉ. अक्षय टडैया, संयोजक सनत जैन खजुरिया, कोषाध्यक्ष सीए सौरभ जैन, मंदिर प्रबंधक मनोज जैन बबीना, अजय जैन गंगचारी, पूर्व पार्षद मोदी पंकज जैन, शीलचंद अनौरा, मीडिया प्रभारी अक्षय अलया, पूर्व अध्यक्ष अनिल जैन अंचल, महेन्द्र जैन मयूर, दिलीप चौधरी, मनोज जैन जडीबूटी, पुष्पेन्द्र अनोरा, अनंत सराफ नरेश मुक्ता, पत्रकार मनोज जैन, अनीता मोदी, डॉ. नीलम सर्राफ ज्योति नजा,मालती सराफसरिता जैन,उषा जैन, आदि प्रमुख रूप से मौजूद रहे।

आचार्यश्री विद्यासागरजी महाराज आयुर्वेदिक चिकित्सालय का भव्य शुभारंभ

चिपरी (विश्व परिवार)। आचार्य श्री चंद्रप्रभसागर जी महाराज जी ने कहा की विद्यासन्मतीदास सेवा संस्था कोल्हापूर संचलित 'आचार्यश्री चिकित्सालय' अंतर्गत संतशिरोमणी आचार्यश्री विद्यासागरजी महाराज आयुर्वेदिक चिकित्सालय भव्य उद्घाटन समारंभ रविवार दि. 9 आगस्त 2026 (क्रांतीदिन), दोपहर 1 बजे माय स्कूल के पास चौण्डेश्वरी सुतगिरणी के सामने, कोल्हापूर-जयसिंगपूर रोड, चिपरी, तहसील शिरोल, जिला कोल्हापूर में संपन्न हुआ। बिसवी सदी के प्रथमाचार्य चारित्र्य चक्रवर्ती 108 श्री शांतीसागरजी महाराज, संत शिरोमणी प. पू. 108 आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज, शांतमूर्ती प. पू. 108 आचार्यश्री सन्मतीसागरजी महाराज जी के शिष्य युवासम्राट, प्रवचन केसरी, ज्ञान दिवाकर प. पू. 108 आचार्यश्री चंद्रप्रभसागरजी महाराज जी के प्रेरणा से एवं पावन सानिध्य में, चर्याशिरोमणी प. पू. 108 आचार्यश्री विशुध्दसागरजी महाराज जी के शिष्य प. पू. 108 मुनिश्री सारस्वतसागरजी महाराज, प.पू. 108 मुनिश्री जयंतसागरजी महाराज,प.पू. 108 मुनिश्री सिध्दसागरजी महाराज, प.पू. 108 मुनिश्री सरलसागरजी महाराज,प.पू. 108 मुनिश्री चंद्रकिर्तीसागरजी महाराज, के शासन प्रभावक प.पू. आ.वि. राजरत्नसूरीश्वरजी म. सा. (श्वेताम्बर जैन महाराज) जी के मंगल सानिध्य में, प. पू. जगद्गुरु स्वस्तिश्री जिनसेन भट्टारक पट्टाचार्य महास्वामीजी, नांदणी के अध्यक्षता में, मुख्य उदघाटक मा. श्री. चेतनजी देढिया मा. उपाध्यक्ष राज्य अल्पसंख्यांक आयोग महाराष्ट्र द्वारा उदघाटन हुआ।

पर द्रव्य में उदासीनता रखकर सम्यक दृष्टि ममता नहीं रखता: मुनि श्री हितेन्द्र सागर जी

सीकर (विश्व परिवार)। राजकीय अतिथि पंचम पट्टाधीश वात्सल्य वारिधि आचार्य श्री वर्धमान सागर जी महाराज 36 साधु (37 पिच्छी) सहित पारस नाथ भवन दंग की नसिया बजाज रोड सीकर में विराजित है। आचार्य संघ के सानिध्य में प्रतिदिन प्रात से शाम तक धार्मिक अनुष्ठान चल रहे हैं सभी उम्र के धर्म धर्मालंबियों के लिए धार्मिक शिक्षण संस्कार शिविर चल रहा है। प्रात: काल श्री जी के अभिषेक पूजन के बाद प्रवचन, दोपहर को आचार्य श्री द्वारा स्वाध्याय कक्षा, शाम को शिक्षण शिविर,रात्रि में आरती और सांस्कृतिक कार्यक्रम हो रहे हैं। प्रात: कालीन मुनिश्री हितेंद्र सागर जी महाराज ने पूज्यपाद आचार्य द्वारा रचित समाधि तंत्र पर अपना उपदेश दिया। मैं स्वयं को स्वयं से जानने योग्य हूं, मेरे लिए जो ग्रहण करने योग्य नहीं है उसे मैं ग्रहण नहीं करता इन सूत्रों की विस्तृत व्याख्या विवेचना में बताया कि जीव बहिरात्मा, अंतरात्मा और परमात्मा का अंतर समझना होगा। स्वयं को स्वयं से जानू की व्याख्या में बताया कि अपनी आत्मा की अनुभूति स्वयं को होती है दूसरे को आपकी आत्मा की अनुभूति नहीं होती आप अपने सुख दुख की अनुमति इंद्रिय के माध्यम से करते हैं आपकी आत्मा शुद्ध चैतन्य स्वरूप की है आत्मा को जानने का पुरुषार्थ करना चाहिए जिस प्रकार दीपावली पर आप फालतू सामान कचरा हटाकर साफ सफाई करते हैं उसी प्रकार मोह के वशीभूत होकर राग द्वेष विषय भोग कषाय के कारण आत्मा में भी मिथ्यात्व रूपी कचरा है इस कारण आप आत्मा को समझ नहीं पा रहे हैं। यह मंगल देशना आचार्य श्री के शिष्य मुनि श्री हितेंद्र सागर जी महाराज ने प्रवचन में दी डॉक्टर राजेश पंचोलिया के अनुसार मुनि श्री ने वही आत्मा किस प्रकार होती है इसे स्पष्ट कर बताया कि जो अपने शरीर और आत्मा को एक समझता है वह वही बहिरात्मा है, जो शरीर और आत्मा को पृथक पृथक मानता है वह अंतरात्मा है। और यह ज्ञान हमें परमात्मा की दिव्य देशना से रचित जिनवाणी देती हैं।

श्री अग्रसेन कन्या महाविद्यालय कोरबा में कल्चरल मार्क्सवाद पर परिचर्चा आयोजित

कोरबा (विश्व परिवार)। श्री अग्रसेन कन्या महाविद्यालय कोरबा में कल्चरल मार्क्सवाद विषय पर अध्ययन एवं परिचर्चा का आयोजन किया गया। कोरबा में आयोजित ब्रेनस्टॉर्मिंग सत्र में क्षेत्र साहित्य प्रमुख विश्वजीत सिंह, क्षेत्र प्रचार प्रमुख कैलाश चंद्र छत्तीसगढ़ राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग की अध्यक्ष डॉ वर्णिका शर्मा उपस्थित रहे। परिचर्चा में कल्चरल मार्क्सवाद की ऐतिहासिक एवं वैचारिक पृष्ठभूमि सहित शिक्षा, संस्कृति, परिवार, मीडिया, सिनेमा, साहित्य, फिल्म, वेब सीरीज और ओटीटी प्लेटफॉर्म के माध्यम से निर्मित होने वाले सामाजिक नैरेटिव पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के मध्य क्षेत्र प्रचार प्रमुख कैलाश चंद्र ने कहा कि कल्चरल मार्क्सवाद को समझने के लिए उसके अकादमिक स्रोतों, ऐतिहासिक विकास और वैचारिक पृष्ठभूमि का गंभीर अध्ययन आवश्यक है। वर्तमान समय में सामाजिक विचारों और धारणाओं के निर्माण में मीडिया तथा विभिन्न प्रकार के नैरेटिव की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने कहा कि समाज में प्रचलित किसी विचार अथवा नैरेटिव को केवल उसकी बाहरी अभिव्यक्ति के आधार पर नहींए बल्कि उसके स्रोतए उद्देश्य और दीर्घकालीन प्रभावों के संदर्भ में समझा जाना चाहिए। समाज में वैचारिक भ्रम उत्पन्न करने वाले नैरेटिव को पहचानने के लिए तथ्यपरक अध्ययनए तार्किक चिंतन और निरंतर संवाद आवश्यक है।

इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय में मनाया गया 'हरेली तिहार'

- पारंपरिक खेलों के माध्यम से छत्तीसगढ़ की समृद्ध कृषि एवं सांस्कृतिक विरासत को प्रदर्शित किया गया

रायपुर (विश्व परिवार)। इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय में छत्तीसगढ़ का प्रमुख कृषि पर 'हरेली तिहार' हर्षोल्लास से मनाया गया। कृषि विश्वविद्यालय के अनुसंधान प्रक्षेत्र में पारंपरिक तरीके से आयोजित हरेली तिहार उत्सव के मुख्य अतिथि कुलपति डॉ. गिरीश चंदेल ने बैलों, हलों एवं अन्य कृषि यंत्रों एवं उपकरणों की पूजा-अर्चना की और अच्छी फसल की कामना की। इसके उपरांत कृषि महाविद्यालय परिसर में राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वाधान में विभिन्न पारंपरिक खेल प्रतियोगिताओं - गेड़ी दौड़, कुर्सी दौड़, फुगाड़ी, पिट्ठुल, नारियल फेंक, रस्साकशी (रस्सा-कासी) एवं अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया जिसमें बड़ी संख्या छात्र-छात्राओं ने भाग लिया और वहां उत्सव का माहौल निर्मित हो गया। कुलपति डॉ. चंदेल ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए हरेली तिहार की प्रासंगिकता तथा कृषि एवं पर्यावरण के संबंध में इसके वैज्ञानिक महत्व के बारे में जानकारी दी। उन्होनें कहा कि हरेली छत्तीसगढ़ की कृषि संस्कृति और लोक परंपराओं से जुड़ा महत्वपूर्ण पर्व है। यह पर्व किसानों, गौ-वंश, कृषि उपकरणों और प्रकृति के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने की हमारी समृद्ध परंपरा का प्रतीक है। डॉ. चंदेल ने कहा कि विश्वविद्यालय में ऐसे आयोजनों के माध्यम से विद्यार्थियों को अपनी सांस्कृतिक जड़ों एवं पारंपरिक कृषि विरासत से जोड़ना महत्वपूर्ण है।

जीवन की शक्ति पहचानें, समय रहते सही दिशा में करें पुरुषार्थ : साध्वी मंजुलाश्रीजी

- बाल संघपति एवं श्री सम्मेत शिखर भाव यात्रा 16 अगस्त को, 5 से 18 वर्ष के बालक-बालिकाओं को मिलेगा संघपति बनने का अवसर

रायपुर (विश्व परिवार)। आत्म उत्क्रांति आध्यात्मिक चातुर्मास-2026 के अंतर्गत दादाबाड़ी में अध्यात्म सार ग्रंथ का पाठ करते हुए बुधवार को साध्वी मंजुलाश्रीजी म.सा. ने कहा कि व्यक्ति यदि अपनी ताकत को सही समय पर नहीं पहचानता तो जीवन की उलझनें बढ़ती जाती हैं। कई बार मनुष्य को यह भी समझ नहीं आता कि जीवन में उसे करना क्या है।

साध्वीश्री ने कहा कि हम अक्सर उन विषयों के पीछे भागते रहते हैं, जो हमें गलत दिशा में ले जाते हैं। हमें पक्षियों से सीखना चाहिए, जो अपने गंतव्य की ओर सीधा मार्ग अपनाते हैं। इसी प्रकार ट्रेन भी निर्धारित मार्ग और स्टॉपेज के अनुसार चलकर समय पर अपने गंतव्य तक पहुंचती है। मनुष्य को भी जीवन का लक्ष्य तय कर उसी दिशा में आगे बढ़ना चाहिए।

उन्होंने कहा कि जीवन में छोटा सा भी पुण्य हमारे मार्ग को बदल सकता है। पुण्य के अभाव में जीवन गलत दिशा की ओर बढ़ सकता है, जबकि पुण्य का संचय आत्मकल्याण का कारण बनता है। लेकिन कर्म और धर्म करने के समय मनुष्य यह सोचकर बैठ जाता है कि अभी तो बहुत समय है। यही सबसे बड़ी भूल है।

साध्वीश्री ने कहा कि किसी उचित समय या व्यक्ति का इंतजार करने के बजाय जो अच्छा कार्य करना है, उसे तुरंत शुरू करना चाहिए। जीवन में मिले समय और सामर्थ्य का सदुपयोग करते हुए धर्म, संयम और पुरुषार्थ के मार्ग पर आगे बढ़ना चाहिए। जीवन को किस दिशा में ले जाना है, यह निर्णय हमारे अपने हाथ में है।

बच्चों को संघपति बनने का अवसर

आत्म उत्क्रांति आध्यात्मिक चातुर्मास-2026 के अंतर्गत श्री ऋषभदेव मंदिर ट्रस्ट एवं श्री आत्म उत्क्रांति आध्यात्मिक चातुर्मास समिति की ओर से बाल संघपति एवं श्री सम्मेत शिखर भाव यात्रा का आयोजन 16 अगस्त रविवार को किया जाएगा। यह आयोजन परम पूज्य कैवल्यधाम तीर्थ प्रेरिका प्रवर्तिनी महोदया निपुणा श्रीजी म.सा. की सुशिष्या एवं प्रवचन प्रभाविका परम पूज्य मंजुला श्रीजी महाराज साहब की निश्रा में होगा।

आयोजन के तहत सुबह 7 बजे श्री ऋषभदेव मंदिर, सदर बाजार से दादाबाड़ी परिसर में निर्मित सम्मेत शिखर की प्रतिकृति तक भव्य चतुर्विध संघ यात्रा निकाली जाएगी। यात्रा में ट्रस्टियों द्वारा विजय तिलक किया जाएगा। इसके बाद दादाबाड़ी परिसर में सम्मेत शिखर की प्रतिकृति के दर्शन एवं भाव यात्रा कराई जाएगी।

विधोदय तीर्थ में आचार्य संघ कि वर्षायोग की तप त्याग संयम की सधना के आशीष वचन में बोले आचार्य श्री

- मौन संसार की सर्वश्रेष्ठ साधना, परिचय परिषय का कारण, सुखी होना हे तो पर पदार्थों से अपरिचित हो जाओ

भोपाल (विश्व परिवार)। आचार्य समय सागर महाराज की सा संघ तप त्याग संयम की साधना प्रभु आदिनाथ के दर्शन के साथ आचार्य श्री विद्या सागर महाराज के स्मरण वंदना के साथ सुबह से श्रद्धालुओं के हे स्वामी नमोस्तु, हे स्वामी नमोस्तु के साथ शुरू हुई, आज महाराष्ट्र से आए श्रद्धालुओं ने दर्शन किए,रत्नकरंडक श्रावकाचार समय सार ग्रंथ की व्याख्या का सूत्र के साथ वाचन हुआ सार बताते हुए आचार्य श्री ने कहा जीवन में खुशओर सफल होना हे तो जगत से परिचय कम करो, परिचय परिषय का कारण हे, पर पदार्थों से अपरिचित हो जाओ तो सांसारिक जीवन में सुख शांति निश्चित हे, साथ ही वीतरागता की ओर मन लगेगा, दुनिया की भीड़ भाड़ में संसार चक्र में दुख और परेशानी ही मिलेगी, साधक भी एकांत क्षेत्र में भावो को पवित्र, मन को स्थिर कर एकांत क्षेत्र में आत्म साधना करता हे, प्रवक्ता अंशुल जैन ने बताया आचार्य विद्या सागर महाराज के गुणों की वदना में श्रावकों ने अष्ट द्रव्य से सुजजीत थाल अर्पण किए, आचार्य श्री को नवधा भक्ति पूर्वक पढ़गाहन कर आहार चर्या का सौभाग्य श्रीमती निर्मला अजय अतुल अश्वनी अमित आशीष तड़ैया परिवार को मिला, सायंकालीन आचार्य भक्ति में समूर्ण संघ ने आचार्य श्री विद्या सागर महाराज का स्मरण कर अपने अंतष के भावो से नमनकिया अध्यक्ष पंकज सुपारी पूर्व अध्यक्ष मनोज बांगा निर्वाण संयोजक राकेश ओ एस डी कलश स्थापना पुण्यर्जक देवेंद्र रुचि पदम जैन घर मनीष राजेश कोयला परिवार ऋषभ मनीष प्रगति परिवार सहित अनेक श्रद्धालु शामिल थे।

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

दैनिक
विश्व परिवार

बस्तर संभाग

रायपुर, गुरुवार 13 अगस्त 2026

भाजपा सरकार आदिवासी विरोधी,विश्व आदिवासी दिवस पर बधाई भी नहीं दिया- देवचंद मतलाम

आरएसएस के विरोध के कारण आदिवासी मुख्यमंत्री अपने समाज का उत्सव नहीं मना पा रहा - कांग्रेस

जगदलपुर। संभाग मुख्यालय राजीव भवन जगदलपुर में PCC के निर्देश पर बस्तर जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा प्रेसवार्ता का आयोजन किया गया.बस्तर जिला कांग्रेस कमेटी के ग्रामीण अध्यक्ष प्रेमशंकर शुक्ला की अध्यक्षता में कोंडागांव के पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष देवचंद मतलाम ने आयोजित प्रेसवार्ता को संबोधित करते हुए कहा भाजपा सरकार आदिवासी विरोधी है विश्व आदिवासी दिवस पर बधाई भी नहीं दिया गया।विश्व आदिवासी दिवस का विरोध कर भाजपा ने आदिवासी अस्मिता का विरोध कर रही है ऋस्र् के विरोध के कारण आदिवासी मुख्यमंत्री अपने समाज तक का उत्सव नहीं मना पा रहे हैं।9 अगस्त को पूरी दुनियां के आदिवासियों ने विश्व आदिवासी दिवस मनाया लेकिन भाजपा के किसी भी नेता, आदिवासी नेता यहां तक की राष्ट्रपति और मुख्यमंत्री का भी आदिवासियों के लिए एक बधाई संदेश नहीं आया।2023 के पहले तो भाजपा के नेता विश्व आदिवासी दिवस की बधाई देते थे। आरएसएस आदिवासियों की संस्कृति और अस्मिता को नष्ट करना चाहती है। वह आदिवासियों को वनवासी बनाने पर तुली है। इसीलिए वह आदिवासी दिवस का विरोध करती है।आदिवासी दिवस दुनियां के सामने आदिवासी समाज की एकता, संस्कृति को सामने लाने का दिन है। आरएसएस आदिवासी संस्कृति को स्वतंत्र सभ्यता मानने का विरोध करती है। वह आदिवासियों को आज भी पिछलग्गू बना कर रखना चाहती है।देवचंद मतलाम ने आगे कहा भाजपा सरकार के द्वारा विश्व आदिवासी दिवस को शासकीय स्तर पर नहीं मनाया गया। जिस प्रदेश की 32 प्रतिशत आबादी आदिवासियों की हो, जहां पर दुनिया की सबसे प्राचीन आदिवासी सभ्यता निवास करती हो वहां की सरकार आदिवासी दिवस मनाने से परहेज कर रही है यह आदिवासी समाज का अपमान है।विश्व आदिवासी दिवस का आयोजन आदिवासी सभ्यता और संस्कृति पर गौरव का दिन है।आदिवासी संस्कृति दुनिया की सबसे प्राचीन और मौलिक संस्कृति है।इस दिवस को मनाने का उद्देश्य है कि दुनिया के सामने यह बताना कि आदिवासी समाज और उनकी सभ्यता किसी से कम नहीं यह दिन आदिवासी समाज के लिये गर्व का दिन है। प्रदेश का मुखिया आदिवासी समाज से आता है। उसके बाद प्रदेश में शासकीय तौर पर आदिवासी दिवस मनाने से परहेज किया गया।विश्व आदिवासी दिवस का विरोध कर भाजपा ने आदिवासियों व उनकी संस्कृति का जो खुला विरोध किया है उसे छत्तीसगढ़ के आदिवासी नहीं भूलेंगे और भाजपा को कभी माफ नहीं करेंगे।भाजपा आदिवासियों को सिर्फ वोट बैंक की तरह देखती है और इसीलिए उसने कहने को तो एक आदिवासी को मुख्यमंत्री बना दिया है, पर उन्हें अपने आदिवासी भाई बहनों के साथ उत्सव मनाने से भी रोक रही है। देवचंद मतलाम ने आगे बताया विश्व आदिवासी दिवस केवल उत्सव मनाने का दिन नहीं है। यह हमें अपनी जड़ों को याद करने का दिन है। यह दिन उन महान परंपराओं को नमन करने का दिन है, जिन्होंने सदियों से जल, जंगल, जमीन, प्रकृति और मानवता के बीच संतुलन बनाकर रखा है। हमारे आदिवासी समाज ने हमें सिखाया है कि जंगल केवल लकड़ी नहीं है, नदी केवल पानी नहीं है और जमीन केवल संपत्ति नहीं है। जंगल हमारा जीवन है, जल हमारी सांस है, जमीन हमारी पहचान है, और हमारी संस्कृति हमारी आत्मा है। छत्तीसगढ़ की पहचान आदिवासी संस्कृति के बिना अधूरी है। बस्तर की धरती हो, सरगुजा की पहाड़ियां हों, कांकेर, नारायणपुर, दंतेवाड़ा, बीजापुर, सुकमा, कोरबा, जशपुर, बलरामपुर और गरियाबंद के वनांचल हों हर जगह आदिवासी समाज ने अपनी मेहनत, संस्कृति और संघर्ष से छत्तीसगढ़ की पहचान बनाई है।यह दिन वीर आदिवासी नायकों को नमन का दिन है। आज के दिन हम उन सभी आदिवासी वीरों और वीरांगनाओं को नमन करते हैं, जिन्होंने अन्याय और शोषण के खिलाफ संघर्ष किया। हम भगवान बिरसा मुंडा, शहीद वीर नारायण सिंह, गुंडाधुर और देश के असंख्य ज्ञात-अज्ञात आदिवासी स्वतंत्रता सेनानियों को श्रद्धापूर्वक याद करते हैं। इन वीरों ने हमें सिखाया कि अन्याय के सामने झुकना नहीं है। उन्होंने हमें सिखाया कि अपने अधिकारों के लिए संघर्ष करना अपराध नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक अधिकार है।आदिवासी समाज की अस्मिता से कोई समझौता नहीं होगा।आदिवासी अधिकारों से कोई समझौता नहीं होगा। जल-जंगल-जमीन के अधिकार से कोई समझौता नहीं होगा।भाजपा और आरएसएस भले ही आदिवासी दिवस का विरोध करे.किन्तु आदिवासी समाज इसे गर्व से मनाता रहा है,मनाता रहेगा। इस प्रेसवार्ता में मुख्य रूप से पूर्व विधायक रेखचंद जैन,पूर्व सभापति कविता साहू,नेता प्रतिपक्ष राजेश चौधरी,जिला उपाध्यक्ष बालेश दुबे,महामंत्री अभिषेक नायडू,सुभाष गुलाटी, नीतीश शर्मा,रविशंकर तिवारी, संजय पाणिग्रही,ब्लॉक अध्यक्ष सूर्यापानी,गणेश बघेल,धरमुराम कश्यप,सूरज कश्यप, छबिलाल,नारायण बघेल,बुधराम कश्यप,मोतीराम कश्यप, मीडिया प्रभारी शादाब अहमद,पार्षद रामकृष्ण तिवारी,उस्मान रजा आदि मौजूद रहे।

कोण्डागांव में आंध्रप्रदेश के चावल से लदे दो ट्रक जांच के बाद छोड़े गए, कार्रवाई के आधार पर उठे सवाल

कोण्डागांव। छत्तीसगढ़ को धान का कटोरा कहा जाता है, ऐसे में आंध्रप्रदेश से चावल लेकर छत्तीसगढ़ के रास्ते राजनांदगांव जा रहे दो ट्रकों को जांच के बाद छोड़ दिए जाने का मामला चर्चा में है। खाद्य विभाग की जांच के बाद दोनों वाहनों को छोड़े जाने से परिवहन किए जा रहे चावल के स्रोत, दस्तावेज और जांच प्रक्रिया को लेकर सवाल उठ रहे हैं। जानकारी अनुसार, सिटी कोतवाली पुलिस ने चावल से भरे दो ट्रकों को रोककर थाना परिसर में रखा था। अगले दिन दोनों वाहनों को छोड़ दिया गया। इसके बाद मीडिया कर्मियों की सूचना और हस्तक्षेप के बाद दोनों ट्रकों को दोबारा रोका गया, जिसके बाद खाद्य विभाग को इसकी जानकारी दी गई। सूचना मिलने पर जिला खाद्य अधिकारी नवीन श्रीवास्तव मौके पर पहुंचे और चावल व संबंधित दस्तावेजों की जांच की। जांच के दौरान चावल की बोरियों पर किसी राइस मिल का स्पष्ट टैग नहीं होने और बोरियों की पैकिंग अलग-अलग तरीके की होने की बात सामने आई। हालांकि जांच के बाद 10 अगस्त की शाम दोनों ट्रकों को छोड़ दिया गया। विभाग की ओर से ट्रकों को छोड़े जाने के संबंध में विस्तृत जानकारी सार्वजनिक नहीं की गई है।

खाद्य अधिकारी ने सवालों का जवाब देने से किया इनकार

मीडिया कर्मियों ने जिला खाद्य अधिकारी से चावल के स्रोत, परिवहन दस्तावेज और जांच के निष्कर्ष को लेकर जानकारी मांगी, लेकिन उन्होंने कैमरे पर प्रतिक्रिया देने से इनकार कर दिया। उन्होंने कहा कि जो लिखना है लिख दें। ऐसे में जांच के बाद दोनों ट्रकों को किस आधार पर छोड़ा गया, इसको लेकर सवाल उठ रहे हैं।

केशकाल में 680 बोरी चावल जब्ती के बाद तुलना

इसी तरह 7 अगस्त को केशकाल क्षेत्र में प्रशासन ने कार्रवाई करते हुए एक ट्रक से 680 बोरी चावल जब्त किया था। अंतरराज्यीय चावल परिवहन से जुड़े इस मामले में ट्रक को रोककर कार्रवाई की गई थी। अब कोण्डागांव में जांच के बाद दो ट्रकों को छोड़े जाने और केशकाल में जब्ती की कार्रवाई के बीच अंतर को लेकर सवाल उठाए जा रहे हैं। लोगों का सवाल है कि यदि दोनों मामलों में दस्तावेज या परिस्थितियां अलग थीं तो इसकी जानकारी स्पष्ट की जानी चाहिए। वहीं यदि कोण्डागांव में पकड़े गए ट्रकों के दस्तावेज सही पाए गए थे, तो विभाग को जांच के आधार और चावल के वैध स्रोत की जानकारी सार्वजनिक करनी चाहिए।

आंध्रप्रदेश से छत्तीसगढ़ तक चावल परिवहन पर उठे सवाल

मामले में यह भी सवाल उठ रहा है कि आंध्रप्रदेश से राजनांदगांव तक चावल परिवहन किस अनुमति और किस दस्तावेज के आधार पर किया जा रहा था। यदि यह चावल सार्वजनिक वितरण प्रणाली से जुड़ा था तो उसके स्रोत, स्टॉक और गंतव्य का सत्यापन किस प्रक्रिया के तहत किया गया, यह स्पष्ट होना जरूरी है। वहीं, आंध्रप्रदेश के विजयवाड़ा जिला सिविल सप्लाई विभाग से जुड़े दस्तावेजों में जब्त पीडीएस चावल के निस्तारण के लिए नीलामी और सक्षम आदेश के बाद स्टॉक जारी करने की प्रक्रिया का उल्लेख मिलता है। इससे यह सवाल भी उठता है कि यदि किसी राज्य के पीडीएस स्टॉक से जुड़ा चावल दूसरे राज्य में भेजा जा रहा था, तो उसके लिए निर्धारित प्रक्रिया और दस्तावेज क्या थे।

राजनीतिक दबाव के दावे की पुष्टि नहीं

स्थानीय स्तर पर चर्चा है कि दोनों ट्रक किसी राजनीतिक व्यक्ति या समर्थक से जुड़े हो सकते हैं और उन्हें छुड़ाने के लिए दबाव बनाया गया। हालांकि इस संबंध में कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। ऐसे में वाहन मालिकों और संबंधित पक्षों का पक्ष सामने आना भी जरूरी है। फिलहाल मामला केवल दो ट्रकों को छोड़े जाने तक सीमित नहीं है, बल्कि खाद्य विभाग की जांच प्रक्रिया और कार्रवाई के मानकों को लेकर भी सवाल खड़े कर रहा है।

प्रशासन से मांग की जा रही है कि स्पष्ट किया जाए कि दोनों ट्रकों में लदा चावल कहां से आया, किस उद्देश्य से ले जाया जा रहा था और जांच के बाद उन्हें छोड़ने का आधार क्या था।

विश्व आदिवासी दिवस का विरोध कर भाजपा ने किया आदिवासी अस्मिता का किया अपमान: चन्दन कश्यप

नारायणपुर। पूर्व विधायक चन्दन कश्यप ने कहा कि पूरी दुनिया में विश्व आदिवासी दिवस मनाया गया, लेकिन छत्तीसगढ़ में भाजपा सरकार द्वारा इसे शासकीय स्तर पर नहीं मनाना आदिवासी समाज का अपमान है। प्रदेश की करीब 32 प्रतिशत आबादी आदिवासी समाज की है और मुख्यमंत्री भी आदिवासी समाज से आते हैं, इसके बावजूद सरकार द्वारा इस महत्वपूर्ण दिवस से दूरी बनाना दुर्भाग्यपूर्ण है। चन्दन कश्यप ने कहा कि 2023 से पहले भाजपा नेता भी विश्व आदिवासी दिवस की बधाई देते थे, लेकिन सत्ता में आने के बाद भाजपा का रवैया बदल गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि आरएसएस आदिवासियों की स्वतंत्र संस्कृति और पहचान को कमजोर कर उन्हें 'वनवासी' की पहचान तक सीमित करना चाहती है। उन्होंने कहा कि विश्व आदिवासी दिवस केवल उत्सव का दिन नहीं, बल्कि आदिवासी समाज की संस्कृति, अस्मिता, अधिकार और जल-जंगल-जमीन से जुड़े संघर्ष को दुनिया के सामने रखने का अवसर है। छत्तीसगढ़ की पहचान आदिवासी संस्कृति के बिना अधूरी है। चन्दन कश्यप ने भगवान बिरसा मुंडा, शहीद वीर नारायण सिंह, गुंडाधुर सहित सभी ज्ञात-अज्ञात आदिवासी वीरों को नमन करते हुए कहा कि आदिवासी समाज ने सदियों से प्रकृति और मानव जीवन के बीच संतुलन कायम रखा है। उन्होंने कहा कि भाजपा आदिवासियों को केवल वोट बैंक के रूप में देखती है। आदिवासी अस्मिता, संस्कृति और अधिकारों से कोई समझौता नहीं होगा। भाजपा विश्व आदिवासी दिवस का विरोध करे, लेकिन आदिवासी समाज इसे गर्व के साथ मनाता रहा है और आगे भी मनाता रहेगा। इस प्रेस वार्ता मे प्रदेश पदाधिकारी रजनू नेताम, देवनाथ उसेंडी, शिव कुमार पांडे, विशेल नाग जिला अध्यक्ष राजेश दीवान, कोषाध्यक्ष वी पी शुक्ला, महामंत्री संगठन संजय राय, महामंत्री प्रशासनिक तौहीद खान, शहर महामंत्री, शहर प्रभारी रवि देवांगन, महामंत्री प्रवक्ता अमित भद्र, शहर अध्यक्ष रघु मानिकपूरी, ब्लॉक अध्यक्ष पंडी वड्डे, महेश कश्यप, मलेश मंडावी, युवा कांग्रेस अध्यक्ष बोधन देवांगन, विजय सलाम, जय वट्टी, महामंत्री राजू देहारी, शब्बीर भाईजान, पूर्व नगरपालिका उपाध्यक्ष प्रमोद नेलवाल, इरफान खान, राकेश केशरिया, रमेश ध्रुव, शेख सर्वर, चैनसिंह भोयर सूनीलाल उपस्थित रहे।

सद्गुरु कबीर धनिधर्मदास साहेब एवं माता-पिता के नाम पर किया पौधारोपण, 1200 से अधिक पौधे रोपित

कबीर पंथ अनुयायियों ने पर्यावरण संरक्षण की दिशा में रचा नया संदेश

जगदलपुर। पर्यावरण संरक्षण को केवल अभियान नहीं, बल्कि सामाजिक और आध्यात्मिक जिम्मेदारी मानते हुए बस्तर जिले के कबीर पंथ अनुयायियों ने एक महत्वपूर्ण पहल की है। सद्गुरु कबीर धनिधर्मदास वंशावली मिशन के प्रवर्तक एवं कबीर पंथ के सोलहवें वंशाचार्य पंथ श्री हुजूर उदितमुनि नाम साहेब जी के आह्वान पर 9 अगस्त को जिले के विभिन्न क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर पौधारोपण अभियान चलाया गया।इस अभियान के दौरान कबीर पंथ अनुयायियों ने विश्व वंदनीय सद्गुरु कबीर धनिधर्मदास साहेब एवं अपने माता-पिता के नाम पर पौधे रोपित कर उनके संरक्षण का संकल्प लिया। अभियान का उद्देश्य केवल पौधे लगाना नहीं, बल्कि समाज में पर्यावरण संरक्षण के प्रति स्थायी जागरूकता पैदा करना और लगाए गए पौधों को वृक्ष बनने तक सुरक्षित रखना रहा। छह क्षेत्रों में पहुंचा पर्यावरण संरक्षण का संदेश-सद्गुरु कबीर धनिधर्मदास वंशावली मिशन जिला इकाई बस्तर के प्रतिनिधि श्याम दीवान, परोपकारी प्रतिनिधि पवनदास बघेल, महिला प्रतिनिधि श्रीमती हीरामनी सेठिया, जिला सलाहकार महंत लक्ष्मीकांत पंत तथा भानपुरी तहसील प्रतिनिधि विधियाधर के संयुक्त नेतृत्व में अभियान को आगे बढ़ाया गया। अभियान के तहत भानपुरी, करपावंड, बकावंड, लोहंडीगुड़ा, तोकापाल एवं जगदलपुर क्षेत्र में निवासरत कबीर पंथ अनुयायियों को पर्यावरण संरक्षण के महत्व के बारे में जागरूक किया गया। इस दौरान फलदार एवं छायादार पौधों का वितरण करते हुए अनुयायियों से पौधारोपण के साथ-साथ उनके संरक्षण की भी अपील की गई।आम, जामुन, कटहल, नींबू और नीम सहित 1200 से अधिक पौधे रोपे जिला प्रतिनिधि श्याम दीवान ने बताया कि।

देवी-देवताओं पर आपत्तिजनक टिप्पणी से भड़का बजरंग दल, अरुण पन्नालाल के पुतले को दी प्रतीकात्मक फांसी

केशकाल। हिंदू देवी-देवताओं और पवित्र शिवलिंग को लेकर सोशल मीडिया पर की गई कथित आपत्तिजनक टिप्पणी के विरोध में विश्व हिंदू परिषद एवं बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने केशकाल में जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। संगठन ने हंसराज गोयल और अरुण पन्नालाल के खिलाफ कार्रवाई की मांग को लेकर पहले अनुविभागीय कार्यालय पहुंचकर शिकायत पत्र सौंपा। इसके बाद कार्यकर्ता केशकाल बस स्टैंड में एकत्रित हुए और विरोध प्रदर्शन किया। कार्यकर्ताओं ने अरुण पन्नालाल के नाम से बनाए गए पुतले को जूतों की माला पहनाकर बस स्टैंड परिसर में घुमाया। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने जमकर नारेबाजी करते हुए सोशल मीडिया पर कथित आपत्तिजनक टिप्पणी को लेकर अपना आक्रोश जताया। इसके बाद बस स्टैंड के मध्य पुतले को प्रतीकात्मक रूप से फांसी दी गई। संगठन ने अंतिम सावन सोमवार को पुतला दहन करने की योजना भी बनाई है। विरोध प्रदर्शन के दौरान आंदोलनकारी नीरज अग्निहोत्री ने कहा कि हंसराज गोयल और अरुण पन्नालाल जैसे लोगों द्वारा हिंदू देवी-देवताओं और धार्मिक प्रतीकों को लेकर कथित तौर पर आपत्तिजनक टिप्पणियां की जा रही हैं। उन्होंने कहा कि ऐसी टिप्पणियों से हिंदू समाज की धार्मिक भावनाएं आहत होती हैं और अब इस तरह के कृत्यों को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। हिंदू समाज लंबे समय से सहिष्णुता का परिचय देता आया है, लेकिन धार्मिक आस्था और देवी-देवताओं के प्रति अपमानजनक व्यवहार के खिलाफ अब समाज में जागरूकता बढ़ रही है। उन्होंने प्रशासन से मामले की गंभीरता से जांच कर दोषियों के खिलाफकड़ी कानूनी कार्रवाई करने की मांग की। वीएचपी और बजरंग दल कार्यकर्ताओं ने कहा कि उनका विरोध धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने वाली कथित टिप्पणियों के खिलाफ है। उन्होंने प्रशासन से सोशल मीडिया पोस्ट की जांच कर संबंधित लोगों पर नियमानुसार कार्रवाई की मांग की है।

// कार्यालय सेनानी, 22वीं वाहिनी (भा./20) छ.स.बल, भीरागांव कांकेर छ.ग. //

दूरभाष :- कार्यालय 07850-299033, e-mail: co22ndcafkkr@gmail.com

निविदा क्रमांकः-22वीं बटा./80स.बल/कांकेर/क्वा.मा./A/ 383-A /2026, दिनांक 05/08/2026

// निविदा आमंत्रण सूचना //

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल की ओर से निम्नलिखित निर्माण कार्य के लिए मुहरबंद निविदायें प्रपत्र-अ में प्रमुख अभियंता लोक निर्माण विभाग रायपुर द्वारा 01.01.2015 (भवन) एवं निविदा जारी दिनांक तक संशोधित दर अनुसूची के आधार पर लोक निर्माण विभाग/केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग/छ.ग. गृह निर्माण मंडल/ग्रामीण यांत्रिकी सेवा/सिंचाई विभाग में सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से दो लिफाफा पद्धति, जिसमें एक अमानत राशि व दूसरा निविदा प्रपत्र का लिफाफा होगा, निविदा हाथो-हाथ, पंजीकृत डाक/स्पीड पोस्ट द्वारा आमंत्रित की जाती है। कार्यालय सेनानी, 22वीं वाहिनी (भा./2.) छ.स.बल, कांकेर में निविदाओं उपस्थित निविदाकार या उनके अधिकृत प्रतिनिधि के समक्ष खोले जाने की प्रक्रिया प्रारंभ की जावेगी। उक्त तिथि को अपरिहार्य परिस्थिति में निविदा संबंधी कार्यवाही अगले कार्य दिवस को की जावेगी।

(1) निविदा प्रपत्र विक्रय की अंतिम तिथि :- 17.08.2026 के 03:00 बजे तक
(2) निविदा प्राप्ति की अंतिम तिथि :- 19.08.2026 के 03:00 बजे तक
(3) निविदा खोले जाने की तिथिः- 21.08.2016 के 04:00 बजे तक
(4)निविदा प्रपत्र का मूल्यः- 750/-
(5) कार्य पूर्ण करने की अवधिः- 03 माह
(6)ठेके की श्रेणी/निविदा आमंत्रण क्रमांकः- 'डी' एवं उच्च श्रेणी लोनिवि के श्रेणी के पात्रतानुसार
(7) प्रभावी दर अनुसूचीः- लो.नि.वि. द्वारा दिनांक 01 जनवरी 2015 को जारी भवन एस.ओ.आर. में प्रचलित।

स.क्र.	कार्य स्थल	कार्य का नाम	लागत (लाख में)	धरोहर राशि
1	2	3	4	5
2	सेनानी, 22वीं वाहिनी (भा,/2.) छ.स.बल, भीरागांव कांकेर छ.ग.	(कोत) लोहा जाली बाउंड्री निर्माण कार्य हेतु	20.00	60,000/

नोट :- निविदा प्रपत्र हेतु रू0 750/- का चालान 0055 पुलिस 800 अन्य प्राप्तियां में जमा कर चालान की प्रति कार्यालय में प्रस्तुत करें। निविदा संबंधी अन्य जानकारी के लिए कार्यालय सेनानी, 22वीं वाहिनी (भा./2.) छ.स.बल, भीरागांव कांकेर से संपर्क कर सकते है।

जी- 262702720/2

सेनानी
22वीं वाहिनी (भा./2.)छ.स.बल,
भीरागाँव, कांकेर छ.ग.

विश्व आदिवासी दिवस का विरोध कर भाजपा ने किया आदिवासी अस्मिता का किया अपमान : चन्दन कश्यप

नारायणपुर। पूर्व विधायक चन्दन कश्यप ने कहा कि 9 अगस्त को पूरी दुनिया में विश्व आदिवासी दिवस मनाया गया, लेकिन छत्तीसगढ़ में भाजपा सरकार द्वारा इसे शासकीय स्तर पर नहीं मनाना आदिवासी समाज का अपमान है। प्रदेश की करीब 32 प्रतिशत आबादी आदिवासी समाज की है और मुख्यमंत्री भी आदिवासी समाज से आते हैं, इसके बावजूद सरकार द्वारा इस महत्वपूर्ण दिवस से दूरी बनाना दुर्भाग्यपूर्ण है।चन्दन कश्यप ने कहा कि 2023 से पहले भाजपा नेता भी विश्व आदिवासी दिवस की बधाई देते थे, लेकिन सत्ता में आने के बाद भाजपा का रवैया बदल गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि आरएसएस आदिवासियों की स्वतंत्र संस्कृति और पहचान को कमजोर कर उन्हें 'वनवासी' की पहचान तक सीमित करना चाहती है। उन्होंने कहा कि विश्व आदिवासी दिवस केवल उत्सव का दिन नहीं, बल्कि आदिवासी समाज की संस्कृति, अस्मिता, अधिकार और जल-जंगल-जमीन से जुड़े संघर्ष को दुनिया के सामने रखने का अवसर है। छत्तीसगढ़ की पहचान आदिवासी संस्कृति के बिना अधूरी है।चन्दन कश्यप ने भगवान बिरसा मुंडा, शहीद वीर नारायण सिंह, गुंडाधुर सहित सभी ज्ञात-अज्ञात आदिवासी वीरों को नमन करते हुए कहा कि आदिवासी समाज ने सदियों से प्रकृति और मानव जीवन के बीच संतुलन कायम रखा है।

उन्होंने कहा कि भाजपा आदिवासियों को केवल वोट बैंक के रूप में देखती है। आदिवासी अस्मिता, संस्कृति और अधिकारों से कोई समझौता नहीं होगा। भाजपा विश्व आदिवासी दिवस का विरोध करे, लेकिन आदिवासी समाज इसे गर्व के साथ मनाता रहा है और आगे भी मनाता रहेगा।इस प्रेस वार्ता मे प्रदेश पदाधिकारी रजनू नेताम, देवनाथ उसेंडी, शिव कुमार पांडे, विशेल नाग जिला अध्यक्ष राजेश दीवान, कोषाध्यक्ष वी पी शुक्ला, महामंत्री संगठन संजय राय, महामंत्री प्रशासनिक तौहीद खान, शहर महामंत्री, शहर प्रभारी रवि देवांगन, महामंत्री प्रवक्ता अमित भद्र,शहर अध्यक्ष रघु मानिकपूरी, ब्लॉक अध्यक्ष पंडी वड्डे, महेश कश्यप, मलेश मंडावी, युवा कांग्रेस अध्यक्ष बोधन देवांगन, हस्ढ्ढ अध्यक्ष विजय सलाम,जय वट्टी,महामंत्री राजू देहारी, शब्बीर भाईजान, पूर्व नगरपालिका उपाध्यक्ष प्रमोद नेलवाल, इरफ़ान खान, राकेश केशरिया,रमेश ध्रुव,शेख सर्वर, चैनसिंह भोयर सूनीलाल मौजूद रहे।

दैनिक
विश्व परिवार
महानगर

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

रायपुर, गुरुवार 13 अगस्त 2026

कांवड़ियों ने यात्रा के तीसरे दिन किया पंडरिया विधानसभा में प्रवेश

- बोल बम के जयघोष से गूंजा वनांचल
- वन ग्राम महामाई से गौरकांपा तक तय की यात्रा

कबीरधाम (विश्व परिवार)। माँ नर्मदा मंदिर अमरकंटक से भोरमदेव तक 151 किलोमीटर की कांवड़ पदयात्रा के तीसरे दिन विधायक भावना बोहरा और उनके साथ इस यात्रा में सहभागी लगभग 500 कांवड़ यात्रियों की यात्रा वन ग्राम महामाई (खुड़िया) से गौरकांपा तक 'बोल बम' के गगनभेदी जयघोष के साथ प्रारंभ हुई। पंडरिया विधायक भावना बोहरा के नेतृत्व में कांवड़ यात्रियों ने दुर्गम जंगलों, पथरीली पगडंडियों और नदी के प्रवाह को पार करते हुए पूरे उत्साह एवं श्रद्धाभाव के साथ यात्रा को आगे बढ़ाया। यात्रा के तीसरे दिन प्रकृति ने कांवड़ यात्रियों की दृढ़ इच्छाशक्ति और संकल्प की परीक्षा ली। कहीं घने जंगलों के बीच कठिन पगडंडियां सामने आईं, तो कहीं पथरीले रास्तों और कमर तक नदी के प्रवाह को पार करना पड़ा। परिस्थितियां चुनौतीपूर्ण थीं, लेकिन किसी भी कांवड़ यात्री के कदम नहीं रुके। हर बाधा को पार करते हुए श्रद्धालु लगातार आगे बढ़ते रहे और आज विधायक भावना बोहरा और कांवड़ियों ने पंडरिया विधानसभा में प्रवेश किया।

इस अवसर पर पंडरिया विधायक भावना बोहरा ने कहा, यह यात्रा मेरे लिए केवल 151 किलोमीटर की पदयात्रा नहीं है, बल्कि छत्तीसगढ़ की सुख-समृद्धि और सर्वमंगल की कामना के लिए किया गया एक संकल्प है। आज जब दुर्गम जंगलों, पथरीली राहों और नदी के प्रवाह के बीच से होकर हम आगे बढ़े, तब महसूस हुआ कि जब मन में श्रद्धा और संकल्प मजबूत हो, तो कोई भी कठिनाई बड़ी नहीं होती। हृदय में भगवान भोलेनाथ के प्रति अटूट श्रद्धा और मन में छत्तीसगढ़ की सुख-समृद्धि एवं खुशहाली का संकल्प लेकर जंगलों की खामोशी के बीच गूंजता 'बोल बम' का जयघोष और नदी की प्रवाह के बीच माँ नर्मदा और महादेव के स्मरण पूरे यात्रा मार्ग को भक्तिमय बनाया और हम सभी को इस कठिन मार्ग को सहज बनाने के लिए उर्जा दी।

भावना बोहरा ने कहा कि माँ नर्मदा का पावन जल कांवड़ में लेकर और बाबा भोलेनाथ का नाम हृदय में धारण कर आगे बढ़ना स्वयं में एक अद्भुत आध्यात्मिक अनुभूति है। यात्रा की कठिन राहें शरीर की परीक्षा जरूर ले रही हैं, लेकिन हर कदम के साथ आस्था और हौसला और मजबूत हो रहा है। कांवड़ यात्रियों का उत्साह और एक-दूसरे के साथ कदम से कदम मिलाकर आगे बढ़ने की भावना इस यात्रा की सबसे बड़ी शक्ति है। हर-हर महादेव का जयघोष केवल हमारी आस्था की अभिव्यक्ति नहीं, बल्कि छत्तीसगढ़ की खुशहाली के लिए हमारी सामूहिक प्रार्थना है। बाबा भोलेनाथ और माँ नर्मदा की कृपा से यह यात्रा अपने पवित्र संकल्प के साथ निरंतर आगे बढ़ रही है और भोरमदेव में जलाभिषेक के साथ यह संकल्प पूर्णता की ओर पहुंचेगा। मैं इस यात्रा में सहभागी सभी कांवड़ यात्रियों, क्षेत्रवासियों एवं सहयोगियों का आभार व्यक्त करती हूँ। आप सभी की सहभागिता ने इस यात्रा को और भी भव्य और अद्भुत बनाया है।

भारतनेट से छत्तीसगढ़ के गांवों को डिजिटल शक्ति मिलेगी : बृजमोहन अग्रवाल

- रायपुर सांसद ने लोकसभा में छत्तीसगढ़ में नेट कनेक्टिविटी को और मजबूत करने का मुद्दा उठाया

रायपुर (विश्व परिवार)। रायपुर लोकसभा सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने बुधवार को लोकसभा में छत्तीसगढ़ में भारतनेट परियोजना की प्रगति और ग्राम पंचायतों में डिजिटल कनेक्टिविटी को और प्रभावी बनाने का महत्वपूर्ण विषय उठाया।

केंद्रीय संचार एवं ग्रामीण विकास राज्य मंत्री डॉ. पेम्मासानी चंद्र शेखर ने जानकारी दी कि, 30 जून 2026 तक छत्तीसगढ़ को भारतनेट फेज-I, फेज-II और संशोधित भारतनेट कार्यक्रम के अंतर्गत कुल 2,757 करोड़ रुपये जारी किए गए हैं। इसमें फेज-I के अंतर्गत 560 करोड़ रुपये, फेज-II के अंतर्गत 2,065 करोड़ रुपये और संशोधित भारतनेट कार्यक्रम के अंतर्गत 132 करोड़ रुपये शामिल हैं।

मंत्रालय ने यह भी बताया कि छत्तीसगढ़ में भारतनेट फेज-I और फेज-II के अंतर्गत कुल 9,681 ग्राम पंचायतों को ऑप्टिकल फाइबर (OFC) केबल से जोड़ा गया है। इनमें से 833 ग्राम पंचायतें संचालित स्थिति में हैं।

सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में डिजिटल इंडिया अभियान ने देश के गांवों को नई संभावनाओं से जोड़ा है।

भारतनेट जैसी योजना ग्रामीण भारत को शिक्षा, स्वास्थ्य, शासन, कृषि और डिजिटल सेवाओं से जोड़ने की आधारशिला है।

उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ के हजारों गांवों को OFC कनेक्टिविटी से जोड़ना एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। अब आवश्यकता है कि जिन ग्राम पंचायतों तक आधारभूत कनेक्टिविटी पहुंच चुकी है, वहां सेवा संचालन को और गति देकर आम नागरिकों तक इसका पूरा लाभ पहुंचाया जाए। सांसद बृजमोहन अग्रवाल के अनुसार डिजिटल कनेक्टिविटी केवल इंटरनेट सुविधा नहीं, बल्कि ग्रामीण विकास का नया माध्यम है। इससे बच्चों को ऑनलाइन शिक्षा, मरीजों को टेलीमेडिसिन, किसानों को कृषि जानकारी, युवाओं को डिजिटल अवसर और नागरिकों को सरकारी सेवाओं तक सरल पहुंच मिलती है।

मंत्रालय ने अपने उत्तर में यह भी बताया कि भारत सरकार ने संशोधित भारतनेट कार्यक्रम को डिजाइन, बिल्ड, ऑपरेट और मैनटेन मॉडल के तहत स्वीकृत किया है। छत्तीसगढ़ में इसके क्रियान्वयन के लिए राज्य-नेतृत्व मॉडल को सैद्धांतिक स्वीकृति दी गई है। सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने कहा कि नई व्यवस्था से छत्तीसगढ़ में भारतनेट परियोजना को और मजबूती मिलेगी।

एम्स रायपुर व संबलपुर विश्वविद्यालय के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर

- क्रॉनिक किडनी डिजीज एवं क्षेत्रीय स्वास्थ्य चुनौतियों के समाधान के लिए समझौता ज्ञापन

रायपुर (विश्व परिवार)। मध्य भारत में सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवाओं और अनुसंधान तंत्र को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स), रायपुर और संबलपुर विश्वविद्यालय (ओडिशा) के बीच आज एक समझौता ज्ञापन (MoU) पर हस्ताक्षर किए गए। इस रणनीतिक साझेदारी का प्राथमिक उद्देश्य छत्तीसगढ़ और ओडिशा दोनों राज्यों में संयुक्त क्लिनिकल रिसर्च को बढ़ावा देना, स्वास्थ्य सेवा क्षमता का विस्तार करना और सार्वजनिक स्वास्थ्य व चिकित्सा विज्ञान क्षेत्र में नवोन्मेषी समाधान विकसित करना है।

इस अंतर-संस्थानी सहयोग का मुख्य केंद्र बिना स्पष्ट कारणों के होने वाली क्रॉनिक किडनी डिजीज (CKDu) तथा सिकल सेल रोग जैसी गंभीर क्षेत्रीय स्वास्थ्य समस्याएं रहेंगी। संबलपुर विश्वविद्यालय के उप पंजीयक (अकादमिक) डॉ. ईश्वर बैथारू के अनुसार, ओडिशा के कई जिलों में किडनी रोग के मामलों में असामान्य वृद्धि दर्ज की गई है, जिनके लक्षण छत्तीसगढ़ के CKDu प्रभावित क्षेत्रों के मरीजों से काफी मिलते-जुलते हैं। इसे ध्यान में रखते हुए दोनों राज्यों में इस स्वास्थ्य चुनौती की सटीक पहचान और रोकथाम के लिए समन्वित अनुसंधान की आवश्यकता महसूस की जा रही थी। साझेदारी के महत्व पर प्रकाश डालते हुए एम्स रायपुर के कार्यकारी निदेशक लेफ्टिनेंट जनरल अशोक जिंदल (सेवानिवृत्त) ने कहा कि यह समझौता केवल अकादमिक शोध पत्र प्रकाशित करने तक सीमित नहीं रहेगा।

पुरंदर मिश्रा ने विधि-विधान से की कृषि औजारों की पूजा-अर्चना, अच्छी फसल व सुख-समृद्धि की कामना

- कांशीराम नगर में हरेली तिहार की धूम, विधायक पुरंदर मिश्रा ने कृषि औजारों की पूजा-अर्चना कर सुख-समृद्धि की कामना की

रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ की समृद्ध लोकसंस्कृति, कृषि परंपरा और प्रकृति के प्रति आस्था का प्रतीक हरेली तिहार कांशीराम नगर में उत्साह एवं पारंपरिक उल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर रायपुर नगर उत्तर विधानसभा क्षेत्र के विधायक श्री पुरंदर मिश्रा कार्यक्रम में शामिल हुए और पारंपरिक विधि-विधान के साथ कृषि औजारों की पूजा-अर्चना की।

विधायक श्री मिश्रा ने भगवान से प्रदेश में अच्छी वर्षा, भरपूर फसल, किसानों की समृद्धि तथा प्रत्येक परिवार में सुख, शांति और खुशहाली की कामना की। उन्होंने उपस्थित क्षेत्रवासियों को हरेली तिहार की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि हरेली केवल एक पर्व नहीं, बल्कि छत्तीसगढ़ की मिट्टी, मेहनतकश किसान और हमारी गौरवशाली लोकपरंपराओं से जुड़ी भावनाओं का उत्सव है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ की संस्कृति की विशेषता यही है कि यहां के पर्व प्रकृति, कृषि और सामाजिक समरसता से गहराई से जुड़े हुए हैं। हरेली पर्व हमें अपनी जड़ों से जुड़ने, प्रकृति के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने और नई पीढ़ी को अपनी सांस्कृतिक विरासत से परिचित कराने का संदेश देता है।

कार्यक्रम में पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ कृषि उपकरणों की पूजा की गई तथा क्षेत्रवासियों ने हरेली पर्व की खुशियां साझा कीं। इस दौरान वार्ड पार्षद श्री महेश ध्रुव जी सहित बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी एवं गणमान्यजन उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का वातावरण छत्तीसगढ़ी संस्कृति और परंपराओं के रंग में रंगा रहा। उपस्थित जनों ने एक-दूसरे को हरेली तिहार की शुभकामनाएं दीं और प्रदेश की सुख-समृद्धि एवं खुशहाली की मंगलकामना की।

छत्तीसगढ़ सिक्ख समाज ने की शहीद भगत सिंह चौक की सफाई

- 15 अगस्त स्वतंत्रता दिवस पर देश के लिए सर्वोच्च बलिदान देने वाले शहीद भगत सिंह को किया जाएगा भावपूर्ण नमन

रायपुर (विश्व परिवार)। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर देश की आजादी के लिए अपने प्राणों की आहुति देने वाले महान क्रांतिकारी शहीद-ए-आजम भगत सिंह जी को श्रद्धापूर्वक याद करने की तैयारियों के तहत छत्तीसगढ़ सिक्ख समाज द्वारा बुधवार को राजधानी रायपुर स्थित शहीद भगत सिंह चौक की साफ-सफाई की गई। बारिश के कारण चौक परिसर में उग आई झाड़ियों को काटा गया तथा अव्यवस्थित घास को हटाकर पूरे परिसर की सफाई की गई। साथ ही शहीद भगत सिंह जी की प्रतिमा स्थल और प्रतिमा की भी विशेष रूप से सफाई कर उसे स्वतंत्रता दिवस पर श्रद्धांजलि के लिए तैयार किया गया। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ सिक्ख समाज के प्रदेश अध्यक्ष सुखबीर सिंह सिंघोत्रा के साथ स्वर्ण सिंह चावला, मनजीत सिंह भाटिया, कुलवंत सिंह खालसा, नरेन्द्र सिंह चावला, जागीर सिंह बावा, बलजीत सिंह चावला सहित समाज के सदस्यों ने श्रमदान किया। छत्तीसगढ़ सिक्ख समाज के प्रदेश अध्यक्ष सुखबीर सिंह सिंघोत्रा ने राजधानीवासियों से भावपूर्ण अपील करते हुए कहा कि 15 अगस्त केवल एक राष्ट्रीय पर्व नहीं, बल्कि उन असंख्य वीरों और शहीदों को याद करने का दिन है, जिन्होंने अपना वर्तमान हमारे स्वतंत्र भविष्य के लिए कुर्बान कर दिया।

खिलौने-उपहार बेचने वालों को जैविक खाद सप्लाई का ठेका, खाद की खरीदी में करोड़ों की हेराफेरी

रायपुर (विश्व परिवार)। प्रदेश कांग्रेस के मुख्य प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर कहा कि भाजपा सरकार में सरकारी खजाने को लूटने के लिए घोटालों की नई-नई तरकीबें खोजी जा रही हैं। जैविक खाद खरीदी में सामने आया मामला भ्रष्टाचार की इंतहा है। जैविक खाद की खरीदी के लिए जेम पोर्टल पर टेंडर की कैटेगरी ही ऐसी बदल दी गई कि दिव्यांगजन, खिलौने बेचने वाले और उपहार सामग्री बेचने वालों को भी जैविक खाद सप्लाई के लिए पात्र बना दिया गया। जो व्यक्ति खिलौने और गिफ्ट बेचता है, वह जैविक खाद की आपूर्ति कैसे करेगा? प्रदेश कांग्रेस के मुख्य प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा कि बीज निगम में लगभग 470 रुपये में उपलब्ध खाद को जेम पोर्टल के माध्यम से खरीदने में 10 करोड़ रुपये से अधिक की गड़बड़ी का आरोप सामने आया है। यह केवल पैसों की हेराफेरी का मामला नहीं, बल्कि किसानों के नाम पर सरकारी धन की बंदरबांट का गंभीर मामला है। प्रदेश कांग्रेस के मुख्य प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा कि टेंडर की शर्तें किसके इशारे पर बदली गईं? खिलौने और गिफ्ट बेचने वालों को जैविक खाद सप्लाई के लिए पात्र किसने बनाया? बाजार में सस्ती उपलब्ध खाद को महंगे दाम पर खरीदने की जरूरत क्यों पड़ी? इन सवालों का जवाब भाजपा सरकार को देना होगा।

नगर निगम भिलाई ने 7 तीर्थयात्रियों को अयोध्या धाम के लिए किया रवाना

भिलाईनगर। नगर पालिक निगम भिलाई क्षेत्र में निवासरत 50 वर्ष से अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिकों को हरेली त्यौहार के अवसर पर श्री रामलला दर्शन के लिए अयोध्या धाम रवाना किया गया। इस अवसर पर निगम मुख्य कार्यालय परिसर से तीर्थयात्रियों को तिलक लगाकर सम्मान के साथ रवाना किया गया। इसके बाद निगम के वाहन से सभी श्रद्धालुओं को दुर्ग रेलवे स्टेशन पहुंचाया गया। श्री रामलला दर्शन के लिए अयोध्या धाम रवाना होने वाले सात तीर्थयात्रियों में अलका ताम्रकार, बेन कुमार, मंतराम यादव, थनेन्द्र कुमार साहू, लक्ष्मी साहू, गणेश सोनी एवं प्रीति लता सोनी शामिल हैं। वरिष्ठ नागरिकों में अयोध्या धाम जाकर भगवान श्री रामलला के दर्शन को लेकर उत्साह और खुशी का माहौल रहा।

जल, जंगल, जमीन को कब्जा करते-करते अडानी अब स्कूलों में घुस गया : कांग्रेस

- छत्तीसगढ़ में सरकार भाजपा नहीं अडानी समूह चला रहा

रायपुर (विश्व परिवार)। पूरा छत्तीसगढ़ भाजपा के राज में अडानी मय हो गया है। प्रदेश कांग्रेस की मुख्य प्रवक्ता वंदना राजपूत ने कहा कि अब तो बच्चों की परीक्षा की उत्तर पुस्तिकाओं तक में अडानी समूह का लोगो छापा जा रहा है। मिशन उत्कर्ष के तहत 10वी, 12वी के तिमाही परीक्षा की उत्तर पुस्तिकाओं में अडानी का लोगो छपवाकर सरकार बच्चों को क्या संदेश देना चाह रही कि हम और हमारी शिक्षा व्यवस्था अडानी के रहमो करम पर है।

प्रदेश कांग्रेस की मुख्य प्रवक्ता वंदना राजपूत ने कहा कि प्रदेश के खनिज संपदा जल, जंगल, जमीन सभी कुछ भाजपा सरकार के अडानी के हवाले कर दिया है। तमनार से लेकर हसदेव तक अडानी के इशारे पर जंगल की कटाई हो रही है।

प्रदेश कांग्रेस की मुख्य प्रवक्ता वंदना राजपूत ने कहा कि अडानी की कंपनी के स्मार्ट मीटर लगाकर बिजली के बिल में लूट मचाया जा रहा हैं। अडानी छत्तीसगढ़ के नासूर बन चुका है। अडानी का कोयला गुजरात तक पहुंचाने के लिये धरसींवा से सूरत तक रेल कारीडोर बनाया जा रहा, जिसके लिये छत्तीसगढ़ के किसानों की जमीनों का जबरीया अधिग्रहण किया जा रहा है। ऐसा लग रहा छत्तीसगढ़ में अडानी ही सरकार चला रहा है।

बड़े बकायादारों के संस्थानों व दुकानों में सील बंद की कार्रवाई हुई तेज

रायपुर (विश्व परिवार)। नगर पालिक निगम जोन क्रमांक 02 के अंतर्गत आयुक्त, के निर्देशानुसार द्वारा टैक्स बड़े बकायादार को डिमांड बिल, डिमांड नोटिस जारी करने के उपरांत लोग समझ नही पा रहे हैं। दुकानों एवं ऑफिस गोदाम को सील बंद करने की कार्रवाई करते हुए वार्ड क्रमांक 14 रमण मंदिर वार्ड, वार्ड क्रमांक 26 दानवीर भामाशाह वार्ड एवं वार्ड क्रमांक 27 इंदिरा गांधी वार्ड चौक में तालाबंदी की कार्रवाई की गई है कार्रवाई के बाद बकायादार निगम ऑफिस जाकर अपना टैक्स जमा कर रहे हैं जिसमें प्रमुख रूप से राजस्व अधिकारी सहायक राजस्व अधिकारी विजय शर्मा उप निरीक्षक पवन सिंह कश्यप सहायक उप निरीक्षक लोचन बघेल नरेंद्र गेन्द्रे, अशोक मानिकपुरी, इत्यादि शामिल हुए हैं इन अधिकारियों को कहना है कि इस तरह की कार्रवाई निरंतर जारी रहेगी। जिसमें और भी लोग संपत्ति कर जमा करेंगे कार्यालय में अगर नही जमा करने पर निगम आयुक्त ऐसी ही कार्यवाही निरंतर जारी रखेगा।

तिरंगा यात्रा के तहत बाइक रैली में गूंजा देशभक्ति का संदेश

- कलेक्टर-एसपी सहित अधिकारियों ने लिया भाग
- जगदलपुर शहर के भ्रमण के बाद चित्रकोट जलप्रपात में हुआ समापन, स्वच्छता अभियान चलाकर दिया स्वच्छता का संदेश

जगदलपुर (विश्व परिवार)। हर घर तिरंगा अभियान के तहत देशभक्ति और राष्ट्रीय एकता की भावना को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से तिरंगा यात्रा के अंतर्गत बाइक रैली का आयोजन किया गया। रैली में कलेक्टर आकाश छिकारा, पुलिस अधीक्षक शलभ सिन्हा, जिला पंचायत सीईओ तन्मय खन्ना सहित जिला प्रशासन एवं पुलिस विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। हाथों में तिरंगा लेकर बाइक सवारों ने शहर में भ्रमण करते हुए देशभक्ति और राष्ट्रप्रेम का संदेश दिया।

बाइक रैली ने जगदलपुर शहर के पी जी कॉलेज चौक से प्रारंभ होकर, अग्रसेन चौक, दंतेश्वरी मंदिर होते दलपत सागर के किनारे से विभिन्न प्रमुख मार्गों से होकर भ्रमण किया। इस दौरान भारत माता की जय और वंदे मातरम् के जयघोष से वातावरण देशभक्तिमय हो गया। रैली के माध्यम से नागरिकों को स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर अपने घरों पर तिरंगा फहराने तथा राष्ट्र के प्रति सम्मान और गौरव की भावना को मजबूत करने का संदेश दिया गया।

तिरंगा यात्रा की रैली को पुलिस अधीक्षक श्री सिन्हा और सीईओ श्री तन्मय के नेतृत्व में लोहांडीगुडा तक लेकर गया, इसके साथ ही उसरीबेड़ा से जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती वेदवती कश्यप, जिला पंचायत और जनपद पंचायत के सदस्य भी इस रैली में शामिल हुए,समापन जिले के प्रसिद्ध चित्रकोट जलप्रपात में किया गया। इस अवसर पर अधिकारियों एवं प्रतिभागियों द्वारा चित्रकोट जलप्रपात क्षेत्र में स्वच्छता अभियान भी चलाया गया। सभी ने मिलकर जलप्रपात एवं आसपास के पर्यटन क्षेत्र की साफ-सफाई की और स्वच्छता के प्रति जागरूकता का संदेश दिया।

इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती वेदवती कश्यप ने कहा कि बाइक रैली के साथ स्वच्छता अभियान को एक पहल के रूप में स्वागत है, हम तिरंगा यात्रा में प्रधानमंत्री के पहल स्वच्छता अभियान को जिले के प्रमुख पर्यटन स्थल में करने का प्रयास किया गया।हमे घर के अलावा अपने आसपास के परिसर को स्वच्छ रखने का संकल्प लेना चाहिए ।

अधिकारियों ने कहा कि तिरंगा केवल हमारे देश की आन-बान-शान का प्रतीक नहीं, बल्कि यह देश की एकता, अखंडता और गौरव का भी प्रतीक है। तिरंगा यात्रा के साथ स्वच्छता अभियान का आयोजन कर राष्ट्रप्रेम के साथ अपने आसपास के पर्यावरण को स्वच्छ एवं सुंदर बनाए रखने का संदेश भी दिया गया।

15 अगस्त स्वतंत्रता दिवस को मटन मार्केट बंद

राजनांदगांव। राज्य शासन के आदेशानुसार स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में 15 अगस्त दिन शनिवार को नगर निगम सीमाक्षेत्र स्थित पशुवध गृह एवं मटन मार्केट पूर्णरूपेण बंद रहेंगे। नगर निगम आयुक्त श्री जी.आर. मरकाम ने स्वास्थ्य विभाग को उक्त दिवस पर पशुवध एवं विक्रय कार्य पूर्णत: प्रतिबंधित सुनिश्चित करने कहा है।

आयुक्त श्री मरकाम ने स्वास्थ्य विभाग को निर्देशित करते हुये कहा है कि 15 अगस्त के दिन मांस विक्रय करते पाये जाने पर मांस जप्त करने एवं संबंधित के विरूद्ध यथोचित कानूनी कार्यवाही करते हुये 5 हजार रूपये तक जुर्माना वसूल करे। उन्होंने समस्त स्वच्छता निरीक्षकों को उक्त दिवस को अपने अपने क्षेत्र में पर्यवेक्षण करने के निर्देश दिये है।

दुर्लभ इच्थियोसिस हाइस्ट्रीक्स से पीड़ित बच्ची की एम्स रायपुर में बहु-विषयक उपचार से स्थिति में उल्लेखनीय सुधार

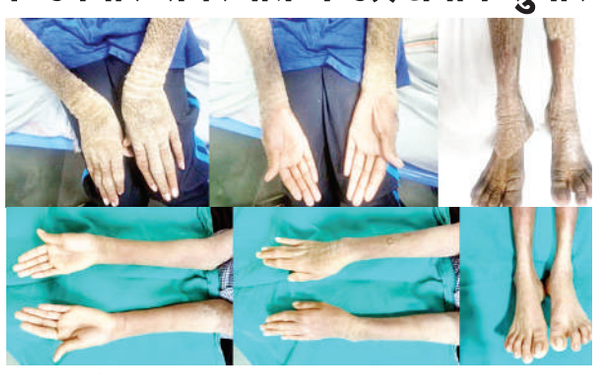

रायपुर (विश्व परिवार)। एक अत्यंत दुर्लभ जन्मजात त्वचा रोग इच्थियोसिस हाइस्ट्रीक्स से पीड़ित 14 वर्षीय बच्ची की एम्स रायपुर में किए गए व्यापक और बहु-विषयक उपचार के बाद स्वास्थ्य में उल्लेखनीय सुधार हुआ है।

बच्ची को त्वचा रोग विभाग में शरीर के बड़े हिस्से पर त्वचा की गंभीर समस्या और मोटी, नुकीली तथा कांटेदार त्वचा की परतों के साथ लाया गया था। यह एक दुर्लभ बीमारी है, जिसमें त्वचा पर कांटेदार और मोटी परतें दिखाई देती हैं। बच्ची के परिवार में इस तरह की बीमारी का कोई पूर्व इतिहास नहीं मिला, जिससे यह मामला स्वत: उत्पन्न होने वाला (sporadic) माना जा रहा है।

बच्ची की स्थिति को देखते हुए एम्स रायपुर के त्वचा रोग विभाग के नेतृत्व में एक बहु-विषयक टीम ने उसका उपचार शुरू किया। इसमें बाल रोग विशेषज्ञ, जेनेटिक विशेषज्ञ, पोषण विशेषज्ञ, मेडिकल सोशल सर्विस ऑफिसर (रूस्ह) तथा अन्य संबंधित विशेषज्ञ शामिल रहे। उपचार के दौरान आवश्यक बाहरी दवाएं (टॉपिकल उपचार), पोषण संबंधी सहायता और नियमित चिकित्सकीय निगरानी की गई। बीमारी की स्थिति को बेहतर ढंग से समझने के लिए त्वचा की बायोप्सी और जेनेटिक जांच की भी योजना बनाई गई।

लगातार उपचार और नियमित निगरानी के बाद बच्ची की त्वचा की स्थिति में स्पष्ट और उल्लेखनीय सुधार देखा गया है। त्वचा पर दिखाई देने वाली गंभीर परतों में कमी आई है, जिससे बच्ची और उसके परिवार को काफी राहत मिली है।

दैनिक
विश्व परिवार
www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com
रायपुर, गुरुवार 13 अगस्त 2026

हरेली : कृषि उपकरणों की हुई पूजा अर्चना

कोरबा। छत्तीसगढ़ में लोकपर्वों की शुरुआत सावन अमावस्या को हरेली के साथ हो गया। इस मौके पर कृषक समुदाय ने कृषि उपकरणों की पूजा अर्चना करने के साथ अच्छी फसल और समृद्धि की कामना की। शहर से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों में पारंपरिक प्रतियोगिताओं में बच्चे और युवा शामिल हुए। खरीफ सीजन का ज्यादातर काम निपटने के बाद कृषक वर्ग हरेली को वर्षों से मनाता आ रहा है। इसके पीछे मूल सिद्धांत यही है कि वर्ष भर की खाद्यान्न आवश्यकताओं की पूर्ति बेहतर तरीके से हो। जिस भरोसे के साथ खेतों में बीज लगाए गए हैं, उनके जरिए फसल की अच्छी पैदावार हो और सभी की आवश्यकताएं पूरी हो।

दिल्ली में पूर्व केंद्रीय मंत्री प्रदीप जैन 'आदित्य' के सुपुत्र का विवाह आशीर्वाद समारोह

नई दिल्ली (विश्व परिवार)। पूर्व केंद्रीय मंत्री श्री प्रदीप जैन 'आदित्य' के सुपुत्र चि. गौरव सौ.कां.ऐश्वर्या के शुभ विवाहोत्सव पर होटल अशोक, नई दिल्ली मे भव्य आशीर्वाद समारोह में देश की जानी-मानी हस्तियों ने उपस्थित होकर नव दंपति शुभकांमनाए भेंट की। इस अवसर पर राजनेता राहुल गांधी, प्रियंका गांधी, मल्लिकार्जुन खडगे, जगदंबिका पाल, शशि थरूर, अखिलेश यादव, राजीव शुक्ला, भुपेन्द सिंग हुडा, नवीन जिंदल, अनुराग शर्मा, चंद्रपाल सिंह यादव सहित वरिष्ठ संपादक/पत्रकार गणों ने विशेष रूप से सम्मलित हुए।

टीकमगढ का पुष्प परिवार समाज का गौरव

टीकमगढ़ प्रतिष्ठा पितामह पंडित श्री गुलाब चंद्र जी पुष्प प्रतिष्ठाचार्य के द्वारा समाज में विशेष धर्म प्रभावना के साथ नवीन मंदिर निर्माण पंचकल्याणक एवं गजरथ महोत्सव के माध्यम से इतिहास बनाने कासौभाग्य प्राप्त हुआ है।

परंपरा

इसी परंपरा को आगे बढ़ते हुए प्रतिष्ठा चूड़ामणि ब्रह्मचारी जयकुमार निशांत भैया जी ने भी नवीन जिनालय एवं पंचकल्याणक का इतिहास बनाया है । आपके परिवार जनों में इंजीनियर शिखर चंद्र जी, डॉक्टर उत्तम चंद्र जी, श्री राजकुमार जी , डॉक्टर प्रदीप कुमार जी ने अपने पुष्प परिवार को समाज में विशेष स्थान दिलाया है ।

संस्कारों का संरक्षण

अगली पीढ़ी में सभी बच्चों ने विशेष गौरव में स्थान बनाते हुए अपने धार्मिक संस्कारों को संरक्षित किया है । देव दर्शन, पूजन, स्वाध्याय एवं महाव्रतियों के प्रति आप विशेष रूप से समर्पित हैं।

विशेष उपलब्धि

डॉक्टर अंकुर जैन एवं डॉक्टर मेघा जैन की सुपुत्री ओमीषा जैन ने JEE एडवांस की प्रतियोगी परीक्षा में संपूर्ण महाराष्ट्र में द्वितीय स्थान एवं विदर्भ में छात्राओं में 99.99 अंक प्राप्त करके प्रथम स्थान प्राप्त करने का गौरव प्राप्त किया है। इसी प्रकार सुपुत्र आगम जैन ने 99.81 अंक प्राप्त करके विशेष स्थान प्राप्त करके पुष्प परिवार का गौरव बढ़ाया है। विगत दसवीं कक्षा में भी आप दोनों ने प्रथम एवं द्वितीय स्थान प्राप्त करके सभी का बहुमान बढ़ाया था।

आगामी योजना

भविष्य में आप दोनोंआईआईटी क्षेत्र में विशेष प्रोजेक्ट पर कार्य करने का विचार बना रहे हैं, जिससे इनकी पूरे विश्व में एक विशेष पहचान बने। आप दोनों जिन शासन की प्रभावना हेतु समर्पित हैं और प्रतिष्ठा पितामह पुष्प जी की गौरव गरिमा को बनाए रखते हुए निरंतर उन्नति को प्राप्त हो रहे हैं।

बधाई शुभकामना

पुष्प परिवार, श्री नवागढ़ गुरुकुलम, दिगंबर जैन अतिशय क्षेत्र नवागढ़ एवं सभी संस्थाओं की ओर से आप दोनों को हार्दिक बधाई शुभकामना। आप इसी प्रकार आगे बढ़ते हुए अपने धर्म,परिवार, समाज एवं देश का गौरव बढ़ाएं यही मंगल भावना है।

-प्रदीप कुमार जैन
संपादक, दैनिक विश्व परिवार

साईं रामचंद के रायपुर आगमन पर भव्य स्वागत

रायपुर। जय शक्तिधाम समिति स्वामी हरिगिर महाराज धर्मशाला के पिठाधीश साईं राम चंद जी के रायपुर आगमन पर श्रद्धालुगण ने रायपुर रेल्वे स्टेशन एवं शक्तिधाम मंदिर में ज़ोरदार स्वागत किया स्वागत में विशेष रूप से उपस्थित हुए भीमन दास तारवानी उत्तमचंद तारवानी हरीश तारवानी चेतन तारवानी सुनील काशवानी रवि पीयूष एवं बंटी रेनु तेजवानी मनीषा तारवानी रीता तारवानी गुलशन काशवानी इत्यादि।

विश्व विख्यात जैन तीर्थ नवागढ़ में 16 अगस्त को राष्ट्रीय पत्रकार सम्मेलन

नवागढ़ (विश्व परिवार)। उत्तर प्रदेश के ललितपुर जिले में स्थित नवागढ़ जी में 16 अगस्त को राष्ट्रीय एवं प्रांतीय स्तर के पत्रकारों की उपस्थिति में राष्ट्रीय पत्रकार सम्मेलन बाल ब्रह्मचारी प्रतिष्ठाचार्य शिरोमणि जय निशांत जी भैया जी के कुशल मार्गदर्शन में भारत सरकार के पूर्व केंद्रीय मंत्री श्री प्रदीप जी आदित्य की अध्यक्षता में एव दैनिक विश्व परिवार रायपुर के प्रबंध संपादक श्री प्रदीप जैन विश्व परिवार के मुख्य आतिथ्य में एवं पूर्व विधायक श्री सुनील जी जैन सागर प्रबंध संपादक दैनिक आचरण, नीति आयोग की सदस्या श्रीमती अर्चना जी जैन , विधायक टीकमगढ़ श्री यादवेंद्र सिंह जी के विशिष्ट आतिथ्य में समारोह गौरव श्री सुनील जैन ए पी बाम की गरिमा मयी उपस्थिति में सम्मेलन संपन्न होने जा रहा है।

राष्ट्रीय पत्रकार सम्मेलन आयोजन समिति संयोजक श्री कमल कुमार जी लोकपथ , सम्मेलन मीडिया प्रभारी श्री भरत सेठ घुवारा, क्षेत्र महामंत्री श्री वीर चंद्र जी नेकोरा , गुरुकुलम महामंत्री श्री डॉ प्रदीप कुमार जी छतरपुर, चातुर्मास महामंत्री श्री पं गगनदीप फणीन्द बड़ागांव के कार्यभार के साथ संपन्न होगा ।

नवागढ़ जी क्षेत्र पर संत शिरोमणि आचार्य श्री 108 विद्यासागर जी महाराज के मुनि श्री 108 सरल सागर जी महाराज के परम प्रभावक शिष्य परम तपस्वी मुनि श्री 108 मंगलानंद जी एवं मंगल सागर जी महाराज ससंघ का पावन वर्षा योग बड़े धूमधाम के साथ चल रहा है । मुनि श्री ससंघ के मंगल सानिध्य में नवागढ़ जी में धर्म की गंगा बह रही है ।

मांगलिक कार्यक्रम ; प्रात: 7:30 बजे भौयरे में अभिषेक, प्रात: 8:00 बजे पंडाल में अभिषेक, 8:30 बजे पूजा विधान, दोपहर 1:00 पत्रकार सम्मेलन, दोपहर 3:00 बजे मुनि श्री जी के मांगलिक प्रवचन,शाम 4:30 बजे क्षेत्र भ्रमण, सायं कालीन भोजन।

राष्ट्रीय पत्रकार सम्मेलन में संपूर्ण देश सहित अनेक प्रांतो से वरिष्ठ पत्रकार गणों में मनोज जी नायक मुरैना, श्री प्रवीण जैन सांध्य लक्ष्मी दिल्ली, अक्षय की अलया ललितपुर, राजीव सेनानी एडवोकेट मध्यप्रदेश अध्यक्ष आईजा, श्री नवनीत जैन बंटी संपादक अद्भुत कलम, श्री नरेंद्र जैन जनता टीकमगढ़, श्री श्रीपाल नायक, श्री नरेंद्र अरजरिया, श्री अनिल जैन पठा, श्री सुधीर जैन मबई, श्री बासम खान टीकमगढ़, श्री उदय भान जैन जयपुर, श्री मनीष वेद जयपुर, श्री सुधीर विद्यार्थी दमोह, श्री ब्रह्म दत्त दुबे सागर न्यूज़, श्री राजेश रागी बक्सवाहा, श्री राकेश गोधा पिंक सिटी, श्री राजेश फणीन्द , श्री कबीन्द्र पटेरिया, श्री पुष्पेंद्र सक्सेना, श्री अभय जैन मिंकु भगवा, श्री अनिल जैन बड़कुल, श्री चंदन सिंह बुंदेला, श्री प्रशांत जैन बड़ा मलहरा, श्री मोहित जैन बक्सवाहा, श्री अनिल रावत टीकमगढ़, श्री आमिर खान टीकमगढ़, श्री सूर्य प्रकाश गोस्वामी, नीरज सोनी बुंदेली चुगली छतरपुर, श्री आलोक दाऊ घुवारा, श्री प्रदुम्य जी फौजदार बड़ा मलहरा, श्री सनत जैन संपादक छतरपुर टाइम्स,श्री संजय ताम्रकार संपादक सत्ता सरकार, श्री दीपू जैन बारव घुवारा, श्री अमित संज्ञा विश्व परिवार, अमित सोनी जी न्यूज़, श्री शैलेंद्र ए बी सी पी न्यूज़, श्री रमेश जैन गढ़ा छतरपुर, चरण सिंह बुंदेला, मुकेश सेन न्यूज़ 24, प्रभात जैन बड़ागांव, अजय कांत जैन घुवारा सहित अनेक पत्रकार गण सम्मेलन में पधार रहे हैं ।

-भरत सेठ पत्रकार 'घुवारा'

मालवीय रोड के दुकानदारों द्वारा सड़क पर कब्जों की वीडियोग्राफी कर जुर्माना वसूला

रायपुर (विश्व परिवार)। रायपुर पुलिस कमिश्नर डॉ. संजीव शुक्ला और रायपुर जिला कलेक्टर डॉ. गौरव कुमार सिंह के आदेशानुसार और नगर पालिक निगम रायपुर के आयुक्त संबित मिश्रा के निर्देशानुसार नगर निगम अपर आयुक्त नगर निवेश पंकज के. शर्मा, नगर निवेशक आभाष मिश्रा, कार्यपालन अभियंता नगर निवेश आशुतोष सिंह, शशयक अभियंता नीतीश झा सहित सम्बंधित यातायात पुलिस प्रशासन एवं नगर निगम मुख्यालय नगर निवेश विभाग उड़न दस्ता की टीम द्वारा राजधानी शहर रायपुर में नगर पालिक निगम रायपुर क्षेत्र के अंतर्गत नगर निगम जोन 4 क्षेत्र अंतर्गत मालवीय मार्ग मुख्य मार्ग में टीम प्रहरी अभियान अंतर्गत बाजार क्षेत्र में प्रमुख मार्ग को अतिक्रमण से मुक्त करने व्यापक अभियान के अंतर्गत जनहित में जनसुविधा की दृष्टि से सुगम और सुव्यवस्थित यातायात देने सभी सम्बंधित दुकानदारों को एक बार पुन: स्पष्ट समझाइश दी गयी कि वे सड़क पर कब्जा ना करें, अन्यथा की स्थिति में सड़क पर रखे उनके सामानों की यातायात जाम की समस्या दूर करने जनहित में सख्तीपूर्वक जब्ती कर ली जाएगी, अन्यथा की स्थिति में सम्बंधित कब्जाधारी दुकानदार इसके लिए

स्वत: जिम्मेदार रहेंगे। चलाये गए जनहितकारी टीम प्रहरी अभियान के अंतर्गत नगर निगम जोन 4 क्षेत्र अंतर्गत मालवीय रोड मुख्य मार्ग के मार्ग विभाजक के दोनों ओर के दुकानदारों द्वारा मुख्य बाजार के सड़क मार्ग पर किये गए कब्जों की वीडियोग्राफी करवाकर सम्बंधित दुकानदारों को भविष्य के लिए नियमानुसार कड़ी चेतावनी देते हुए कुल 55000 रूपये का ई चालान वसूलने की कार्रवाई की गयी। टीम प्रहरी अभियान अंतर्गत लगातार चलाये जा रहे अतिक्रमणरोधी अभियान से राजधानी शहर रायपुर के भिन्न मुख्य बाजार क्षेत्रों के विभिन्न प्रमुख मार्गो का यातायात निरन्तरता से सुगम और सुव्यवस्थित हो रहा है और इससे आमजनों एवं राहगीरों को यातायात जाम की समस्या से त्वरित राहत मिल रही है।

इंटर-स्टेट ग्रीनफील्ड एक्सप्रेस-वे से व्यापार और पर्यटन को मिलेगा बढ़ावा

- **भाजपा के मुख्य प्रदेश प्रवक्ता व सांसद संतोष पाण्डेय ने कहा : 15 हजार करोड़ रुपये के इस प्रस्ताव से छत्तीसगढ़ और मप्र के बीच कनेक्टिविटी होगी मजबूत, रायपुर से भोपाल के बीच दूरी होगी कम**

रायपुर (विश्व परिवार)। भारतीय जनता पार्टी के मुख्य प्रदेश प्रवक्ता एवं सांसद संतोष पाण्डेय ने मध्य भारत के सबसे बड़े आधारभूत ढाँचा (इन्फ्रास्ट्रक्चर) प्रोजेक्ट को मिली हरी झण्डी पर प्रसन्नता व्यक्त की है। श्री पाण्डेय ने बताया कि केंद्र सरकार ने रायपुर और भोपाल के बीच अंतरराज्यीय ग्रीनफील्ड एक्सप्रेस-वे के निर्माण के लिए 15 हजार करोड़ रुपये का प्रस्ताव तैयार किया है।

भाजपा मुख्य प्रदेश प्रवक्ता व सांसद श्री पाण्डेय ने कहा कि मध्य भारत के सबसे बड़े इंटर-स्टेट कॉरिडोर के रूप में ग्रीनफील्ड एक्सप्रेस-वे को मंजूरी मिल चुकी है। यह नया 6-लेन एक्सप्रेस-वे छत्तीसगढ़ और मध्यप्रदेश के बीच कनेक्टिविटी को एक नई ऊँचाई प्रदान करेगा। मध्यप्रदेश के भोपाल, सागर, दमोह, जबलपुर और मंडला से होते हुए यह मार्ग छत्तीसगढ़ की सीमा में प्रवेश करेगा। छत्तीसगढ़ के कवर्धा, बेमेतरा, सिमगा से होते हुए यह मार्ग सीधे रायपुर तक जाएगा। इस एक्सप्रेस-वे के बनने से रायपुर और भोपाल के बीच की दूरी और यात्रा के समय में भारी कमी आएगी।

आयुर्वेदिक स्वर्ण प्राशन शिविर में 163 बालक बालिकाओं ने किया नि:शुल्क औषधि सेवन

अकलतरा (विश्व परिवार)। पूज्य निर्यापक श्रमण श्री प्रसाद सागर जी महाराज के पावन निर्देशन एवं आशीर्वाद से आयोजित आयुर्वेदिक स्वर्ण प्राशन शिविर में 163 बालक-बालिकाओं ने नि:शुल्क औषधि सेवन कर लाभ लिया। शिविर में अकलतरा, जांजगीर, नैला, पामगढ़, बलौदा एवं अमोरा सहित विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे बालक-बालिकाओं ने स्वर्ण प्राशन का लाभ

लिया। अभिभावकों में भी इस आयोजन को लेकर काफी उत्साह देखा गया। श्री दिगंबर जैन पंचायत समिति श्रीजीत जैन ने बताया कि बच्चों के स्वास्थ्य एवं संस्कारों के विकास के उद्देश्य से आयोजित यह शिविर आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज के स्वप्न को साकार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। शिविर में बड़ी संख्या में बच्चों की सहभागिता रही।

ग्रीन स्टील एवं माइनिंग समिट में जिंदल स्टील की प्रभावी भागीदारी

रायपुर (विश्व परिवार)। भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) द्वारा रायपुर में आयोजित 5वें ग्रीन स्टील एवं माइनिंग समिट में जिंदल स्टील लिमिटेड प्राइम स्पॉन्सर के रूप में सहभागी है। दो दिवसीय समिट का शुभारंभ आज छत्तीसगढ़ के उपमुख्यमंत्री श्री अरुण साव एवं उद्योग मंत्री श्री लखनलाल देवांगन की गरिमामयी उपस्थिति में हुआ।

समिट के एग्जीबिशन एरिया में जिंदल स्टील द्वारा स्थापित आकर्षक स्टॉल प्रमुख आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। स्टॉल में जिंदल समूह का परिचय, कंपनी की उत्पादन क्षमताओं, वर्तमान परियोजनाओं तथा भविष्य की विस्तार योजनाओं को प्रदर्शित किया गया है। इसके साथ ही ग्रीन स्टील, ग्रीन एनर्जी तथा कार्बन फुटप्रिंट को

कम करने की दिशा में कंपनी की भावी योजनाओं और पहलों को भी विशेष रूप से प्रदर्शित किया गया है। जिंदल स्टील के विभिन्न उत्पादों का प्रदर्शन भी स्टॉल पर किया गया है, जिसे आगंतुकों और उद्योग जगत के प्रतिनिधियों द्वारा सराहा जा रहा है। सेल्स एवं मार्केटिंग टीम के सदस्य आगंतुकों को उत्पादों की विशेषताओं एवं उपयोग से संबंधित जानकारी दे रहे हैं।

जिंदल स्टील के बिजनेस हेड-रायपुर श्री निलेश शाह एवं हेड-कॉरपोरेट अफेयर्स, रायपुर श्री एस.एस. बजाज ने स्टॉल पर उपमुख्यमंत्री, उद्योग मंत्री सहित अन्य गणमान्य अतिथियों का स्वागत किया और कंपनी की वर्तमान परियोजनाओं एवं भविष्य की योजनाओं की जानकारी दी। अतिथियों ने राज्य के औद्योगिक एवं समग्र विकास में जिंदल स्टील के योगदान की

सराहना की। इसके अतिरिक्त, प्रदर्शनी क्षेत्र के बाहर जिंदल स्टील लिमिटेड के मशीनरी डिवीजन, रायपुर के उत्पादों का एक अलग स्टॉल भी लगाया गया है, जो आगंतुकों के बीच आकर्षण का केंद्र बना हुआ है।

पैनल एवं तकनीकी सत्र में जिंदल स्टील की सक्रिय भागीदारी

समिट के दौरान जिंदल स्टील लिमिटेड की ओर से श्री नवीन अहलावत ने वर्ष 2047 के लिए इस्पात उद्योग जगत की तैयारी विषय पर आयोजित पैनल चर्चा में सहभागिता की। उन्होंने जिंदल स्टील द्वारा अपनाई जा रही उत्कृष्ट कार्यप्रणालियों, हरित एवं सतत विनिर्माण की दिशा में किए जा रहे प्रयासों तथा समूह की भविष्य की योजनाओं को साझा किया। उन्होंने भारत के इस्पात क्षेत्र को भविष्य के लिए तैयार करने में तकनीक, नवाचार, ऊर्जा दक्षता और पर्यावरणीय स्थिरता की महत्वपूर्ण भूमिका पर अपने विचार रखे। उनके विचारों और कंपनी की भावी योजनाओं ने उपस्थित उद्योग प्रतिनिधियों एवं श्रोताओं को प्रेरित किया।

प्रकाशक, मुद्रक, स्वामी प्रियेश कुमार जैन द्वारा आसमां पब्लिसर्स इंडिया प्रा.लि. पंजाब नेशनल बैंक के सामने, जयस्तंभ चौक, रायपुर से मुद्रित एवं ओलंपस जिम के पीछे, सेक्टर-1, शंकर नगर रायपुर (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक : प्रदीप कुमार जैन, फोन नं. : 0771- 4017966, मो.- 9981924252 RNI.NO.CHHHIN/2013/50354